LKS
दैनिक लोकतंत्र की शान
RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928
www.loktantrakishaan.com
दिल्ली से प्रकाशित बुधवार 29 अप्रैल 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

'पूर्व का स्वर्ग' देखना है तो सिक्किम जरूर पहुंचें पर्यटक : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को गंगटोक में सिक्किम के 50वें स्थापना वर्ष के समापन समारोह में पर्यटन को विकास से जोड़ा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इसके लिए कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने पूर्वोत्तर को 'अष्ट लक्ष्मी' बताते हुए एक्ट ईस्ट, एक्ट फास्ट नीति का उल्लेख किया। साथ ही देशवासियों से सिक्किम आने की अपील की। कार्यक्रम में उन्होंने चार हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सिक्किम के दो दिवसीय दौरे के आखिरी दिन आज गंगटोक के पालजोर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पूर्वोत्तर के विकास के लिए कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे पर तेजी से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों के दौरान सिक्किम और पूर्वोत्तर के विकास पर ध्यान नहीं दिया गया। स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में पर्यटक सिक्किम आने से बचता था। अब राज्य में चार जिला अस्पताल और 22 आयुष्मान केंद्र स्थापित किए गए हैं। उन्होंने सिक्किम के सांस्कृतिक आयोजनों की प्रशंसा करते हुए कहा कि राजनीतिक स्वार्थ के कारण आज जहां देश में भेदभाव पैदा करने की कोशिश हो रही है, ऐसे में सिक्किम ने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का उदाहरण प्रस्तुत किया है। मोदी ने सिक्किम को 'पूर्व का स्वर्ग' और 'पूर्वोत्तर का गार्डन' बताया। उन्होंने कहा कि राज्य में देश की 25 प्रतिशत से अधिक फ्लोरल विविधता पाई जाती है। यहां 500 से अधिक पक्षियों और 700 प्रकार की तितलियों की प्रजातियां हैं। कंचनजंगा की पहाड़ियां राज्य की पहचान को और समृद्ध बनाती हैं। उन्होंने पर्यटकों से सिक्किम आने और यहां के स्थानीय उत्पाद खरीदने की अपील की। उन्होंने सुझाव दिया कि यात्रा के बजट का कम से कम 5 प्रतिशत पर्यटकों को स्थानीय वस्तुओं की खरीद पर खर्च करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यटक जहां जाएं, वहीं का भोजन करें और स्थानीय उत्पादों को खरीदें। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। प्रधानमंत्री ने बताया कि कैसे केंद्र सरकार राज्य के साथ मिलकर खेल और वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा देने पर भी काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में स्पोर्ट्स अकादमी को पुनर्जीवित किया गया है और खेलो इंडिया तथा फिट इंडिया जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं। सिक्किम प्रीमियर लीग जैसे आयोजन भी प्रोत्साहित किए जा रहे हैं। साथ ही 1,000 होमस्टे विकसित किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने गंगटोक में 4,000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। ये परियोजनाएं बुनियादी ढांचे, संपर्क, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बिजली, शहरी विकास, पर्यावरण, पर्यटन और कृषि जैसे क्षेत्रों से जुड़ी हैं।

पीएम मोदी ने सिक्किम में खेले फुटबॉल

गंगटोक। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के लिए प्रचार थम जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिक्किम के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे हैं। मंगलवार सुबह गंगटोक में उनका एक अलग ही अंदाज देखने को मिला, जब वे युवा खिलाड़ियों के बीच फुटबॉल मैदान में उतरे और उनके साथ खेलते नजर आए। प्रधानमंत्री मोदी ने न सिर्फ फुटबॉल खेला, बल्कि गोल करने के बाद साथी खिलाड़ियों के साथ सेलिब्रेशन भी किया। इस दौरान की तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा कीं। तस्वीरों के साथ उन्होंने लिखा कि "सिक्किम में अपने युवा मित्रों के साथ गंगटोक की सुहानी सुबह में फुटबॉल खेलने जैसा कुछ नहीं। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी अपने सिक्किम दौरे के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं। दौरे के पहले दिन उन्होंने गंगटोक में एक भव्य रोड शो किया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इसके अलावा, वे सिक्किम के भारत में विलय के 51 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में भी भाग लेंगे। इस दौरान लगभग चार हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी की यह पहल केवल एक खेल गतिविधि भर नहीं मानी जा रही है, बल्कि इसे एक व्यापक राजनीतिक संदेश के रूप में भी देखा जा रहा है। दरअसल, सिक्किम के साथ-साथ पश्चिम बंगाल में भी फुटबॉल अत्यंत लोकप्रिय खेल है। विशेषकर कोलकाता जैसे शहर को भारत में क्लब फुटबॉल का प्रमुख केंद्र माना जाता है, जहां जमीनी स्तर तक फुटबॉल क्लब सक्रिय हैं।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

दल बदल कानून की आड़ में दल बदल

भारत में इस समय संविधान, कानूनों और नियमों का उपयोग गैर कानूनी एवं अनैतिक तरीके से हो रहा है। संविधान, नियम और कानून का पालन कराने वाले जो लोग कुर्सियों पर विराजमान हैं, वह इन कानूनो का दुरुपयोग करने वालों का संरक्षण कर रहे हैं। जिसके कारण नियम और कानूनो को लेकर आम आदमी का विश्वास धीरे-धीरे खत्म होता चला जा रहा है। यह देश के लिए एक चिंताजनक स्थिति है। भारत में दल बदल कानून इसलिए बनाया गया था, ताकि राजनीतिक दलों में जो लोग किसी पार्टी और विचारधारा से चुनाव जीतकर आते हैं। वह दल बदल करके अपने निजी लाभ के लिए अनैतिक काम न करने पाएं। उसको रोकने 1985 में संविधान में 52वां संशोधन करके दल बदल कानून बनाया गया था। इस कानून में विभाजन, मर्जर, विलय जैसी स्थितियों को परिभाषित किया गया था। 2003 में संविधान में 91 संशोधन के जरिए पुनः संशोधन करना पड़ा।

विलय को पुनः परिभाषित किया गया। नियम और कानून में संविधान में संशोधन के बाद भी दल बदल बड़े पैमाने पर होता रहा। 2014 के बाद दल बदल की घटनाएं और भी तेजी के साथ बढ़ना शुरू हो गईं। आज दल बदल कानून एक ऐसा कानून बन गया है, जिसकी आड़ में बड़े पैमाने पर दल बदल हो रहा है। राजनीति में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी को बढ़ा दिया है। सांसदों और विधायकों के संसद और विधानसभा में अभिव्यक्ति के अधिकार को सीमित कर दिया है। निर्वाचित सांसद या विधायक किसी बिल पर सहमत नहीं हों, उसे खुलकर बहस में भाग लेने या मतदान करने की अनुमति नहीं होती है। पार्टी लाइन के विरोध में मतदान करना चाहेगा, तो उसकी सदस्यता खत्म हो जाएगी। दल बदल कानून के अंतर्गत निर्वाचित सांसदों और विधायकों की अपने मतदाताओं और अपने कर्तव्यों को लेकर अपनी राय जाहिर करने का अधिकार भी खत्म हो गया है। अब पार्टी तय करती है, सांसदों और विधायकों को पार्टी लाइन पर ही मतदान करना होगा, अन्यथा उसकी सदस्यता चली जाएगी।

जिसके कारण दल बदल कानून भारतीय लोकतंत्र और भारतीय संविधान का काला कानून बन गया है। कानून और नियम तभी तक स्वीकार्य होते हैं, जब समाज में नैतिकता होती है। यदि नागरिक, नेता, अधिकारी और जिनके कंधों पर जिम्मेदारी है, वह नैतिक और जिम्मेदार नहीं होंगे। जिस तरह से पिछले तीन-चार दशकों में नैतिकता का स्थान अब अनैतिकता ने ले लिया है। जो जीता वही सिकंदर की तर्ज पर नियम और कानूनो का दुरुपयोग शुरू हुआ है। उसके बाद स्थितियां बद से बदतर होती चली जा रही हैं। संविधान ने न्यायपालिका को सर्वोच्च स्थान पर रखा था। न्यायपालिका के पास सीधे कोई अधिकार नहीं है। कानून बनाने की विधायिका को, कार्यपालिका को यह जिम्मेदारी दी गई, जो भी नियम-कानून बनाए जाते हैं, उनके अनुसार कार्यपालिका की जिम्मेदारी तय है। संविधान ने न्यायपालिका को दोनों संवैधानिक संस्थाओं के कार्यों की समीक्षा का अधिकार दिया।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

अनिल अंबानी समूह की 3,034 करोड़ की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस अनिल अंबानी समूह (आरएएजी) की कंपनियों के खिलाफ जारी धनशोधन जांच के अंतर्गत 3,034.90 करोड़ रुपये की नई संपत्तियां जब्त की हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि ईडी ने मेसर्स रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड बैंक धोखाधड़ी मामले में पीएमएलए, 2002 के तहत 3,034.90 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। एजेंसी के मुताबिक कुर्क की गई संपत्तियों में मुंबई का एक फ्लैट, खंडाला का फार्महाउस, सानंद की जमीन, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के 7.71 करोड़ शेयर शामिल हैं। इस तरह रिलायंस अनिल अंबानी समूह से जुड़े मामलों में अब तक 19,344 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की जा चुकी है। ईडी ने कहा कि कुर्क की गई संपत्तियां रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (आर-इंफ्रा) की हैं। इनमें मुंबई में एक फ्लैट, खंडाला (महाराष्ट्र का एक हिल स्टेशन) में एक फार्महाउस, साणंद (अहमदाबाद) में कुछ भूखंड और आर-इंफ्रा के 7.71 करोड़ शेयर शामिल हैं।

दुनिया में कहीं भी छुप नहीं सकता ड्रग माफिया

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत के नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की उस बड़ी

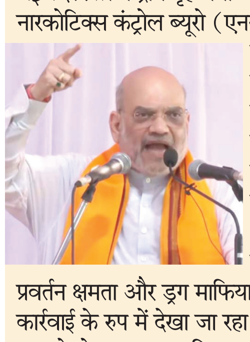

कार्रवाई की प्रशंसा की है, इसमें तुर्की से कुख्यात ड्रग तस्कर मोहम्मद सलीम डोला को भारत वापस लाया गया। इस घटना को भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती प्रवर्तन क्षमता और ड्रग माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई के रुप में देखा जा रहा है। केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने पोस्ट कर कहा कि भारत की ड्रग विरोधी नीति "जीरो टॉलरेंस" पर आधारित है और केंद्र सरकार का लक्ष्य देश में सक्रिय ड्रग कार्टेल्स को पूरी तरह खत्म करना है। उन्होंने लिखा कि भारतीय एजेंसियां अब वैश्विक नेटवर्क के जरिए सीमाओं से बाहर भी अपराधियों तक पहुंच बनाने में सक्षम हुई हैं। यह कार्रवाई नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के नेतृत्व में की गई एक समन्वित अंतरराष्ट्रीय ऑपरेशन का हिस्सा है। सलीम डोला को तुर्की के इस्तांबुल में लोकल सुरक्षा एजेंसियों ने गिरफ्तार किया था। उसकी गिरफ्तारी इंटरपोल द्वारा जारी रेड कॉर्नर नोटिस के आधार पर हुई, जिसे भारत की ओर से केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के अनुरोध पर जारी हुआ था। सूत्रों के अनुसार, सलीम डोला को मंगलवार को विशेष विमान से दिल्ली लाया गया, जहां तकनीकी एयरपोर्ट पर भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने डोला को अपनी हिरासत में लिया।

इंडोनेशिया में भीषण रेल हादसाः दो ट्रेनों की टक्कर में 14 की मौत, 2 दर्जन घायल

जकार्ता। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता के निकट बेकासी तिमुर स्टेशन पर सोमवार को एक हृदयविदारक रेल दुर्घटना सामने आई है, जिसमें दो ट्रेनों की आपस में जोरदार टक्कर हो गई। इस भीषण हादसे में कम से कम 14 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि 2 दर्जन यात्री गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक ट्रेन का डिब्बा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कई यात्री घंटों तक मलबे के भीतर फंसे रहे। घटना की जानकारी मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंच गया और युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। शुरुआती जांच में पता चला है कि यह हादसा उस समय हुआ जब आर्गो ब्रोमो एंग्रैक नामक लंबी दूरी की ट्रेन ने स्टेशन पर पहले से खड़ी एक कम्यूटर ट्रेन के आखिरी डिब्बे को पीछे से जोरदार

टक्कर मार दी। विशेष रूप से, जिस डिब्बे में टक्कर हुई वह महिलाओं के लिए आरक्षित था, जिसे सुरक्षा की दृष्टि से अलग रखा गया था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर के बाद स्टेशन परिसर में चीख-पुकार मच गई और हर तरफ अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। राज्य द्वारा संचालित रेलवे कंपनी पीटी केरेता आपी इंडोनेशिया ने अब तक 38 घायलों को अस्पताल पहुंचाए जाने की पुष्टि की है, जिनमें से कुछ की हालत नाजुक बनी हुई है।

अमेरिका में चोरी और धांधली से होते हैं चुनाव

एजेंसी। वॉशिंगटन

अपने ही देश के संविधान पर ट्रंप ने उठाए गंभीर सवाल

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर देश की चुनाव प्रणाली की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाते हुए तीखा बयान दिया है। उन्होंने मौजूदा चुनावी व्यवस्था को धांधली से भरा और दुनिया भर में मजाक करार देते हुए इसमें आमूल-चूल परिवर्तन की वकालत की है। ट्रंप के इस रुख ने मिडटर्म इलेक्शन (मध्यावधि चुनाव) से ठीक पहले अमेरिका में चुनाव सुधारों को लेकर एक नई और गरमागरम बहस छेड़ दी है। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर रिपब्लिकन नेताओं को संबोधित करते हुए ट्रंप ने चेतावनी दी कि यदि चुनाव प्रणाली में तुरंत सुधार नहीं किया गया, तो देश का भविष्य खतरे में पड़ सकता है। इस दिशा में ट्रंप ने सेव अमेरिका एक्ट नामक एक व्यापक चुनाव सुधार कानून को लागू करने की पुरजोर मांग की है। इस प्रस्तावित कानून के तहत उन्होंने तीन मुख्य बदलावों पर जोर दिया हैः पहला- प्रत्येक मतदाता के लिए पहचान पत्र (वोटर आईडी) दिखाना अनिवार्य हो, दूसरा- मतदान से पूर्व नागरिकता का ठोस प्रमाण देना जरूरी किया जाए और तीसरा- मेल-इन बैलेट यानी डाक के माध्यम से होने वाली वोटिंग के सिस्टम को लगभग पूरी तरह समाप्त कर दिया जाए। ट्रंप का सुझाव है कि डाक मतपत्रों की अनुमति केवल बीमारी, विकलांगता, सेना में तैनाती या अपरिहार्य यात्रा जैसी विशिष्ट परिस्थितियों में ही दी जानी चाहिए। ट्रंप ने इससे पहले 31 मार्च को एक कार्यकारी आदेश पर भी हस्ताक्षर किए थे, जिसका उद्देश्य राज्यों में केवल सत्यापित मतदाताओं को ही डाक मतपत्र भेजना और योग्य नागरिकों की सटीक सूची तैयार करना था। हालांकि, इन कदमों को कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। चुनाव विशेषज्ञों और डेमोक्रेटिक नेताओं ने इसे असंवैधानिक बताते हुए अदालत में चुनौती दी है। विरोधियों का तर्क है कि यह मतदाताओं के अधिकारों का हनन है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में भी राष्ट्रपति के ऐसे ही एक आदेश को संघीय अदालतों ने यह कहते हुए रोक दिया था कि राष्ट्रपति को सीधे चुनावी नीतियां तय करने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त नहीं है। फिलहाल, सेव अमेरिका एक्ट अमेरिकी संसद में फंसा हुआ है। डेमोक्रेटिक पार्टी के कड़े विरोध और सीनेट की जटिल फिलिबस्टर प्रक्रिया के कारण इस कानून का पास होना चुनौतीपूर्ण नजर आ रहा है। ट्रंप जहां इसे चुनावी शुचिता के लिए जरूरी बता रहे हैं, वहीं विपक्षी दल इसे वोटिंग प्रक्रिया को कठिन बनाने की एक राजनीतिक चाल मान रहे हैं।

60.86 लाख रुपये की बैंक धोखाधड़ी मामले में फरार आरोपित 14 साल बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 60.86 लाख रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपित मनोज कुमार सिन्हा को गिरफ्तार किया है। आरोपित वर्ष 2012 में दर्ज मामले के बाद से जांच में शामिल नहीं हुआ था और फरार चल रहा था। सीबीआई के अनुसार, यह मामला 16 अप्रैल 2012 को बीएसएनएल की शिकायत पर दर्ज किया गया था। इसमें एसबीआई की शिलांग मुख्य शाखा, बीएसएनएल शिलांग के अज्ञात अधिकारियों और अन्य लोगों पर बीएसएनएल के खाते से 60.86 लाख रुपये की अवैध निकासी का आरोप लगाया गया था। जांच पूरी होने के बाद सीबीआई ने 23 दिसंबर 2013 को इस मामले में संजीव कुमार राय के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। बाद में आगे की जांच के आधार पर 22 जुलाई 2021 को फरार आरोपित मनोज सिन्हा सहित अन्य के खिलाफ पूरक आरोपपत्र दायर किया गया। मनोज कुमार सिन्हा जांच में शामिल नहीं हुआ और उसे फरार घोषित किया गया। अदालत द्वारा उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया गया था, लेकिन वह लंबे समय तक पकड़ा नहीं जा सका। सीबीआई ने तकनीकी और भौतिक निगरानी, कॉल डिटेल रिकॉर्ड विश्लेषण और अन्य सूचनाओं के आधार पर आरोपी को बिहार के पटना स्थित उसके नए ठिकाने से 28 अप्रैल 2026 को गिरफ्तार किया।

भारत में और ज्यादा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल लाएंगे ताकि संबंध मजबूत हो सकेंः मैक्ले

पीएम मोदी के नेतृत्व ने भारत-न्यूज़ीलैंड एफटीए को आगे बढ़ाने में निभाई अहम भूमिका

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले ने कहा कि पीएम मोदी और क्रिस लक्सन के मजबूत नेतृत्व ने भारत-न्यूजीलैंड फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) को तेजी से आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है और इससे दोनों देशों के बीच रिकॉर्ड 9 महीनों में डील पूरी हो सकी है। एक इंटरव्यू में मैक्ले ने कहा कि पीएम मोदी और पीएम लक्सन ने दुनियाभर में हुई मुलाकातों के जरिए मैत्रीपूर्ण संबंध विकसित किए हैं। पिछले साल, पीएम लक्सन ने न्यूजीलैंड के किसी भी प्रधानमंत्री द्वारा किसी भी देश में ले जाए गए अब तक के सबसे बड़े व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत का दौरा किया था। उन्होंने आगे कहा कि सरकारों ने बातचीत के लिए अपना काम कर दिया है, अब बिजनेस जगत को आगे आना चाहिए और हम उन्हें समर्थन देना जारी रखेंगे। मैक्ले ने आगे कहा कि वे भारत में और ज्यादा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल लाएंगे ताकि संबंध मजबूत हो सकें, और भारतीय व्यवसायों को भी न्यूजीलैंड का दौरा करना चाहिए।

भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की जरुरत नहीं, यह पहले से ही हिंदू राष्ट्र रहाः भागवत

एजेंसी। नागपुर

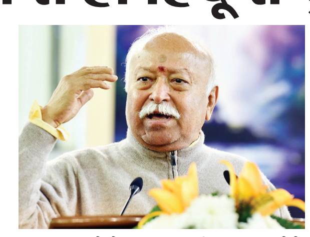

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में भारत की सांस्कृतिक पहचान और राम मंदिर निर्माण को लेकर अहम विचार रखे। डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति द्वारा आयोजित इस सम्मान समारोह में उन्होंने साफ किया कि भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की कोई औपचारिक जरुरत नहीं है, क्योंकि यह अपनी प्रकृति और आत्मा से सदैव एक हिंदू राष्ट्र ही रहा है। आरएसएस की एक विज्ञप्ति के मुताबिक उन्होंने कहा कि मंदिर का निर्माण भगवान राम की इच्छा से हुआ। भागवत ने इसकी तुलना भगवान कृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाने से करते हुए कहा कि ऐसे कार्य तभी संभव होते हैं, जब सभी का योगदान हो। उन्होंने 2014 के लोकसभा चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि जब पीएम मोदी के नेतृत्व में नई सरकार ने शपथ ली, तो लंदन के अखबार ने लिखा कि इस दिन भारत ने वास्तव में ब्रिटिश शासन को अलविदा कहा। उन्होंने सवाल किया कि क्या प्रतिबद्ध नेतृत्व के बिना राम मंदिर का निर्माण संभव था। भागवत ने यह भी कहा कि एक समय हिंदुस्तान को हिंदू राष्ट्र कहना उपहास का विषय हुआ करता था। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान एक हिंदू राष्ट्र है। राम मंदिर बनने तक लोग इस दावे पर हंसते थे। आज वही लोग कहते हैं कि हिंदुस्तान हिंदुओं की भूमि है।

उन्होंने कहा कि कई लोग आरएसएस से भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने को कहते हैं, लेकिन हम कहते हैं कि जो बात पहले से ही सच है उसे घोषित करने की कोई जरुरत नहीं है। मोहन भागवत ने समाज की बदलती मानसिकता पर भी प्रहार किया। उन्होंने याद दिलाया कि उपहास से स्वीकृति तक एक समय था जब भारत को हिंदू राष्ट्र कहना मजाक समझा जाता था। राम मंदिर के निर्माण से पहले लोग इस दावे पर हंसते थे।

भारतीय जहाज 'सुनयना' सिंगापुर के चांगी नौसैनिक अड्डे पर पहुंचा, समुद्री सहयोग होगा मजबूत

एजेंसी। नई दिल्ली

सिंगापुर में भारत की उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अंबुले ने चालक दल से बातचीत की

हिंद महासागर पोत आईएनएस सुनयना सिंगापुर के चांगी नौसेना अड्डे पर पहुंच गया है, जहां गर्मजोशी से स्वागत किया गया, जिससे भारत-सिंगापुर के मजबूत समुद्री संबंधों की पुष्टि हुई। यह जहाज 29 अप्रैल को सिंगापुर से रवाना होकर हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सहयोग को मजबूत करने और सामूहिक सुरक्षा को बढ़ावा देने के अपने मिशन को जारी रखेगा। भारतीय जहाज सुनयना को महासागर क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति की परिकल्पना के अंतर्गत तैनात किया गया है। आईओएस सागर तैनाती के दौरान चौथे ठहराव के रूप में सिंगापुर के चांगी नौसेना अड्डे पर रुका है। 16 मित्र विदेशी देशों (एफएफसी) के बहुराष्ट्रीय दल वाला यह पोत हिंद महासागर क्षेत्र में तैनात है और सिंगापुर पहुंचने से पहले माले, फुकेत और जकार्ता में बंदरगाहों पर रुक चुका है। सिंगापुर में भारत की उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अंबुले ने जहाज पर सवार चालक दल से बातचीत की और सागर विजन के तहत समुद्री साझेदारी को मजबूत करने और अंतर-संचालनीयता को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका की सराहना की। आईएनएस सुनयना के कमान अधिकारी कमांडर सिद्धार्थ चौधरी ने क्रांजी युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और सिंगापुर गणराज्य नौसेना (आरएसएन) के 9वें फ्लोटिला के कमांडर कर्नल चुआह मेंग सून से मुलाकात कर समुद्री सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की। इस यात्रा के दौरान पोत स्कूली बच्चों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सहित आगंतुकों के लिए खुला रहा, जिससे उन्हें समुद्र में जीवन का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ। चालक दल ने भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों के साथ मिलकर 'एक महासागर, एक मिशन' विषय पर आधारित एक दौड़ में भाग लिया, जिसका उद्देश्य समुद्री जागरूकता और एकता को बढ़ावा देना था। यह जहाज पेशेवर और सामुदायिक स्तर पर कई तरह की बातचीत के माध्यम से राष्ट्रीय नौसेना (आरएसएन) के साथ जुड़ा हुआ है। इस दौरान आईओएस सागर का चालक दल सिंगापुर में आरएसएन के नेविगेशन और डैमेज कंट्रोल सिमुलेटर, सूचना संलयन केंद्र और नौसेना संग्रहालय का दौरा करेगा, जिससे सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा।

एनएचआरसी का दिल्ली समेत 22 राज्यों के मुख्य सचिवों को नोटिस, संवेदनशील वर्गों की सुरक्षा के निर्देश

नई दिल्ली। देश में बढ़ते तापमान और लू के प्रकोप को देखते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने सख्त रुख अपनाया है। आयोग ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली समेत 22 राज्यों के मुख्य सचिवों को नोटिस जारी कर रिपोर्ट तलब की है। एनएचआरसी के अनुसार लू की बढ़ती आवृत्ति और तीव्रता का सबसे बुरा प्रभाव आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, प्रवासी श्रमिकों और बेघर लोगों पर पड़ता है। इसलिए आयोग ने संबंधित राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर निर्देश दिया है कि वे लू के खतरों से आम लोगों, विशेषकर कमजोर वर्गों के जीवन की रक्षा के लिए तत्काल और अग्रिम कार्रवाई सुनिश्चित करें। इनमें उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड, छत्तीसगढ़, असम, सिक्किम, त्रिपुरा और हिमाचल प्रदेश शामिल हैं। आयोग ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के डेटा का हवाला देते हुए बताया कि वर्ष 2019 से 2023 के बीच भारत में लू लगने के कारण 3,712 लोगों की जान जा चुकी है।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen . (9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

खास खबर

कांग्रेस ने भाजपा-शासित प्रदेशों में दलितों और पिछड़ों के खिलाफ उत्पीड़न की बढ़ती घटनाओं पर बोला जोरदार हमला

लोकतंत्र की शान : नई दिल्लीः कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत विभिन्न भाजपा शासित प्रदेशों में दलितों और पिछड़ों के खिलाफ उत्पीड़न की बढ़ती घटनाओं पर जोरदार हमला बोला है। कांग्रेस अनुसूचित विभाग के अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम ने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में विश्वकर्मा समाज की एक बेटी के दुष्कर्म-हत्या का मामला उठाते हुए पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे पार्टी के प्रतिनिधिमंडल को रोके जाने पर सवाल उठाए और मौजूदा हालात को अघोषित आपातकाल करार दिया। राजेंद्र पाल गौतम नई दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में उत्तर प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और ओडिशा प्रभारी अजय कुमार लल्लू तथा पूर्व सांसद रवि वर्मा के साथ पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भाजपा दमनकारी नीति अपना रही है और पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी सत्ता के इशारों पर अपनी ताकत का इस्तेमाल विपक्ष, दलितों, पिछड़ों की आवाज को दबाने के लिए कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था का जिक्र करते हुए गौतम ने गाजीपुर की घटना के साथ हरदोई में कुशवाहा समाज की बेटी की हत्या और प्रतापगढ़ में एक दलित लड़की की हत्या कर उसे पेड़ से लटकाए जाने के हालिया मामले सामने रखे। उन्होंने आरोप लगाया कि पीड़ित परिवारों को सांत्वना देने जाने वाले विपक्षी नेताओं को रोका जाता है और जो वहां पहुंचने में सफल हो जाते हैं, उन पर दबंगों द्वारा हमला होता है लेकिन पुलिस मूकदर्शक बनी रहती है, उल्टा विपक्षी नेताओं पर ही कार्रवाई की जाती है।

सुप्रीम कोर्ट ने महिला वकील पर हमले मामले का स्वतः संज्ञान लिया, वरिष्ठ महिला अधिकारी से जांच कराने के निर्देश

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली में एक महिला वकील पर हमले के मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को निर्देश दिया कि इस मामले की जांच एसीपी या डीसीपी रैंक की महिला पुलिस अधिकारी से कराई जाए। कोर्ट ने जांच अधिकारी को उन तीन अस्पतालों की भी जांच करने को कहा, जिन्होंने पीड़ित महिला वकील को इलाज के लिए भर्ती करने से इनकार कर दिया था। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस की ओर से पेश एएसजी ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई है और पीड़ित के पति मनोज कुमार को सोनिया विहार से 25 और 26 अप्रैल की दरम्यानी रात को गिरफ्तार किया गया है। मनोज पर आरोप है कि उसने अपनी पत्नी पर 22 अप्रैल को चाकू से हमला किया। मनोज ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसने पारिवारिक विवाद की वजह से अपनी पत्नी पर चाकू से हमला किया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने इस बात पर गौर किया कि शिकायत में कहा गया है कि महिला वकील के ससुराल वाले उसके दो नाबालिग बच्चों को अपने साथ ले गए हैं और उनका कुछ अता-पता नहीं है। कोर्ट ने दोनों नाबालिग बच्चों का पता लगाने का निर्देश दिया। कोर्ट ने जांच अधिकारी को इस मामले की जांच की स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिलने गाजीपुर जाएगा, एसपी से सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित का आग्रह

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में विश्वकर्मा समुदाय की युवती की संदिग्ध मृत्यु के मामले में पीड़ित परिवार से मिलने के लिए प्रतिनिधिमंडल भेजने की घोषणा की है। इस संबंध में एआईसीसी ओबीसी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिंद ने पुलिस अधीक्षक गाजीपुर को पत्र लिखकर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। कांग्रेस ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल में 21 सदस्य शामिल होंगे। यह सभी 27 अप्रैल को गाजीपुर पहुंचेंगे। घटनास्थल का अवलोकन भी किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में डॉ. अनिल जयहिंद, राजेंद्र पाल गौतम, अजय कुमार लल्लू, सुभाषिनी सुंदेला, जितेंद्र बघेल, सांसद तनुज पुनिया, सांसद राकेश राठौर, राज्यसभा सदस्य कर्मवीर सिंह बौद्ध, मनोज यादव, विधायक वीरेंद्र चौधरी, पूर्व सांसद रवि प्रकाश वर्मा आदि शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल के कुछ सदस्य आज दिल्ली से वाराणसी के लिए उड़ान भरेंगे और रात को लौट आएंगे।

संपत्ति विवाद में संजय कपूर की मां को सुप्रीम कोर्ट की सलाह- मध्यस्थता से सुलझाएं मामला

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिवंगत उद्योगपति संजय कपूर की मां रानी कपूर और प्रिया कपूर के बीच सोना ग्रुप पारिवारिक ट्रस्ट को लेकर चल रहे विवाद को सुलझाने के लिए मध्यस्थता के लिए भेज दिया है। जस्टिस जेबी पारदीवाला की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि विरासत की इस लंबी लड़ाई में 80 वर्षीय पक्षकार का कोई भला नहीं होने वाला है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि आप क्यों लड़ रहे हैं। आपके मुवक्किल की उम्र लड़ने की नहीं है। आप मध्यस्थता में जाकर मामला निपटाइए। कोर्ट ने कहा कि मामले को लंबा खींचने से कुछ हासिल नहीं होता है वो भी बड़ी उम्र में। दरअसल, दिवंगत उद्योगपति संजय कपूर की मां रानी कपूर ने पारिवारिक ट्रस्ट आरके फैमिली ट्रस्ट को भंग करने की मांग की है। रानी कपूर ने अपनी याचिका में कहा है कि आरके फैमिली ट्रस्ट के गठन और उसके प्रबंधन की परिस्थितियां संदेह के घेरे में हैं। याचिका में कहा गया है कि आरके फैमिली ट्रस्ट का गठन बिना याचिकाकर्ता की जानकारी या सहमति के किया गया। इसी वजह से याचिकाकर्ता को ट्रस्ट से बाहर कर दिया गया। ट्रस्ट की सारी संपत्ति उनकी थीं, लेकिन ट्रस्ट का गठन करते समय उन्हें सूचना तक नहीं दी गई। ट्रस्ट के गठन के समय उन्हें हार्ट का स्ट्रोक आया था, जिसकी वजह से उनकी तबीयत खराब थी। रानी कपूर ने कहा है कि ट्रस्ट के कागजात पर हस्ताक्षर बिना उसका कंटेंट जाने करा लिया गया। कुछ सादे कागजों पर उनके हस्ताक्षर ले लिए गए।

केंद्र का आदेश प्रभावी रहने तक 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' को रिलीज नहीं किया जा सकता: हाई कोर्ट

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई पर निर्मित डॉक्यूमेंट्री 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' की रिलीज पर रोक लगाने की मांग करने वाली याचिका पर कहा कि जब तक केंद्र सरकार का आदेश निरस्त नहीं हो जाता तब तक इसके निर्माता इसे रिलीज नहीं कर सकते। ऐसे में याचिका का निस्तारण किया जाता है। जस्टिस पुरुषेंद्र कुमार कौरव की बेंच ने ये फैसला सुनाया। ओटीटी प्लेटफार्म जी5 की ओर से पेश वकील राजीव नय्यर ने उच्च न्यायालय को बताया कि केंद्र सरकार ने डॉक्यूमेंट्री की रिलीज पर रोक लगाने का आदेश दिया है, जिसको चुनौती दी जाएगी। जी5 के मुताबिक इस डॉक्यूमेंट्री में लॉरेंस बिश्नोई के बारे में बताया गया है जो छात्र से राजनेता बना और बाद में एक गैंग बना लिया। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर इस डॉक्यूमेंट्री की रिलीज पर रोक लगाने की मांग की थी। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने कहा था कि इस डॉक्यूमेंट्री की रिलीज को लेकर पंजाब पुलिस ने आपत्ति जताई थी जिसके बाद केंद्र सरकार ने रिलीज रोकने का निर्देश जारी किया था।

भीषण गर्मी को लेकर दिल्ली सरकार ने एक सप्ताह के भीतर कार्य योजना लागू करने का निर्देश दिया

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते तापमान और आगामी भीषण लू की संभावनाओं को देखते हुए उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में उपराज्यपाल ने सभी संबंधित विभागों और एजेंसियों के साथ तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि भीषण गर्मी से निपटने के लिए तैयार की गई कार्ययोजना को अगले एक सप्ताह के भीतर जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू किया जाए।

मनसुख मांडविया ने राष्ट्रीय राइफल संघ के 75वें स्थापना समारोह में शिरकत की; एथलीट ऐप का किया शुभारंभ

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राइफल संघ ने अपने 75वें स्थापना वर्ष के अवसर पर एक ऐतिहासिक कार्यक्रम के साथ समारोह की शुरुआत की। इस कार्यक्रम में केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस आयोजन में वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों और खिलाड़ियों की उपस्थिति रही। साथ ही इस कार्यक्रम के जरिए शूटिंग लीग ऑफ इंडिया को भी गति मिली, जो भारतीय निशानेबाजी के महत्वाकांक्षी भविष्य की रूपरेखा को दर्शाता है। समारोह के तहत राष्ट्रीय राइफल संघ ने अपने 75 वर्ष पूरे होने पर विशेष स्मारक प्रतीक चिह्न का अनावरण किया, जो भारतीय निशानेबाजी में सात दशकों से अधिक की उत्कृष्टता, अनुशासन और उपलब्धियों का प्रतीक है।इसके अलावा संघ ने देशभर में एक बड़े जमीनी अभियान की घोषणा की, जिसका उद्देश्य 2028 ओलंपिक से पहले 7,50,000 नए स्कूल और कॉलेज के छात्रों को '10 शॉट अनुभव' के माध्यम से निशानेबाजी से परिचित कराना है। यह कार्यक्रम विभिन्न राज्यों और जिलों में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, केंद्रीय विद्यालय संगठन, विश्वविद्यालयों, स्कूल बोर्ड और राज्य संघों के सहयोग से लागू किया जाएगा।इस पहल का उद्देश्य जमीनी स्तर पर जागरूकता बढ़ाना और भागीदारी सुनिश्चित करना है, ताकि भारतीय निशानेबाजों की अगली पीढ़ी की पहचान और प्रेरणा दी जा सके। इस अवसर पर राष्ट्रीय राइफल संघ के एथलीट ऐप का भी आधिकारिक शुभारंभ किया गया। यह एक आधुनिक डिजिटल मंच है, जो संघ को भारत का पहला पूर्णतः डिजिटलीकृत खेल संगठन बनाता है। यह ऐप खिलाड़ियों के पंजीकरण, 7,50,000 युवाओं को जोड़ने, प्रमाण पत्र जारी करने, रिकॉर्ड बनाए रखने और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की निगरानी जैसे कार्यों के लिए एकीकृत मंच के रूप में कार्य करेगा। इस मौके पर संघ ने खेल मंत्री को 75 वर्ष के प्रतीक चिह्न की स्मृति भेंट भी दी। कार्यक्रम में डॉ. मांडविया ने कहा, "राष्ट्रीय राइफल संघ के 75 वर्ष पूरे होना प्रेरणादायक है। एथलीट ऐप, 7.5 लाख युवाओं तक पहुंच और आगामी शूटिंग लीग जैसे प्रयास प्रतिभा खोजने, खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और खिलाड़ियों के लिए अधिक अवसर बनाने में मदद करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने खेलों में उल्लेखनीय प्रगति की है और सही योजना व प्रतिबद्धता के साथ हम दुनिया के अग्रणी खेल देशों में शामिल हो सकते हैं।" संघ के अध्यक्ष कालीकेश सिंह देव ने कहा, "यह उपलब्धि केवल हमारे इतिहास को याद करने का नहीं, बल्कि भारतीय निशानेबाजी के भविष्य को आकार देने का भी अवसर है। हमारा लक्ष्य इस खेल को अगली पीढ़ी के लिए अधिक सुलभ, प्रेरणादायक और आकर्षक बनाना है।" संघ के महासचिव पवन कुमार सिंह ने कहा, "75वां वर्ष भारतीय निशानेबाजी के लिए ऐतिहासिक है। वर्ष 2028 ओलंपिक से पहले 7,50,000 छात्रों को खेल से जोड़ने, एथलीट ऐप के माध्यम से तकनीक का उपयोग करने और शूटिंग लीग के जरिए नए अवसर देने पर हमारा फोकस है।" कार्यक्रम में वर्तमान और पूर्व कई शीर्ष भारतीय निशानेबाज भी उपस्थित रहे, जिनमें दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर शामिल थीं। उन्होंने कहा, "राष्ट्रीय राइफल संघ ने भारतीय निशानेबाजी को नई पहचान दी है। युवाओं को खेल से जोड़ने और एथलीट ऐप जैसे कदम भविष्य के चैंपियन तैयार करेंगे।" इस दौरान शूटिंग लीग ऑफ इंडिया को लेकर भी उत्साह देखने को मिला। यह देश की पहली फ्रेंचाइजी आधारित पेशेवर निशानेबाजी लीग है, जिसका उद्देश्य खेल को अधिक लोकप्रिय और दर्शक-केंद्रित बनाना है। कार्यक्रम में लीग का एक विशेष झलक वीडियो भी दिखाया गया, जिसमें इसके नवीन प्रारूप और दर्शकों को आकर्षित करने वाली योजना की झलक देखने को मिली। 75 वर्षों की समृद्ध विरासत के साथ राष्ट्रीय राइफल संघ ने भारतीय निशानेबाजी के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाया है।

उन्नाव रेप पीड़िता के पिता की मौत मामले में कुलदीप सेंगर की याचिका पर मई में सुनवाई

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने उन्नाव रेप पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत मामले में ट्रायल कोर्ट की ओर से मिली दस साल की सजा को चुनौती देने वाली पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की याचिका पर मई में सुनवाई करने का आदेश दिया। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने 15, 18, 19 और 20 मई को कुलदीप सेंगर की दलीलें सुनने का आदेश दिया। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने उच्चतम न्यायालय के उस आदेश पर गौर किया, जिसमें सेंगर को मिली सजा को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई तीन महीने में पूरी करने का आदेश दिया गया है। 20 अप्रैल को उच्च न्यायालय ने मामले में कुलदीप सिंह सेंगर की सजा को बढ़ाने की रेप पीड़िता की मांग खारिज कर दी थी। जस्टिस नवीन चावला की बेंच ने कहा था कि इस मामले में 1,945 दिनों की देरी हुई है, ऐसे में याचिका खारिज की जाती है। कोर्ट ने 19 जनवरी को इस मामले में कुलदीप सिंह सेंगर की सजा निलंबित करने की मांग खारिज कर दी थी। जस्टिस रविंद्र डूडेजा की बेंच ने याचिका खारिज करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि सेंगर को मिली दस साल की सजा में से साढ़े सात साल हिरासत में बीत चुके हैं। कोर्ट ने कहा था कि सेंगर को दोषी करार देने के फैसले के खिलाफ दायर याचिका में देरी की वजह खुद सेंगर ही है, क्योंकि उसने कई दूसरी याचिकाएं दायर कर रखी हैं। इस मामले में 16 दिसंबर, 2019 को तीस हजारी कोर्ट ने रेप पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत मामले में कुलदीप सिंह सेंगर को दस साल की कैद की सजा सुनाई थी। तीस हजारी कोर्ट ने सेंगर पर दस लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था। तीस हजारी कोर्ट ने सेंगर समेत सभी सातों आरोपितों को भी दस-दस साल की कैद और दस-दस लाख के जुर्माने की सजा सुनाई थी। रेप पीड़िता के पिता की न्यायिक हिरासत में 9 अप्रैल 2018 को मौत हो गई थी। चार जून 2017 को रेप पीड़िता ने जब कुलदीप सेंगर पर रेप का आरोप लगाया था उसके बाद कुलदीप सिंह सेंगर के भाई अतुल सिंह और उसके साथियों ने पीड़िता के पिता को बुरी तरह पीटने के बाद पुलिस को सौंप दिया था। रेप पीड़िता के पिता को जेल में शिफ्ट करने के कुछ ही घंटों बाद जिला अस्पताल में उनकी मौत हो गई थी। 20 दिसंबर 2019 को पीड़िता से रेप के मामले में तीस हजारी कोर्ट ने सेंगर को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने उम्रकैद के अलावा 25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। जुर्माने की इस रकम में से 10 लाख रुपये पीड़िता को देने का आदेश दिया था। तीस हजारी कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ भी कुलदीप सिंह सेंगर ने दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है।

अपोलो एथेना ने महिलाओं के कैंसर उपचार को एक नई दिशा दी है, भारत का पहला इंटीग्रेटेड गायने-ऑन्कोलॉजी और रोबोटिक सर्जरी इकोसिस्टम लॉन्च

» खंडित इलाज मॉडल से आगे बढ़ते हुए महिलाओं के लिए एंड-टू-एंड, सटीक (प्रिसीजन आधारित) देखभाल

लोकतंत्र की शान

Apollo Athenaa WOMEN'S CANCER CENTRES

नई दिल्लीः अपोलो एथेना, एशिया का पहला ऐसा व्यापक कैंसर सेंटर जो केवल महिलाओं के लिए समर्पित है, ने भारत का पहला पूरी तरह एकीकृत गायने-ऑन्कोलॉजी और रोबोटिक सर्जरी इकोसिस्टम लॉन्च करने की घोषणा की है। यह पहल महिलाओं के कैंसर इलाज में मौजूद एक बड़ी और लंबे समय से अनदेखी कमी को दूर करने के लिए तैयार की गई है। भारत में स्त्री रोग संबंधी कैंसर (गायनेकोलॉजिकल कैंसर) का बोझ लगातार बढ़ रहा है। ग्लोबोकैन 2022 के अनुसार, ये कैंसर भारतीय महिलाओं में सबसे आम कैंसर में शामिल हैं और बीमारी तथा मृत्यु दोनों का बड़ा कारण बनते हैं। वहीं, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के 2025 के आंकड़ों के अनुसार, हर साल महिला जननांग कैंसर के 1,71,000 से अधिक नए मामले सामने आते हैं और करीब 86,000 मौतें होती हैं। इतने बड़े स्तर पर बीमारी होने के बावजूद, विशेषज्ञ और एकीकृत इलाज की सुविधा अब भी सीमित है। मरीजों को अक्सर अलग-अलग डॉक्टरों और अस्पतालों के बीच भटकना पड़ता है, और शुरुआती चरण में विशेषज्ञ इलाज तक पहुंच बहुत कम लोगों को मिल पाती है। इसी चुनौती को देखते हुए, अपोलो एथेना का नया गायने-ऑन्कोलॉजी और रोबोटिक सर्जरी सेंटर इस बढ़ती जरूरत और सीमित सुविधाओं के बीच की खाई को भरने के लिए बनाया गया है। इस इकोसिस्टम में एक ही जगह पर शुरुआती पहचान, सटीक जांच, उन्नत रोबोटिक और कम चीरे वाली सर्जरी और इलाज के बाद की पूरी देखभाल उपलब्ध कराई जाती है। एथेना का यह प्रयास भारत में महिलाओं के कैंसर इलाज को बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम है—जहां अब इलाज खंडित और देर से होने के बजाय एकीकृत, समय पर और मरीज-केंद्रित होगा। विशेषज्ञ डॉक्टर, उन्नत रोबोटिक तकनीक और बहु-विषयक सहयोग को एक साथ लाकर, यह संस्थान महिलाओं को बेहतर इलाज, बेहतर परिणाम और एक समग्र देखभाल अनुभव देने में मदद कर रहा है।

सुप्रीम कोर्ट का गुरुग्राम में तोड़फोड़ पर सुनवाई से इनकार, याचिकाकर्ताओं से हाई कोर्ट जाने को कहा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने गुरुग्राम में चल रही तोड़फोड़ की कार्रवाई के विरुद्ध दायर याचिका पर सुनवाई करने से मना कर दिया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि आप पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय जाइए। उच्चतम न्यायालय ने याचिकाकर्ता को आज ही पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष मेंशन करने की छूट दी। उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से आग्रह किया कि वे आज ही इस याचिका पर सुनवाई करें।सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि गुरुग्राम में स्थानीय प्रशासन बिना किसी नोटिस के तोड़फोड़ की कार्रवाई को अंजाम दे रही है। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश को गलत तरीके से परिभाषित किया जा रहा है। तब कोर्ट ने कहा कि उच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश को अगर गलत तरीके से परिभाषित किया जा रहा है तो उच्च न्यायालय जाना चाहिए। गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि उच्च न्यायालय ने तोड़फोड़ के बारे में कुछ भी नहीं कहा। उन्होंने उच्चतम न्यायालय से तीन से चार दिन की रोक लगाने का आग्रह किया और कहा कि याचिकाकर्ता उच्च न्यायालय चले जाएंगे। दरअसल, दो अप्रैल को पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने एक अंतरिम आदेश में हरियाणा सरकार क स्टिल्ट प्लस चार फ्लोर की बिल्डिंग नीति पर रोक लगा दी थी। स्टिल्ट प्लस चार फ्लोर की नीति के तहत स्टिल्ट पार्किंग के ऊपर चार फ्लोर के निर्माण की अनुमति थी। उच्च न्यायालय ने कहा था कि लगता है कि राज्य सरकार ज्यादा राजस्व के लिए लोगों की सुरक्षा को ताक पर रख रही है।

अगले कुछ महीनों में यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ व्यापार समझौता : पीयूष गोयल

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पिछले साढ़े तीन साल में उनके कार्यकाल के दौरान हस्ताक्षर किया गया सातवां ऐसा समझौता है। उन्होंने कहा कि आने वाले महीनों में यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ दो और समझौतों की उम्मीद है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने भारत और न्यूजीलैंड के साथ एफटीए पर हस्ताक्षर के बाद अयोजित एक प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। गोयल और भारत आये न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैकक्ले ने नई दिल्ली में एक मुक्त व्यापार समझौते किए, जिसके इस साल के अंत तक लागू होने की उम्मीद है। पीयूष गोयल ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''इस (भारत-न्यूजीलैंड) एफटीए के साथ यह सातवां मुक्त व्यापार समझौता है जिस पर मैं पिछले साढ़े तीन साल में हस्ताक्षर कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि अगले कुछ महीनों में यूरोपीय संघ (ईयू) और अमेरिका के साथ दो और समझौते बहुत जल्द होने वाले हैं।'' गोयल ने कहा है कि भारत अगले कुछ महीनों में अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने के लिए तैयार है। इन समझौतों से 38 विकसित देशों तक भारत की पहुंच बढ़ेगी, जिससे वैश्विक व्यापार का लगभग दो-तिहाई हिस्सा कवर होगा। इससे पहले भारत और 27 देशों के समूह ईयू ने जनवरी में एक व्यापार समझौते के लिए बातचीत पूरी होने की घोषणा की थी। इस पर अभी तक हस्ताक्षर नहीं हुए हैं। ये कदम पिछले साढ़े तीन वर्षों में सात एफटीए के बाद आता है।वाणिज्य मंत्री की ये टिप्पणियां इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि भारतीय अधिकारियों की टीम पिछले हफ्ते ही अमेरिका से लौटी है। वहां उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिकी अधिकारियों के साथ तीन दिनों तक वार्ता की थी। दोनों पक्षों ने कई क्षेत्रों पर चर्चा की, जैसे कि बाजार पहुंच, गैर-शुल्क उपाय, व्यापार में तकनीकी बाधाएं, सीमा शुल्क और व्यापार सुविधा, निवेश प्रोत्साहन, आर्थिक सुरक्षा तालमेल और डिजिटल व्यापार। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका ने सात फरवरी को एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें आपसी और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार के संबंध में एक अंतरिम व्यापार समझौते के लिए एक रूपरेखा को अंतिम रूप दिया गया। फिलहाल अमेरिकी शुल्क परिदृश्य में बदलावों को देखते हुए इस रूपरेखा में कुछ समायोजन की जरूरत है।

भूटान में सड़कों का जाल बिछाने, इंफ्रा डेवलपमेंट में भारत का अहम योगदान

लोकतंत्र की शान

थिम्पू। भूटान में सड़कों का जाल बिछाने और उसके बुनियादी ढांचे के विकास में भारत ने अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। भारत ने न केवल भूटान को शेष दुनिया से जोड़ने वाली पहली मोटर योग्य सड़क बनाई, बल्कि दुर्गम पहाड़ी इलाकों में कनेक्टिविटी को आधुनिक रूप देने का काम भी किया है। थिम्पू में भारत के सहयोग से ल्हाक्सम जंक्शन से ज़ैंगलेखा चिवोग तक जाने वाली सड़क का उद्घाटन किया गया, जो दोनों देशों के बीच विकास साझेदारी का हालिया उदाहरण है। भूटान स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा थिम्पू में भारत द्वारा समर्थित एक 'हाई इम्पैक्ट कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट' (एचआईसीडीपी) "ल्हाक्सम जंक्शन से ज़ैंगलेखा चिवोग तक फ़ार्म रोड" का उद्घाटन किया गया। ग्रामीण कनेक्टिविटी क्षेत्र का यह प्रोजेक्ट, गेन्येन गेवोग (ब्लॉक) के स्थानीय समुदाय के लिए पहुंच और आर्थिक अवसरों को बेहतर बनाएगा। विशेष रूप से यह स्थानीय कृषि उत्पादों की शहरी बाजारों तक पहुंच को सुगम बनाएगा। भूटान में सड़क नेटवर्क के विकास में भारत के अतुल्य योगदान को इसी बात से समझा जा सकता है कि बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) के प्रोजेक्ट दंतक ने हाल ही में भूटान की राजधानी थिम्फू में अपना 66वां स्थापना दिवस मनाया। यह आयोजन भूटान में समर्पित सेवा के 65 वर्षों के मील के पत्थर का प्रतीक है। इस परियोजना की शुरुआत 24 अप्रैल 1961 को हुई थी और तब से लेकर अब तक भारत के सहयोग से पड़ोसी देश में 1,500 किमी से अधिक सड़कों का जाल बिछाया जा चुका है, जिसमें थिम्फू को त्राशीगांग से जोड़ने वाला रणनीतिक पूर्व-पश्चिम राजमार्ग भी शामिल है। अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट की बात करें तो देश में पारो अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा और योंगफुला हवाई अड्डे के विकास में भारत का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके अलावा पड़ोसी देश के प्रमुख शहरों एवं कस्बों से लेकर दूरदराज के गांवों तक अस्पताल, स्कूल, पुल, जलविद्युत बुनियादी ढांचे और दूरसंचार नेटवर्क जैसी राष्ट्रीय सुविधाओं के निर्माण में भी भारत का सबसे बड़ा योगदान रहा है। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है प्रोजेक्ट दंतक के स्थापना दिवस के अवसर पर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें थिम्पू में आयोजित एक अंतर-विद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, विशिष्ट कर्मियों का सम्मान और कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वालों को भावभीनी श्रद्धांजलि शामिल है। इस प्रोजेक्ट ने प्राकृतिक आपदाओं के दौरान, जिसमें बड़े भूस्खलन और सड़कों का बह जाना शामिल है, रिकॉर्ड समय में कनेक्टिविटी बहाल करके असाधारण लचीलापन भी प्रदर्शित किया है। भारत का योगदान केवल सड़क निर्माण या बुनियादी ढांचे के विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग का प्रतीक भी है। क्योंकि भारत अपनी 'पड़ोसी प्रथम' नीति के तहत भूटान का 'हर समय और हर क्षेत्र' में हमेशा सहयोगी रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कन्या जन्मोत्सव मनाया गया, 120 माताओ को बेबी किट वितरित की गई

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुरः मंगलवार को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उत्तर प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति 5. 0 के तहत कन्या जन्मोत्सव का आयोजन किया गया कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना और लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है, कार्यक्रम का उद्घाटन जिला प्रोबेशन एवं बाल संरक्षण अधिकारी राकेश सिंह और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉक्टर धुरविंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से केक काटकर किया, इस मौके पर हाल ही में जन्मी बेटियों और 1 वर्ष तक की कन्याओं की माता को सम्मानित किया गया, नवजात से लेकर 1 वर्ष तक की कन्याओं के स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए माता को विशेष 120 बेबी किट प्रदान की गई भीषण गर्मी और बीमारियों से बचाव के लिए माता को मच्छरदानी भी बांटी गई, कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा अधिकारियों ने उपस्थित महिलाओं को बच्चों के बेहतर लालन-पालन के टिप्स दिए, डॉ धुरविंद्र सिंह ने विशेष रूप से गर्मी के मौसम में नवजात बच्चों की देखभाल की बारीकियो से अवगत कराया उन्होंने बताया कि हाइड्रेशन और स्वच्छता के माध्यम से बच्चों को मौसमी बीमारियों से कैसे सुरक्षित रखा जा सकता है, कार्यक्रम के अंत में महिलाओं को सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया, उपस्थित अधिकारियों ने संदेश दिया की बेटियां परिवार और समाज का गौरव है और उनके संरक्षण व शिक्षा के लिए सभी को आगे आना चाहिए, कार्यक्रम में प्रशासनिक और स्वास्थ्य विभाग की टीम सक्रिय रही, उपस्थित अधिकारियों में डीपीओ राकेश सिंह, डीईओ आदिल सैफी, सीएससी अधीक्षक डॉक्टर ध्रुवेंद्र सिंह, बीसीपीएम आसमा परवीन, आरती शर्मा, मदन गुप्ता, तनियार सिंह, आयुष्मान मित्र जुनैद, आशा वर्कर सीता आर्य और संतोष देवी आदि मौजूद रहे।

नाथ नगरी का होगा कायाकल्प ! पर्यटन विभाग ने जारी किए 791 लाख रुपये

(बरेली संदीप चन्द्र उत्तर प्रदेश उत्तर) प्रदेश सरकार प्रदेश के धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों को संभालने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है इसी कड़ी में नाथन नगरी बरेली को एक ऐतिहासिक सौगात मिली है पर्यटन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2526 के लिए बरेली के आस्था स्थलों को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने के लिए 791 लाख की धनराशि स्वीकृत की है जी हां बरेली के अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों के 12 महत्वपूर्ण मंदिर और ऐतिहासिक स्थलों का कायाकल्प किया जाएगा पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इन सभी परियोजनाओं की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम को सौंपी गई है आइए आपको बताते हैं कि कहां और कितना रुपए खर्च किया जाएगा बाबा त्रिवेटीनाथ मंदिर में फसाइड लाइटिंग की जाएगी इसके लिए 1 करोड़ की मंजूरी दी गई है बड़ा बाग हनुमान मंदिर व सीताराम मंदिर के लिए 70-70 लाख की व्यवस्था की गई है महाभारत कालीन द्रोपदी स्वयंवर थीम पार्क जो कि आंवला में बनेगा इसके लिए 64 लाख की स्वीकृति की दी गई है अह क्षेत्र ऐतिहासिक स्थल के लिए 50 लाख आवंटित किए गए हैं इसके अलावा आनंद आश्रम मंदिर नीरगंज का ठाकुर जी मंदिर औरफरीदपुर का पहलाऊनाथ मंदिर समेत कई अन्य शिवालयों के सौंदर्यकरण इन करोड़ों रुपए से किए जाएंगे इन परियोजनाओं का मुख्य उद्देश्य ना केवल श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराना है बल्कि बरेली के धार्मिक पर्यटन को विश्व पटल पर लाना भी है पर्यटन मंत्री का मानना है कि जब इन मंदिरों का विकास होगा तो पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और बरेली की आर्थिक समृद्धि को नई गति भी मिलेगी

संभलः विकास की रफ्तार तेज, वार्ड 7 और 28 में सीसी सड़क निर्माण का निरीक्षण करते चेयमैन पति चौधरी मुशीर अली खान

लोक तंत्र की शान ,सैय्यद कुमैल ज़ैदी ,संभल नगर पालिका परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 7 एवं वार्ड संख्या 28, फुलवार मियां सराय में चल रहे सीसी सड़क निर्माण कार्य का आज चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ वार्ड सदस्य मोहम्मद फुरकान भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान कार्य की गुणवत्ता, निर्माण सामग्री और समयबद्ध प्रगति का बारीकी से जायजा लिया गया। चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान ने संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार को स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि नगर की जनता को बेहतर सुविधाएं देना नगर पालिका परिषद की प्राथमिकता है और विकास कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद संभल के अधिशासी अधिकारी मणि भूषण तिवारी की कार्यशैली की भी सराहना की गई। उनके कुशल नेतृत्व और सक्रिय निगरानी में नगर में विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। साफ-सफाई, सड़क निर्माण और जनसुविधाओं के क्षेत्र में हो रहे सुधारों को लेकर स्थानीय लोगों में भी संतोष और खुशी का माहौल है। वार्ड सदस्य मोहम्मद फुरकान ने बताया कि लंबे समय से क्षेत्र की जनता सीसी सड़क की मांग कर रही थी, जिसे अब पूरा किया जा रहा है। उन्होंने नगर पालिका प्रशासन और चेयरमैन प्रतिनिधि का आभार व्यक्त किया। स्थानीय नागरिकों ने भी निर्माण कार्य को लेकर प्रसन्नता जताई और उम्मीद जताई कि इसी तरह नगर में विकास कार्य लगातार होते रहेंगे, जिससे संभल को एक आदर्श नगर के रूप में विकसित किया जा सके।

संभलः युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने का मामला, मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस

संभल/सिरसी थाना हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र के ग्राम फिरोजपुर में 19 वर्षीय युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम फिरोजपुर निवासी हाफिज अरमान पुत्र मरगूब ने थाना हजरतनगर गढ़ी में दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि दिनांक 25 अप्रैल 2026 को करीब दोपहर 3 बजे उसकी बहन को गांव का ही युवक मुकीम पुत्र इमरान (निवासी थाना नखासा, जनपद संभल) अपने एक अन्य साथी के साथ बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। घटना के बाद से परिजनों में चिंता का माहौल है। पीड़ित ने पुलिस से युवती की सकुशल बरामदगी और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, थाना हजरतनगर गढ़ी पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। पुलिस टीम द्वारा संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है तथा आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई है।

मेधावी छात्राओं को रोटरी क्लब हसनपुर आस्था द्वारा साइकिल वितरित की गई

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर/ रहराः मंगलवार को रोटरी क्लब हसनपुर आस्था के सौजन्य से रहरा स्थित चौधरी बिहारी सिंह त्यागी कन्या इंटर कॉलेज में हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा 2026 की मेधावी छात्राओं को सम्मानित करते हुए साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि रोटेरियन पायल गौड़, विशिष्ट अतिथि रोटेरियन हरी गुप्ता, रोटेरियन सागर शर्मा तथा विद्यालय के डायरेक्टर ब्रह्मदत्त त्यागी ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया, विद्यालय प्रबंधिका रोटेरियन सुमन त्यागी, रोटरी उमा गुप्ता, रोटेरियन सत्यवती सक्सेना तथा रोटेरियन जया सिरोही ने मुख्या अतिथि रोटेरियन पायल गौड़ का स्वागत माल्यार्पण कर व बुके देकर किया, विशिष्ट अदिति रोटेरियन हरी गुप्ता, सागर शर्मा का स्वागत विद्यालय संरक्षक डॉक्टर सुरेंद्र सिंह त्यागी, अनुपम त्यागी, रोटेरियन विनोद सक्सेना, संजीव कंसल, दिनेश चंद्र अग्रवाल, प्रमोद त्यागी, सुनील कुमार भटनागर ने माल्यार्पण कर व बुके देकर किया, मुख्य अतिथि पायल ने हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा 2026 में वंदना शर्मा प्रथम स्थान, निकिता द्वितीय स्थान तथा हिमांशी चावला तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रों को साइकिल, शील्ड, मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया, विशिष्ट अतिथि हरी गुप्ता, रोटेरियन सागर शर्मा ने इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा 2026 में आरुषि नागर प्रथम, इलमा द्वितीय स्थान तथा सविता यादव तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को साइकिल, शील्ड, मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया, हाई स्कूल एवं इंटर की टॉप टेन सूची में शामिल छात्राओं को बेग व मेडल देकर सम्मानित किया गया, मुख्य अतिथि रोटेरियन पायल गौड़ ने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी छात्राएं अपने साथ-साथ समाज का भी ध्यान रखें और अपने लक्ष्य की प्राप्ति करें, विद्यालय डायरेक्टर ब्रह्मदत्त त्यागी ने कार्यक्रम के सभी अतिथियों, अभिभावकों का बहुमूल्य समय देने के लिए आभार व्यक्त किया, इस मौके पर अरविंद कुमार, मुनीम कुमार, बॉबी कुमार, राजपाल सिंह, बृजेश कुमार, रेखा सिंह, शबाना सैफी, कुमारी निदा रहमान, जोली त्यागी आदि सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ अभिभावक वह छात्राएं मौजूद रही।

पुलिस में एक लाख नई भर्ती इसी वर्षः मुख्यमंत्री

लोक तंत्र की शान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को युवाओं को बड़ी खुशखबरी दी। उन्होंने युवाओं का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि योग्य, क्षमतावान, स्वतः स्फूर्त भाव के साथ नौजवान यूपी पुलिस बल का हिस्सा बनना चाहता है और इसके लिए भर्ती व प्रोन्नति बोर्ड युवाओं को अच्छा अवसर उपलब्ध कराएगा। उप्र पुलिस भर्ती व प्रोन्नति बोर्ड इस वर्ष लगभग एक लाख नई भर्ती करने जा रहा है। पिछले तीन दिन में यूपी होमगार्ड में भी 41 हजार भर्ती के लिए परीक्षा हुई। सिविल पुलिस, एसआई, होमगार्ड आदि की भर्ती प्रक्रिया तेजी से बढ़ी है। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश पुलिस दूरसंचार विभाग में चयनित 936 प्रधान परिचालक/प्रधान परिचालक (यांत्रिक) को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में नियुक्ति पत्र वितरित किए। कार्यक्रम में पुलिस दूरसंचार विभाग पर आधारित लघु फिल्म भी दिखाई गई।

ईमानदारी से नियुक्ति हुई है तो साफ नीयत से काम कीजिए- सीएम ने सफल अभ्यर्थियों से कहा कि सभी चाहते थे कि ईमानदारी से भर्ती हो। डबल इंजन सरकार ने ऐसा माहौल बनाया है कि भर्ती निष्पक्ष व ईमानदारी से हुई। अब आपका भी दायित्व है कि साफ नीयत, ईमानदारी, पारदर्शिता के साथ यूपी पुलिस के माध्यम से सेवा देकर राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्वों का निर्वहन करें। हर भारतीय नागरिक जब अपने क्षेत्र में ईमानदारी से कर्तव्यों का निर्वहन करेगा, तब पीएम मोदी के विकसित भारत की परिकल्पना साकार होगी। किसी व्यक्ति, जाति, मत-मजहब का अहंकार या व्यक्तिगत इच्छा, राष्ट्र से बढ़कर नहीं हो सकती।

थाना गंज पुलिस द्वारा पुलिस मुठभेड़ में 02 गौकश अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार, कब्जे से 02 तमंचे, जिंदा व खोखा कारतूस गौकशी करने के उपकरण एवं 01 मोटरसाइकिल बरामद

लोक तंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

पुलिस अधीक्षक, सोमेंद्र मीणा द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह, के कुशल निर्देशन में दिनांक 27.04.2026 की रात्री में थाना गंज पुलिस द्वारा स्वार चौराहा पर संदिग्ध व्यक्ति/वाहन की चैकिंग के दौरान स्वार की ओर से आती एक मोटरसाइकिल को रुकने का इशारा किया तो मोटरसाइकिल सवार व्यक्तियो द्वारा पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए चाकू चौराहा की ओर जाने वाले रास्ते पर भागने लगे । पुलिस टीम द्वारा बाइक सवार व्यक्तियों का पीछा किया गया, अजयपुर केसरपुर को जाने वाले रास्ते पर मोटरसाइकिल असंतुलित हो कर गिर गयी । बाइक सवार व्यक्तियों द्वारा फायरिंग करते हुए उठकर भागने का प्रयास किया गया जिसमें मुख्य आरक्षी विशाल अहमद घायल हो गये । आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्यवाही में 02 अभियुक्त पैर में गोली लगने से घायल हो गये । गिरफ्तार/घायल अभियुक्तो की पहचान 1. लालू उर्फ मुकर्रम पुत्र जाहिद कुरैशी उर्फ अब्बु मुल्ला नि0 पीला तालाब थाना गंज जनपद रामपुर, 2.परवेज पुत्र शब्बीर नि0 तीतर वाली पाखड थाना गंज रामपुर के रुप में हुई । सन 2018 में थाना कलक्टर बक गंज(थाना सी0बी0 गंज) जनपद बरेली में गोकशी करते समय एक सिपाही की हत्या करने में अभियुक्त परवेज उपरोक्त शामिल रहा है । घायल मु0आरक्षी एवं अभियुक्तों को उपचार हेतु जिला अस्पताल भेजा गया । अभियुक्तो के कब्जे से दो अदद तमंचे 315 बोर नाजायज मय जिंदा कारतूस 315 बोर,एक मिस फायर जिन्दा कारतूस 315 बोर, एक तमंचे की नाल में फंसा कारतूस तथा गोकशी में प्रयुक्त होने वाले उपकरण बरामद हुये हैं । बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर अभियुक्तगण के विरुद्ध थाना गंज पर मु0अ0सं0- 75/2026 धारा- 109 बीएनएस व 3/25/27 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

कोर्ट में महिला ने अपने वकील का सिर फोड़ा, महिला हिरासत में

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः मंगलवार को नगर स्थित सिविल कोर्ट में दोपहर लगभग 2 बजे एक हैरान करने वाला मामला सामने आया कोर्ट में दिनदहाड़े एक महिला ने अपने ही पूर्व वकील पर लोहे की रोड से जानलेवा हमला कर दिया, रोड के जोरदार हमले से अधिवक्ता लहू लुहान होकर कोर्ट रूम में ही गिर पड़े उनकी शर्ट खून के छीटों से लतपथ हो गई, इस हमले के पीछे की वजह फीस का लेनदेन और मुकदमे से जुड़ा विवाद सामने आया वारदात के बाद कोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया, वही पीड़ित अधिवक्ता ईश्वर चंद्र ने बताया कि वह न्यायालय कक्ष में मौजूद थे और अन्य मुकदमों की फाइलों से जुड़े सबूत पेश कर रहे थे तभी उनकी एक पुरानी क्लाइंट पुष्पा कोर्ट रूम में आई इससे पहले कि वह कुछ समक्ष पाते कि उसने अपने थैले से लोहे की रोड निकाली और सीधे सर पर दे मारी, अधिवक्ता ईश्वर चंद्र बताया कि पुष्पा उनसे एक पुरानी रंजिश पाले हुए थी, वही कोर्ट रूम के अंदर सर पर अचानक हुए इस अटैक से सभी सन रह गए, तुरंत हरकत में आते हुए मौके पर मौजूद अंय वकीलों ने भागने का प्रयास कर रही आरोपी महिला पुष्पा को पकड़ लिया तथा तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी गई पुलिस ने मौके पर पहुंचकर महिला को हिरासत में ले लिया, दिनदहाड़े कोर्ट रूम के अंदर हुई घटना से वकीलों का गुस्सा फूट पड़ा, सुरक्षा में चूक को लेकर सिविल कोर्ट बार के अध्यक्ष नंदराम सिंह की नेतृत्व में बड़ी संख्या में वकील हसनपुर कोतवाली पहुंच गए वकीलों ने शासन प्रशासन से मांग की है कि राज्य में अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए, वही संबंध में प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि घायल एडवोकेट ईश्वर चंद्र की लिखित तहरीर के आधार पर आरोपी महिला पुष्पा निवासी कारन खाल के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है महिला पुलिस की हिरासत में है और आवश्यक विधि कार्रवाई पूरी करके महिला को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है तथा मामले में आगे की जांच की जा रही है।

रामपुर रज़ा पुस्तकालय में हिंदी सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई

लोक तंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुरः रज़ा पुस्तकालय एवं संग्रहालय में आज दिनांक 28 अप्रैल 2026 को हिंदी सलाहकार समिति की बैठक सफलतापूर्वक आयोजित की गई। बैठक में समिति के सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए कार्यसूची के सभी बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया और उन्हें सर्वसम्मति से अनुमोदित किया। इस अवसर पर पुस्तकालय के निदेशक डॉ. पुष्कर मिश्र जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि रामपुर रज़ा पुस्तकालय केवल एक ऐतिहासिक संस्थान नहीं, बल्कि भारत की बहुभाषिक, बहुसांस्कृतिक और ज्ञानपरंपरा का जीवंत प्रतीक है। आज की यह बैठक हमारे उस दीर्घकालिक दृष्टिकोण को सुदृढ़ करती है, जिसके अंतर्गत हम पुस्तकालय को एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के शोध एवं ज्ञान केंद्र के रूप में विकसित करना चाहते हैं। हिंदी सलाहकार समिति का गठन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो न केवल हिंदी भाषा के संवर्धन में सहायक होगी, बल्कि विभिन्न भारतीय एवं वैश्विक भाषाओं के बीच सेतु निर्माण का कार्य भी करेगी। उन्होंने आगे कहा कि बहुभाषिक अनुसंधान संस्थान और अनुवाद केंद्र की स्थापना से ज्ञान की सीमाएँ समाप्त होंगी और विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध अमूल्य साहित्य को एक व्यापक पाठक वर्ग तक पहुँचाया जा सकेगा। आधुनिक भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से हम परंपरागत ज्ञान को नवीन तकनीकी संसाधनों से जोड़ते हुए शोधार्थियों, विद्यार्थियों और विद्वानों के लिए एक सशक्त एवं अनुकूल वातावरण तैयार करेंगे। भारतीय भाषाओं के अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण की दिशा में हमारे प्रयास न केवल भाषाई पहचान को वैश्विक स्तर पर स्थापित करेंगे, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार, शिक्षा और शोध के नए द्वार भी खोलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पुस्तकालय में संरक्षित बहुमूल्य पांडुलिपियाँ हमारी अमूल्य धरोहर हैं, जिनका वैज्ञानिक संरक्षण, आलोचनात्मक संपादन और बहुभाषिक अनुवाद अत्यंत आवश्यक है, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भी इस ज्ञान-संपदा से लाभान्वित हो सकें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन सभी पहलों से रामपुर रज़ा पुस्तकालय भाषा के माध्यम से विश्व को जोड़ने के अपने मूल मंत्र को साकार करते हुए भारत को एक वैश्विक ज्ञान केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उल्लेखनीय है कि हिंदी सलाहकार समिति का गठन पुस्तकालय के निदेशक डॉ. पुष्कर मिश्र जी के प्रयासों से 12 दिसंबर 2025 को राजभवन, लखनऊ में आयोजित अपनी 53वीं बोर्ड बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार किया गया था। समिति का उद्देश्य हिंदी भाषा के प्रोत्साहन, बहुभाषिक विकास, भाषा-नीति निर्धारण में सहयोग तथा संस्थान में भाषा-संबंधी गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना है।

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने किया प्रधानमंत्री का स्वागत

लोक तंत्र की शान

वाराणसीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार को काशी पहुंचे। यहां बीएलडब्ल्यू हेलीपैड पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने भाजपा अध्यक्ष संग किया दर्शन-पूजन- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन-पूजन किया। उनके साथ भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन भी रहे। दोनों नेताओं ने बाबा विश्वनाथ से सुखी, समृद्ध देश-प्रदेश की कामना की। इसके पहले एयरपोर्ट पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी ने भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। इस दौरान केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, बृजेश पाठक, श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर, स्टाम्प राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल, आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु', विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल आदि भी मौजूद रहे।

Bareilly में फर्जी IAS बन बहनों ने लगाया लाखों का चूना, थमाए फर्जी जॉइनिंग लेटर

लोकतंत्र की शान

(बरेली संदीप चंद्रा उत्तर प्रदेश) अक्सर बनने का सपना अधूरा रह गया तो कुछ लोग ठगी काआ ही बदल दिया तीनों बहनों ने खुद को फर्जी आईएएस और एसडीएम अधिकारी बताकर नौकरी लगवाने के नाम पर लोगों से लाखों रुपए की ठगी कर ली फर्जी नियुक्ति पत्र देकर युवाओं को लंबे समय तक फंसाए रखा अब यहां ठगी का पूरा रैकेट खुल गया है और तीनों बहनें पुलिस की गिरफ्त में हैं स्पाइक इंक्लेव निवासी प्रीति लायंस ने बरादरी थाने में एक शिकायत दर्ज कराई उन्होंने बताया कि साल 2022 में ग्रीन पार्क निवासी शिख शर्मा से उनकी मुलाकात हुई शिख ने दावा किया कि उनकी बहन विप्रा शर्मा एसडीएम है और पैसे देकर सरकारी नौकरी लगवा देती है प्रीति ने यह बात अपने कुछ परिचितों को बताई जिसके बाद चारों लोगों को सरकारी नौकरी की तलाश थी इसलिए वे शिख और विप्रा से मिले दोनों बहनों ने उन्हें कंप्यूटर ऑपरेटर की नौकरी लगवाने का झांसा दिया और कई किश्तों में कुल मिलाकर 11 लाख नगद और बैंक खातों में डलवा लिए इसके बाद विप्रा शर्मा ने आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश के नाम पर एक फर्जी नियुक्ति पत्र जारी कर दिया जब पीड़ित लखनऊ में जॉइनिंग के लिए पहुंचा तो पता चला कि यह पूरा फर्जी खेल था पुलिस जांच में एक बड़ा खुलासा सामने आया विप्रा शर्मा की ममेरी बहन दीक्षा पाठक भी इस ठगी में शामिल निकली तीनों बहनों ने इस रैकेट को बड़े लंबे समय से जारी रखा पुलिस के अनुसार विप्रा शर्मा ने 2012 से 2020 में तक सिविल सर्विज की तैयारी की थी और कई परीक्षाएं भी दी लेकिन चयन नहीं हो सका इसके बाद उसने ठगी का धंधा शुरू कर दिया विप्रा को सरकारी महकमों और अफसरों के रहन-सहन की अच्छी खासी जानकारी थी इसलिए तीनों बहन लोगों को एसडीएम और एडीएम बताकर सरकारी ड्रॉप झाड़ती थी कभी-कभी गाड़ी पर एसडीएम लिखवाकर भी घूमती थी ठगी के पैसों से उन्होंने एक बड़ा ही आलीशान घर और महंगी गाड़ियां भी खरीद ली अब तीनों बहनें विप्रा शर्मा शिख शर्मा और दीक्षा पाठक पुलिस की गिरफ्त में हैं पुलिस आगे की कार्यवाही कर रही है और अन्य पीड़ितों की तलाश भी कर रही है दोस्तों अगर सरकारी नौकरी का लालच देकर अक्सर लोग ठगी का शिकार बन जाते हैं तो किसी भी तरह से जब आपको ऐसे लोग मिले तो सबसे पहले उनकी पहचान करें उन्हें देखें और जांच पड़ताल करे बिना किसी भी तरह से पैसे ना दें और अगर बात सरकारी नौकरी लगवाने की हो तो आज के समय में सरकारी नौकरी आपको बिना किसी चीज को पास किए हुए नहीं मिलेगी उसके लिए आपको पूरी तरह से मेहनत करनी पड़ेगी और पारदर्शिता के साथ ही आपकी सरकारी नौकरी लग सकेगी थाना बारादरी में नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी की एक सूचना प्राप्त हुई जिसमें प्रार्थना पत्र के आधार पर क्राइम नंबर 511/2 26 सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किया गया और विवेचना के आधार पर जो धारा थी उसमें 204 और 3172 विनयस की बढ़ोतरी हुई और जो नामजद दो अभियुक्त थे इसमें विप्रा शर्मा और शिख पाठक के अलावा एक दीक्षा पाठक का भी नाम प्रकाश में आया और इनको गिरफ्तार किया गया और इनको को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है जो गिरफ्तार अभियुक्त हैं जिसमें विप्रा शर्मा जिनकी मुख्य भूमिका है जो खुद को पीसीएस और आईएएस अधिकारी के रूप में बताती हैं और इन्होंने रुहेलखंड विश्वविद्यालय से हिस्ट्री और इंग्लिश से डबल एमए किया हुआ है और ये अपने आप को डॉक्टर विप्रा शर्मा बताती हैं और यह कहती हैं कि मैंने आगरा विश्वविद्यालय से पीएचडी किया है लेकिन इस संबंध में इनके द्वारा भी कोई साक्ष्य नहीं प्रस्तुत किया गया वर्ष 2012 से वर्ष 2020 तक इनके द्वारा यूपीएससी परीक्षाओं की तैयारी भी की गई है और इसी क्रम में 2020 के पश्चात जब इनका अटेम्प्ट खत्म हो जाता है उसके पश्चात ये इस तरीके के काम में संलिप्त होती हैं और इन्होंने पहले अपने आप को एसडीएम के रूप में प्रोजेक्ट किया और उसके बाद इन्होंने अपने आप को एडीएम के रूप में प्रोजेक्ट किया एक गाड़ी भी इनके पास से xवी 700 बरामद हुई है जिस पे एडीएम एफआर लिखा हुआ है क्योंकि इन्ह इनके द्वारा सिविल सेवाओं परीक्षाओं की तैयारी की गई थी तो इसलिए इनको प्रशासनिक अधिकारियों के कार्य आचरण और जो व्यवहार है उनकी जानकारी थी और इसी का इन्ह इनके द्वारा फायदा उठाया गया इनके इन कार्यों में इनकी जो सगी बड़ी बहन है शिका पाठक और इनके एक मामा की लड़की है दीक्षा पाठक उनके द्वारा भी इनके इस कामों में मदद की जाती थी और ये जो गैंग है ये लोग कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रुप डी और विभिन्न अन्य सेवाओं के लिए ये नौकरी के नाम पे लोगों के साथ धोखाधड़ी करती थी अभी तक जो इनके कब्जे से बरामद हुआ है गिरफ्तारी के दौरान कुछ कूट रचित दस्तावेज बरामद हुए हैं 10 अद चेक बुक तीन अद पासबुक चार मोबाइल फोन 4.5 लाख नगद दो लैपटॉप और 55 लाख जो विभिन्न अकाउंट इनके थे उसको फ्रीज कराया गया है

संक्षिप्त समाचार

वैशाली पहुंचे केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान,कैबिनेट एक्सपेंशन पर बोले- समय आने पर सब साफ होगा

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान वैशाली जिले के बिदुपुर पहुंचे। उन्होंने यहां आग पीड़ितों से मुलाकात की और मीडिया से बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार, लोक जनशक्ति पार्टी की भागीदारी तथा गृह मंत्रालय से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर बात की। चिराग पासवान बिदुपुर प्रखंड के खजब्बत्ता डीह गांव में पासवान टोला के उन पीड़ितों से मिलने पहुंचे थे, जिनके 33 घर 24 मार्च को आग लगने से जलकर खाक हो गए थे। यह आग खाना बनाने के बाद चूल्हे से निकली चिंगारी के कारण लगी थी। इस घटना में प्रभावित परिवारों के घर का सारा सामान जल गया था, जिससे वे खुले आसमान में रहने को विवश थे। केंद्रीय मंत्री ने इन सभी प्रभावित परिवारों को आर्थिक मुआवजे के रूप में आठ हजार रुपए प्रदान किए। उन्होंने बताया कि प्रशासन द्वारा भी सभी पीड़ित परिवारों को आवश्यक लाभ दिए गए हैं। इस दौरान वैशाली जिलाधिकारी सहित कई अन्य पदाधिकारी भी मौके पर मौजूद थे। मंत्रिमंडल विस्तार और लोक जनशक्ति पार्टी की भागीदारी के सवाल पर चिराग पासवान ने कहा कि "समय आने पर सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा।" उन्होंने जल्द ही मंत्रिमंडल विस्तार की उम्मीद जताई। बिहार में गृह मंत्रालय को लेकर चल रही चर्चा पर उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया दी। चिराग पासवान ने कहा कि जब नीतीश कुमार मुख्यमंत्री थे, तब भी गृह मंत्रालय सम्राट चौधरी के पास था। उन्होंने सम्राट चौधरी की नेतृत्व क्षमता पर पूर्ण विश्वास व्यक्त किया। चिराग पासवान ने आगे कहा कि नेतृत्व परिवर्तन का समय ऐसा होता है जब असामाजिक तत्व इसका फायदा उठाना चाहते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार में कानून-व्यवस्था जल्द ही दुरुस्त कर ली जाएगी।

दानापुर-बेंगलुरु स्पेशल ट्रेन की सेवा अवधि बढ़ी

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। रेलवे ने यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए दानापुर और एसएमवीटी बेंगलुरु के बीच चलने वाली विशेष ट्रेन की परिचालन अवधि का विस्तार किया है। अब यह विशेष ट्रेन दानापुर से 31 मई 2026 तक और एसएमवीटी बेंगलुरु से 2 जून 2026 तक प्रतिदिन संचालित होगी। गाड़ी संख्या 03251 दानापुर-एसएमवीटी बेंगलुरु स्पेशल ट्रेन का परिचालन 31 मई 2026 तक प्रतिदिन जारी रहेगा। यह ट्रेन दानापुर से दोपहर 3:00 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन दोपहर 2:30 बजे एसएमवीटी बेंगलुरु पहुंचेगी। इसी तरह, गाड़ी संख्या 03252 एसएमवीटी बेंगलुरु-दानापुर स्पेशल ट्रेन 2 जून 2026 तक संचालित की जाएगी। यह ट्रेन एसएमवीटी बेंगलुरु से रात 11:50 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन रात 11:55 बजे दानापुर पहुंचेगी। यह विशेष ट्रेन अप और डाउन दोनों दिशाओं में आरा, बक्सर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, सतना और जबलपुर सहित कई प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी।

79 ग्राम हेरोईन के साथ दो तस्कर अरेस्ट

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के महुआ थाना क्षेत्र में पुलिस ने 79 ग्राम हेरोईन के साथ दो मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई मंगरू चौक के पास वाहन जांच के दौरान की गई। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वैशाली पुलिस जिले में अवैध मादक पदार्थों के सेवन और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में यह सफलता मिली है। 26 अप्रैल 2026 की शाम महुआ थाना को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी। इसमें बताया गया था कि बाइक सवार दो तस्कर अवैध मादक पदार्थ लेकर मंगरू चौक की ओर आ रहे हैं। यह जानकारी तत्काल वरीय अधिकारियों को दी गई। पुलिस अधीक्षक, वैशाली के निर्देश पर सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए महुआ थाना ने मंगरू चौक पर वाहन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान बाइक सवार दोनों तस्करों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस बल ने उन्हें पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उनके पास से 79 ग्राम हेरोईन बरामद हुई, जिसे जब्त कर लिया गया। गिरफ्तार किए गए तस्करों की पहचान प्रकाश कुमार (पिताः स्व. उमेश महतो, निवासीः कटहरा चौक, थानाः कटहरा, जिलाः वैशाली) और राहुल कुमार (पिताः गरीबन भगत, निवासीः हरपुर अररा, थानाः कटहरा, जिलाः वैशाली) के रूप में हुई है। पूछताछ में अवैध मादक पदार्थ की खरीद-बिक्री के स्रोत और गंतव्य का खुलासा हुआ है। इस संबंध में महुआ थाना में कांड संख्या 309/26 दर्ज किया गया है। पुलिस गिरफ्तार अभियुक्तों के आपराधिक इतिहास का भी पता लगा रही है। बरामद सामान में 79 ग्राम हेरोईन के साथ एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी शामिल है।

एक ही रस्सी से गला घोंटकर मां-2 बच्चों की हत्या

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में ट्रिपल मर्डर का मामला सामने आया है। घर में घुसकर महिला और उसके दो बच्चों की हत्या की गई है। मंगलवार सुबह कमरे में बेड पर तीनों के शव मिले हैं। घटना कांटी थाना क्षेत्र के मधुबन जगदीश उर्फ बझिला की है। मृतकों की पहचान मिठाई लाल की पत्नी रीता देवी (30), बेटी वैष्णवी (2 साल) और बेटा कन्हैया (3 महीना) के तौर पर हुई है। पति ने बताया, 'मैं बारात में गया था, सुबह लौटा तो देखा घर का दरवाजा बाहर से बंद था, गेट खोला तो बेड पर लाश थी। पास ही एक रस्सी पड़ी थी।' मामले की गंभीरता को देखते हुए DSP पश्चिमी सुचित्रा कुमारी, ग्रामीण SP राजेश सिंह प्रभाकर मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया है। मृतका की सास उर्मिला देवी ने SP से कहा, 'जैसे मेरे बच्चों को मारा गया है, वैसे ही उनको सजा मिलनी चाहिए।' पुलिस ने दो महिलाओं को हिरासत में लिया है। महिला के पति मिठाई लाल शाह कैटरिंग का काम करते हैं। मिठाई लाल ने बताया, 'सोमवार की रात एक कैटरिंग ऑर्डर को पूरा करने के लिए मैं अपने भाई के साथ बारात में गया था। मंगलवार सुबह करीब 3.30 बजे घर पहुंचा। घर के सभी दरवाजे बाहर से बंद थे। तभी मुझे शक हुआ। मैंने और भाई ने जैसे-तैसे घर का दरवाजा खोला और अंदर गए।' मिठाई लाल कहा, 'कमरे में गए तो देखा, बेड पर मेरी पत्नी और दोनों बच्चों की लाश पड़ी थी। एक ही रस्सी से तीनों की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। मेरा परिवार उजड़ गया। ' मिठाई लाल की शादी 2019 में हुई थी। उनके 4 बच्चे हैं। 2 बच्चे दादी के साथ सोए थे। इसलिए उनकी जान बच गई। मिठाई लाल का कहना है, 'हमारे रिश्तेदार से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। ये झगड़ा काफी पुराना है। उन लोगों ने हमारी जमीन भी बेच दी और मेरे परिवार को खत्म कर दिया।' मिठाई लाल का आरोप है, 'सोमवार दोपहर को भी मरे रिश्तेदारों ने धमकी दी थी कि पूरे परिवार को खत्म कर देंगे। लेकिन मैंने धमकी को नजरअंदाज कर दिया। वो लोग पहले भी कई बार धमकी दे चुके हैं।' मृतका के मामा ससुर अमरनाथ ने बताया, 'पहले से जमीन विवाद चल रहा है। 10 बार से ज्यादा पंचायती भी हो चुकी है। पिछले साल अक्टूबर में भी पंचायती हुई थी। आरोपी परिवार ने जमीन बेचकर ज्यादा पैसे खुद रख लिए, जिसे लेकर विवाद था। उनलोगों ने कई बार मेरे भांजे को धमकी दी थी कि सबको मार डालेंगे। आज सुबह बहन से मुझे फोन करके कहा जल्दी आओ घर में सबको मार कर सुला दिया है।'

पर्ची काटने के विरोध में हंगामा, सड़क जाम

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन के बाहर मंगलवार को ऑटो और टोटो चालकों ने अवैध पर्ची काटने के विरोध में जमकर प्रदर्शन किया। स्टेशन रोड की मुख्य सड़क को करीब आधे घंटे जाम कर दिया। गौतम बुद्ध द्वार के पास नारेबाजी करते हुए प्रशासन के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया। प्रदर्शन में सैकड़ों की संख्या में चालक शामिल हुए। उनका आरोप है कि स्टेशन के बाहर अवैध रूप से पर्ची काटी जा रही है। पैसे नहीं देने पर वेंडर गाली-गलौज और मारपीट करते हैं। इसको लेकर लंबे समय से शिकायत की जा रही थी, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला। ऑटो यूनियन के सचिव मोहम्मद इलियास ने कहा कि पिछले एक महीने से लगातार शिकायत की जा रही है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। स्टैंड के बाहर सड़क पर ही पर्ची काटी जा रही है। पैसे नहीं देने पर चालकों के साथ मारपीट की जाती है। विरोध करने पर वेंडर दबंगई दिखाते हैं। अगर अवैध पर्ची काटने की व्यवस्था बंद नहीं की गई तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा। सड़क जाम की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शन कर रहे चालकों को समझाने का प्रयास किया। जाम के कारण स्टेशन रोड पर करीब आधे घंटे यातायात प्रभावित रहा। वाहनों की लंबी कतारें लग गई।

'बिहारी हूं, कहने पर पुलिस ने गोली मारकर की हत्या'

दोस्त बोला- नशे में था दिल्ली पुलिस का कॉन्स्टेबल, तेजस्वी ने पूछा- बिहारी होना देशद्रोह है?

लोकतंत्र की शान , पटना

दिल्ली में बिहार के खगड़िया के रहने वाले पांडव कुमार (23) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पांडव के दोस्त ने बताया, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल में तैनात हवलदार ने नशे में पांडव और उसके साथी कृष्णा को गोली मार दी। इलाज के दौरान पांडव की मौत हो गई। कृष्णा की हालत गंभीर बनी है। पांडव दिल्ली में डिलीवरी बॉय का काम करता था। घटना दिल्ली के द्वारका के जाफरपुर कलां इलाके में शनिवार रात की है। वारदात के बाद आरोपी हवलदार मौके से फरार हो गया। वारदात के समय पांडव, कृष्ण और बाकी युवक दोस्त के बेटे की बर्थडे पार्टी से घर लौट रहे थे। इस बीच हवलदार आधी रात को भीड़ लगाने का कारण पूछने लगा।

आरोप है कि शराब के नशे में धुत हवलदार नीरज सभी दोस्तों के साथ गाली-गलौज करने लगा। जैसे ही पीड़ित पांडव कुमार ने बताया कि वह बिहार का है, इस पर वह और आग बबूला हो गया। उसने पिस्टल निकालकर पांडव के सीने से सटाकर गोली चला दी। गोली आर-पार होकर इसके साथ बाइक पर पीछे कृष्ण के पेट

में जा लगी। पांडव की हत्या के बाद अब बिहार में सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। तेजस्वी यादव, पप्पू यादव और खेसारी लाल यादव ने इस मामले को लेकर सरकार को घेरा है।

जोमैटो में डिलीवरी बॉय का काम करता था पांडवः पांडव कुमार बिहार के खगड़िया का रहने वाला है। अपने परिवार के साथ वो दिल्ली की प्रजापति कॉलोनी, उत्तम नगर में रहता था। परिवार में पिता गणेश सिंह, मां, एक भाई विकास और शादीशुदा बहन हैं। पांडव कुमार जोमैटो में डिलीवरी बॉय का काम करता था। शनिवार इनके दोस्त रूपेश कुमार के दो साल के बेटे का जन्मदिन था। रूपेश कुमार जाफरपुर कलां में रहता है।

पार्टी खत्म कर लौट रहे थे, कॉन्स्टेबल ने गोली मारीः पांडव के दोस्त ने पुलिस को बताया, कई दोस्त रूपेश की जन्मदिन की पार्टी में मौजूद थे। देर रात पार्टी खत्म होने के बाद करीब 20 लोग गली से निकलकर मेन रावता रोड पर आ गए। इनमें कई महिलाएं और युवक मौजूद थे। कैब बुक करने के बाद कई लोग चले भी गए। सड़क पर एक बाइक पर पांडव, कृष्ण और दीपक। स्कूटी पर छोटू किशन और कृष्ण मौजूद थे। रात करीब 2 बजे रूपेश इनको छोड़ने के लिए वहां मौजूद था। इस बीच सामने रहने वाला हवलदार नीरज नशे में धुत होकर वहां पहुंचा। आते ही उसने भीड़ लगाने का कारण पूछा। इस बीच नीरज ने लड़कों से पूछा कि तुम लोग कहां के रहने वाले हो। जैसे ही पांडव ने बताया कि वह बिहार का रहने वाला है, उसने गाली-गलौज शुरू कर दी। इस बीच कॉन्स्टेबल ने पिस्टल निकालकर पहले पांडव के सिर पर रखी और बाद में सीने से सटाकर उस पर गोली चला दी। गोली पांडव के सीने को चीरती हुई ठीक उसके पीछे बैठे कृष्ण के पेट में जा लगी। बाद में आरोपी सभी लड़कों को धमकाता हुआ वहां से फरार हो गया। अस्पताल में पांडव को मृत घोषित कर दिया, कृष्णा का इलाज जारी है।

नीट के स्टूडेंट ने किया सुसाइड, हॉस्टल के कमरे में मिली युवक की लाश

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना में नालंदा रेजीडेंसी हॉस्टल में नीट के छात्र ने जहर का खाकर सुसाइड कर लिया है। मृतक मुजफ्फरपुर के भगवानपुर का रहने वाला श्रेयम है। जो पिछले 2 साल से नालंदा रेजीडेंसी के फ्लैट नंबर 303, बेड नंबर 98 में रहता था। लाश के बगल में बगल में सोडियम एजाइड (जहर) का एक डब्बा भी था। श्रेयम के पास से एक सुसाइड नोट भी मिला है। कमरे में एक और छात्र रहता है, जो फिलहाल हॉस्टल में नहीं है, वो एग्जाम के लिए अपने घर गया हुआ है। घटना एसके पुरी थाना क्षेत्र के एनपथ की है।

कुछ दिनों से शांत रह रहा थाः बगल के कमरे के छात्र अंश ने बताया कि पिछले 3 दिनों से श्रेयम शांत दिख रहा था। कभी-कभी हम लोगों के कमरे में आता था। बातचीत होती थी, लेकिन इससे पहले कभी इस तरीके से उसे शांत नहीं देखा था। कल देर रात तक उसके कमरे से फोन पर बातचीत की आवाज आ रही थी। सुबह आवाज देने के बाद भी दरवाजा नहीं खुल रहा था। हॉस्टल की कुछ भइया लोगों ने दरवाजा तोड़ा तो अपने बेड पर पड़ा था। हॉस्टल के ओनर बृजेश कुमार ने बताया कि पिछले 2 साल 1 महीने से श्रेयम रह रहा था। स्वभाव से बहुत अच्छा था। पटना के ऐलेन कोचिंग से मेडिकल की तैयारी कर रहा था। श्रेयम

◆ सोडियम एजाइज खाकर दी जान

का एक और भाई शुभम यहां रहता है। रात लगभग एक बजे के करीब उससे श्रेयम की सीढ़ी पर मुलाकात हुई थी। श्रेयम पानी लेकर अपने रूम में उस वक्त जा रहा था। सुबह में श्रयस दरवाजा नहीं खोल रहा था। श्रेयम का कजन शुभम और हॉस्टल के वार्डन पहुंच कर दरवाजा खोलें। श्रेयम की लाश बेड पर थी। इसी बीच श्रेयम की मां आई, जिन्होंने श्रेयम को मेरे यहां हॉस्टल में रखवाया था। उन्होंने आने के साथ पानी वगैरह का छींटा। सीने पर पंप भी किया। इसके बाद जल्दबाजी में अस्पताल गए। तब तक मैंने डायल-112 को कॉल किया, लेकिन डायल-112 की टीम नहीं आई। फिर मैंने अपने बेटे को थाने पर भेजा। पुलिस आई है। फोरेंसिक टीम टीम भी आई है। कमरे से बोतल कप, चम्मच, चादर और पॉइजन के डिब्बे जब्त कर लिए हैं। कमरे को सील कर दिया गया है।

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली की ऐतिहासिक उपलब्धिः राष्ट्रीय मंच पर दोहरी शीर्ष रैंकिंग से बढ़ा मान

लोकतंत्र की शान

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली ने एक बार पुनः अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता और गुणवत्ता के उच्च मानकों को सिद्ध करते हुए एक ऐतिहासिक उपलब्धि अर्जित की है। "इंडिया हायर एजुकेशन रैंकिंग्स अवॉर्ड्स 2026–27" में विश्वविद्यालय को बिहार की 'नं. 1 प्राइवेट मल्टीडिसिप्लिनरी यूनिवर्सिटी' तथा 'नं. 1 प्राइवेट इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट' के प्रतिष्ठित सम्मान से अलंकृत किया गया है। नई दिल्ली में आयोजित भव्य एवं गरिमामय समारोह में घोषित इस सम्मान ने विश्वविद्यालय परिवार को गर्व, आत्मविश्वास और उत्साह से अभिभूत कर दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव प्रो. (डॉ.) ब्रिजेश सिंह ने यह सम्मान औपचारिक रूप से ग्रहण किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा, "यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की सामूहिक प्रतिबद्धता, उत्कृष्ट शैक्षणिक परिवेश और गुणवत्ता-केन्द्रित प्रशासनिक दृष्टिकोण का प्रतिफल है। यह सम्मान न केवल हमारी राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को सुदृढ़ करता है, बल्कि हमें निरंतर नवाचार, पारदर्शिता और उत्कृष्टता की दिशा में अग्रसर रहने की प्रेरणा भी प्रदान करता है। यह सम्मान छात्रों के निरंतर शैक्षणिक प्रयास एवं उत्कृष्ट प्लेसमेंट को भी प्रतिबिंबित करता है।" कुलपति प्रो. (डॉ.) समित तिवारी ने कहा, "हमारे विद्यार्थियों की लगन, शिक्षकों की समर्पित शिक्षण परंपरा और प्रबंधन की दूरदर्शी

नीतियाँ इस उपलब्धि के मूल आधार हैं। विश्वविद्यालय भविष्य में भी उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध रहेगा।" प्रतिकुलपति प्रो. (डॉ.) बसंत सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, "यह सम्मान हमारे संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन और नवाचार-प्रधान दृष्टिकोण का सशक्त प्रमाण है, जो हमें और अधिक उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है। डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली अपने अत्याधुनिक अधोसंरचना, उद्योग-सम्मत पाठ्यक्रमों तथा कौशल-आधारित शिक्षण प्रणाली के माध्यम से विद्यार्थियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम बनाने की दिशा में सतत प्रयासरत है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर आईसेक्ट समूह के निदेशक एवं डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष श्री संतोष चौबे ने विश्वविद्यालय परिवार के सभी छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

सहरसा में पर्यावरण संरक्षण को लेकर समीक्षा बैठक, डीएम दीपेश कुमार ने दिए अहम निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा |मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः सहरसा जिले में पर्यावरण संरक्षण को लेकर जिला प्रशासन द्वारा आज एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। दिनांक 28.04.2026 को जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार, भा०प्र०से० की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति, पर्यावरण समिति, जिला स्तरीय टास्क फोर्स, एकल उपयोग प्लास्टिक नियंत्रण समिति, जिला आर्द्रभूमि समिति, जिला वन एवं पर्यावरण टास्क फोर्स तथा जिला अनुश्रवण समिति की संयुक्त मासिक समीक्षात्मक बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान जिले में पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों, योजनाओं एवं जमीनी स्तर पर किए जा रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी विभाग आपसी समन्वय

के साथ कार्य करते हुए पर्यावरण संरक्षण से संबंधित योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करें। विशेष रूप से एकल उपयोग प्लास्टिक के उपयोग को रोकने पर जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को सख्ती के साथ प्रतिबंध लागू करने, नियमित जांच अभियान चलाने तथा आम लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जिला आर्द्रभूमि क्षेत्रों के संरक्षण, स्वच्छता बनाए रखने तथा अतिक्रमण रोकने के लिए भी आवश्यक कदम उठाने को कहा गया। जिला वन एवं पर्यावरण टास्क फोर्स के तहत वृक्षारोपण अभियान को और गति देने तथा हरित क्षेत्र को बढ़ाने पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि आने वाले समय में अधिक से अधिक पौधारोपण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी श्री भरत चिंतनपल्ली, उप विकास आयुक्त श्री गौरव कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे और अपने-अपने कार्यों की प्रगति से अवगत कराया। अंत में जिलाधिकारी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

तेज प्रताप ने धीरेंद्र शास्त्री से पूछा अपना पॉलिटिकल फ्यूचर

लोकतंत्र की शान , पटना

JJD नेता तेज प्रताप यादव और पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के बीच बातचीत का वीडियो सामने आया है। इस बातचीत में तेज प्रताप ने मुस्कुराते हुए कहा, 'मेरा थोड़ा राजनीतिक भविष्य देख लीजिए। इस पर धीरेंद्र शास्त्री ने जवाब दिया,'हम लोग जब साथ बैठेंगे, तब देख लेंगे।' ये वही पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री हैं, जिनके बिहार आगमन का तेज प्रताप यादव ने कभी खुलकर विरोध किया था, अब उसी धीरेंद्र शास्त्री से उन्होंने वीडियो कॉल पर बातचीत की है।

2023 में दी थी कड़ी चेतावनीः साल 2023 में जब धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पटना के नौबतपुर में कथा करने आने वाले थे, तब तेज प्रताप यादव ने कड़ा विरोध जताया था। उन्होंने कहा था कि बिहार गांधी और बुद्ध की धरती है, यहां अगर कोई हिंदू-मुस्लिम को लड़ाने आएगा तो उसे वापस लौटना होगा। तेज प्रताप ने यहां तक कह दिया था

कि जरूरत पड़ी तो वे पटना एयरपोर्ट का घेराव करेंगे। उस वक्त उनका यह बयान काफी सुर्खियों में रहा था और इसे धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ खुली चेतावनी माना गया था। इसी दौरान वन एवं पर्यावरण मंत्री रहते हुए तेज प्रताप यादव ने एक कार्यक्रम में बिना नाम लिए धीरेंद्र शास्त्री पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था,'बहुत बाबा आए, लेकिन हम बहुत बड़े बाबा हैं। हम जमीन से लेकर पाताल तक नाप देंगे।' तेज प्रताप यादव ने एक एजेंसी में धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की तुलना राम रहीम और आशाराम बापू से भी की थी।

सहरसा में LPG वितरण व्यवस्था पर सख्तीः 72 घंटे में बैकलॉग खत्म करने का निर्देश, कालाबाजारी पर होगी कड़ी कार्रवाई

लोकतंत्र की शान

सहरसा | मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः सहरसा जिले में रसोई गैस (LPG) की उपलब्धता, लंबित बुकिंग के त्वरित निष्पादन एवं वितरण व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार आज जिले के विभिन्न गैस वितरण एजेंसियों (HP, BharatGas एवं Indane) के प्रदर्शन और आपूर्ति श्रृंखला की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान पाया गया कि जिले में रसोई गैस की लंबित बुकिंग (बैकलॉग) की संख्या में वृद्धि हुई है। इस पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए प्रशासन ने सभी तेल कंपनियों (IOCL, BPCL, HPCL) के अधिकारियों एवं स्थानीय वितरकों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

बैकलॉग की स्थिति चिंताजनक–आंकड़ों के अनुसार,

इंडेन (IOC) में सबसे अधिक 9,752 रिफिल बुकिंग लंबित हैं। अरुणिता इंडेन और शहीद रमन इंडेन जैसे बड़े वितरकों के पास बैकलॉग अधिक पाया गया। वहीं HP गैस में 6,035 और भारत गैस में 4,402 बुकिंग लंबित हैं, जिसमें गौरी शंकर HP गैस एजेंसी का बैकलॉग सबसे अधिक है।

जन-शिकायतों पर प्रशासन सख्त–सोशल मीडिया और व्हाट्सएप के माध्यम से प्राप्त शिकायतों में उपभोक्ताओं ने एजेंसी संचालकों पर टालमटोल के आरोप लगाए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं की शिकायतों को नजरअंदाज करना किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पर्याप्त स्टॉक का दावा–जिले में गैस की उपलब्धता को लेकर प्रशासन ने बताया कि वर्तमान में इंडेन के पास 1833, HP के पास 2625 और भारत गैस के पास 2008 सिलेंडर का ओपनिंग स्टॉक मौजूद है। इसके अलावा ट्रांजिट में भी पर्याप्त मात्रा में गैस सिलेंडर आ रहे हैं।

प्रशासन के सख्त निर्देश–जिन एजेंसियों के पास बैकलॉग 5 दिनों से अधिक है, उन्हें 72 घंटे के भीतर आपूर्ति सामान्य करने का निर्देश दिया गया है। आपूर्ति पदाधिकारियों को एजेंसियों का नियमित निरीक्षण कर "पहले आओ-पहले पाओ" के आधार पर वितरण सुनिश्चित करने को कहा गया है। साथ ही, IOCL (Indane) के एरिया मैनेजर से वार्ता कर तकनीकी समस्याओं को तुरंत दूर करने का निर्देश दिया गया है, ताकि उपभोक्ताओं को एक सप्ताह से अधिक इंतजार न करना पड़े।

कालाबाजारी पर कड़ी चेतावनी–जिला प्रशासन ने चेतावनी दी है कि यदि कोई एजेंसी संचालक कृत्रिम कमी दिखाकर कालाबाजारी या अनावश्यक देरी करता पाया गया, तो उसके खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने आम जनता को आश्वस्त किया है कि जिले में रसोई गैस की कोई कमी नहीं है और वितरण व्यवस्था को पारदर्शी एवं सुचारु बनाने के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

डायल 112 वाहन ने छात्र को मारी टक्कर, दानापुर में चालक मौके से फरार

लोकतंत्र की शान , पटना

दानापुर के शाहपुर थाना क्षेत्र में डायल 112 के एक गश्ती वाहन ने स्कूली छात्र को टक्कर मार दी। घटना शाहपुर थाना अंतर्गत मठियापुर इलाके के ठाकुर मोड़ के पास हुई। टक्कर के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा गया। आसपास के लोगों ने घायल छात्र को तुरंत अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया और उसके परिजनों को सूचित किया।

घायल छात्र की पहचान मठियापुर निवासी सत्येंद्र कुमार के बेटे हिमांशु कुमार के रूप में हुई है। हिमांशु ताराचक स्थित ओमेगा मिशन स्कूल में कक्षा एक का छात्र है। प्राथमिक उपचार के बाद उसे घर भेज दिया गया।

छुट्टी के बाद हिमांशु पैदल घर लौट रहा थाः घायल छात्र के चाचा पप्पू कुमार ने बताया कि मंगलवार को स्कूल की छुट्टी के बाद हिमांशु पैदल घर लौट रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार डायल 112 वाहन ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह गिर गया। टक्कर मारने के बाद डायल 112 का वाहन सायरन बजाते हुए मौके से फरार हो गया। शाहपुर थाना के प्रभारी थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच का आश्वासन दिया है।

'बेटे की लाश रखकर बिल बनाता रहा पारस अस्पताल'

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना के राजा बाजार स्थित पारस अस्पताल में सोमवार को 9वीं के छात्रा की मौत हो गई। परिजन ने जमकर हंगामा किया। ICU बेड, वेंटिलेटर लेकर ही सड़क पर उतर गए और विरोध जताया। अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए परिसर में जमकर तोड़फोड़ और पत्थरबाजी की। परिजन का कहना था कि बच्चा मर चुका था फिर भी उसे जिंदा बताकर अस्पताल ने पैसे ऐंठे। परिजन के मुताबिक, मृतक छात्रा विशाल के इलाज में 2 लाख रुपए खर्च हुए। परिवार ने कर्ज लेकर अस्पताल में पैसे जमा कराए, लेकिन इलाज सही से नहीं होने पर विशाल बच नहीं पाया। विशाल अपने घर का इकलौता बेटा था, पटना अपने ननिहाल में रहकर पढ़ाई कर रहा था।

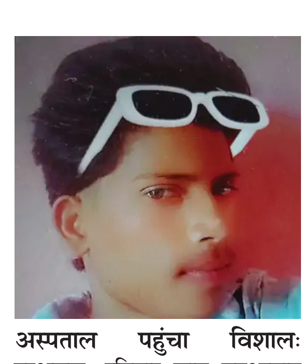

सबसे पहले जानिए कैसे अस्पताल पहुंचा विशालः दरअसल, रविवार शाम महुआबाग में खेलने के दौरान लड़कों में किसी बात पर विवाद हो गया। इस विवाद में विशाल को रिटायर्ड दारोगा के बेटे ने बैट से सिर के पिछले हिस्से में मार दिया। इसके बाद वह बेहोश हो गया। बेहोशी के हालत में ननिहाल के परिजन ने विशाल को पटना के पारस अस्पताल में लगभग 5:30 बजे एडमिट कराया। विशाल के पिता ऋषि चौहान लुधियाना में मजदूरी

❐ **नाना बोले- खेत बेचकर 2 लाख जमा किए, एक बार नाती को देखने तक नहीं दिया**

करते हैं। विशाल बचपन से ही नानी घर रहता था।

घर का इकलौता चिराग था विशालः मामी प्रियंका देवी ने बताया, विशाल महुआबाग के बीएमपी स्कूल टहल टोला में 9वीं क्लास का छात्र था। घर का इकलौता चिराग था। आर्थिक तंगी होने के बाद भी पटना के सबसे बड़े अस्पताल पारस में एडमिट कराया। ताकि उसकी जान बच जाए। आगे कहा, हमलोगों के पास रुपए भी नहीं थे। जैसे तैसे 10% के ब्याज पर 2 लाख का कर्ज लिए। अस्पताल पहुंचने के साथ ही काउंटर पर तकरीबन 1,35000 कैश जमा कराए। इलाज में 200000 खर्च हो गए, लेकिन जिस तरीके से इलाज होना चाहिए था, वह अस्पताल में नहीं हो पाया। यहां तक कि समय-समय पर डॉक्टर भी नहीं मौजूद थे।

अस्पताल के डाटा में डेढ़ लाख जमा कराने का रिकॉर्डः अस्पताल की पर्ची के मुताबिक, मृतक विशाल को न्यूरो सर्जरी डिपार्टमेंट में एडमिट कराया गया था। डॉक्टर अंबुज कुमार पेशेंट को देख रहे थे। एडमिशन डेट 26 अप्रैल शाम 6:45 बजे अंकित है। डॉक्टर अंबुज कुमार के हर विजिट के 1810 रुपये चार्ज लिए गए हैं। CBC के 963.90 रुपए, अस्पताल की ओर से एक दिन के जनरल एंड एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस के नाम पर 4570 रुपए वसूले गए हैं। यहां तक की डाइट चार्ज के भी 650 रुपए लिए गए हैं। कुल मिलाकर करीब डेढ़ लाख के आसपास पैसे दिए गए।

संक्षिप्त समाचार

ओबीसी आरक्षण मामले में सरकार की टालमटोल निंदनीयः कमलेश्वर

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान सीधी। प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं सीडब्ल्यूसी सदस्य कमलेश्वर पटेल ने कहा कि मध्य प्रदेश में ओबीसी आरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण मामले में आज फिर सुनवाई टलना अत्यंत चिंताजनक है। यह सिर्फ एक तारीख का टलना नहीं, बल्कि सरकार की नीयत और प्राथमिकताओं पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। अगर भाजपा सरकार की नीयत साफ होती, तो कमलनाथ की कांग्रेस सरकार द्वारा पारित किए गए 27 प्रतिशत आरक्षण को 7 वर्षों तक निराधार बहाने बनाकर रोका नहीं जाता। इससे स्पष्ट है कि सरकार का रवैया ओबीसी हितों के प्रति विरोधात्मक और उपेक्षापूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि जिस प्रकार सरकार ने अपने ही नियुक्त विशेष अधिवक्ताओं को अंतिम समय में बदल दियाए वह साफ दर्शाता है कि सरकार इस मामले को मजबूती से लड़ने के बजाय जानबूझकर कमजोर कर रही है। जो अधिवक्ता इस पूरे प्रकरण की बारीकियों को समझते थेए उन्हें हटाना सीधे तौर पर ओबीसी समाज के हितों के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि सरकार वास्तव में ओबीसी वर्ग के साथ खड़ी हैए तो 27 प्रतिशत आरक्षण को बचाने के लिए पूरी ताकत से कानूनी लड़ाई क्यों नहीं लड़ी जा रही है। बार बार वकील बदलना और सुनवाई टलवाना यह संकेत देता है कि सरकार इस मुद्दे को लंबित रखना चाहती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं कई बार यह कह चुके हैं कि पूर्व सरकार द्वारा बनाया गया कानून कमजोर है। जब सरकार खुद ही अपने कानून को कमजोर बताएगी, तो अदालत में उसका प्रभावी बचाव कैसे संभव होगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह वही 27 प्रतिशत आरक्षण है, जिसे पूर्व कांग्रेस सरकार ने ओबीसी वर्ग को उनका अधिकार दिलाने के लिए लागू किया था। आज की सरकार उस अधिकार को सुरक्षित रखने के बजाय उसे खत्म होने देने की दिशा में काम करती नजर आ रही है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि ओबीसी समाज के नाम पर सिर्फ राजनीतिक चेहरे आगे किए गए, लेकिन वास्तविक अधिकार देने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। चार ओबीसी मुख्यमंत्रियों का दावा करने वाली भाजपा यह स्पष्ट करे कि उनमें से किसी एक ने भी ओबीसी आरक्षण को मजबूत करने के लिए क्या ठोस पहल की। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियां यह दर्शाती हैं कि सरकार अदालत में जानबूझकर कमजोर पक्ष रख रही है, जिससे 27 प्रतिशत आरक्षण निरस्त होने की आशंका बढ़ रही है। यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि एक सुनियोजित रणनीति का हिस्सा प्रतीत होता है। अंत में उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ओबीसी वर्ग के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और इस अन्याय के खिलाफ हर मंच पर मजबूती से आवाज उठाती रहेगी।

महंगाई व बेरोजगारी को लेकर शिवसेना की बैठक में चिंता जताई गई

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुरः मंगलवार को शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट की एक बैठक महंगाई और बेरोजगारी को लेकर शिवसेना के नगर अध्यक्ष विकास यादव के आवास पर आयोजित की गई, जिसमें शिव सैनिकों ने बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी पर चिंता जताई, बैठक में आसमान छू रही कीमतों को लेकर चिंता व्यक्ति की गई शिवसेना के जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश यादव ने बोलते हुए कहा कि आज भाजपा सरकार के राज् में जनता महंगाई और बेरोजगारी को लेकर त्राहि त्राहि कर रही है जहां राशन पानी से लेकर गैस पेट्रोल डीजल महंगा हो गया है मजदूरी करने वाला 10000 से 15000 महीना कमाने वाला ऐसी महंगाई में अपने परिवार का कैसे पालन पोषण करें, वहीं जहां सरकारी कर्मचारियों को सांसदों को विधायकों को लाखों लाखों सैलरी मिल रही है वहीं गरीब मजदूर के लिए घर चलना मुश्किल हो रहा है, वहीं उन्होंने भाजपा शासनकाल में बढ़ते भ्रष्टाचार को लेकर कहा कि आज भाजपा के शासन में बिना रिश्वत के कोई काम नहीं होता लेकिन अंधभक्त कहते हैं कि चाहे डीजल 500 या गैस का सिलेंडर 5000 का हो जाए लेकिन वोट मोदी को ही देंगे ऐसे वह लोग कहते हैं जो या तो नंबर दो से पैसा कमा रहे हैं या फिर दलाली करके पैसा कमा रहे हैं लेकिन मेहनत मजदूरी करने वाला अपने परिवार का इस महंगाई में कैसे पालन पोषण करें, साथ ही महिला आरक्षण के मुद्दे को लेकर नगर अध्यक्ष विकास यादव ने कहा कि एक और भाजपा महिला आरक्षण बिल् के गिरने को लेकर अन्य विपक्षी पार्टियों पर निशाना साध रही है जबकि बंगाल में एक महिला मुख्यमंत्री को हारने के लिए बीजेपी की पूरी फौज तथा चुनाव आयोग एवं बीजेपी के एजेंट पूरी तरह से लगे हुए हैं लेकिन पश्चिम बंगाल में ममता दीदी को हराना नामुमकिन है, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी एक महिला हैं बीजेपी को उनका सम्मान करना चाहिए और उनको ही सपोर्ट करना चाहिए, बैठक की अध्यक्षता राजकुमार सागर ने की तथा संचालन रमेश कुमार यादव द्वारा किया गया, इस मौके पर अर्जुन यादव, विशाल यादव, राजू प्रजापति, सतबीर प्रजापति, राजपाल प्रजापति, मनु यादव, राकेश चौहान, मनीष चौहान, नरेश ठाकुर, दिनेश , विकास यादव, वेद प्रकाश यादव आदि मौजूद रहे ।

फरीदाबाद : पंचायती राज संस्थाओं के उपचुनाव हेतु 12 उम्मीदवारों ने भरा पर्चा

लोक तंत्र की शान ,फरीदाबाद। राज्य निर्वाचन आयोग, हरियाणा के निर्देशों के अनुपालन में जिला फरीदाबाद में पंचायती राज संस्थाओं के उपचुनाव (अप्रैल–मई 2026) के लिए नामांकन प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सफलतापूर्वक संपन्न हो गई है। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) आयुष सिन्हा ने जानकारी देते हुए बताया कि 21 अप्रैल से 25 अप्रैल 2026 तक की अवधि के दौरान जिले के तीनों ब्लॉकों—फरीदाबाद, बल्लभगढ़ एवं तिगांव—से कुल 12 नामांकन पत्र प्राप्त हुए हैं, जिनमें 10 पुरुष एवं 02 महिला उम्मीदवार शामिल हैं। उन्होंने बताया कि ब्लॉक फरीदाबाद के अंतर्गत ग्राम पंचायत भास्कोला (वार्ड 3) से 01 पुरुष उम्मीदवार ने पंच पद हेतु नामांकन दाखिल किया। ब्लॉक बल्लभगढ़ में ग्राम पंचायत फतेहपुर बिल्लोच (वार्ड 19) से 01 महिला, ग्राम पंचायत डीग (वार्ड 1) से 01 पुरुष उम्मीदवार ने नामांकन प्रस्तुत किया, जबकि ग्राम पंचायत जाकोपुर (वार्ड 2) से कोई नामांकन प्राप्त नहीं हुआ। वहीं ब्लॉक तिगांव में ग्राम पंचायत सहूपुरा खादर से सरपंच पद हेतु 08 पुरुष उम्मीदवारों ने नामांकन किया तथा ग्राम पंचायत फतूपुरा (वार्ड 2) से 01 महिला उम्मीदवार ने पंच पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें और निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने में सहयोग दें।

सालावास रेलवे फाटक के पास सड़क़ हादसे में युवक की मौत

लोक तंत्र की शान , जोधपुर। शहर के सालावास क्षेत्र में रेलवे फाटक के पास सोमवार सुबह सडक़ हादसे में युवक की मौत हो गई। हादसा किसी वाहन के कारण हुआ अथवा उसकी गाड़ी स्लीप हुई इस बारे में पुलिस पता लगाने का प्रयास कर रही है। मौके पर किसी अन्य दुर्घटनाग्रस्त वाहन का पता नहीं चला है। सीसीटीवी फुटेज देखे जा रहे है। विवेक विहार थानाधिकारी दिलीप खदाव ने बताया कि रोहिचा कला निवासी कमलेश आज सुबह अपनी बाइक से सालावास रेलवे फाटक के पास सडक़ से निकल रहा था। तब सडक़ हादसे में उसकी मौत हो गई। उसकी बाइक स्लीप हुई अथवा किसी वाहन की टक्कर से हादसा हुआ इसका पता लगाया जा रहा है। दुर्घटनाग्रस्त किसी अन्य का पता वहां नहीं चला है। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज से हादसे का पता लगाने का प्रयास कर रही है। शव को कार्रवाई के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

साहित्यकार देश की पहचान : करनाल में सजी "शाम-ए-ग़ज़ल", साहित्यकारों ने बिखेरा शब्दों का जादू

लोकतंत्र की शान, राजेन्द्र करनाल की रिपोर्ट

शाम -ए -ग़ज़ल साहित्यिक कार्यक्रम होटल थ्रोसं अल्फा सिटी करनाल में आयोजित किया गया,जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुभाष सैनी ने की, मुख्य अतिथि डॉ. यजुवेंद्र सिंह मैहला रहे, विशिष्ट अतिथि डॉ. पारूल मैहला रही। इस अवसर पर साहित्यकार डॉ. सुभाष सैनी की बारहवीं पुस्तक हिन्दी लघुकथा विश्लेषण एवं मूल्यांकन का विमोचन मुख्य अतिथि व उपस्थित साहित्यकारों द्वारा किया गया। इससे पहले भी साहित्यकार डॉ. सुभाष सैनी की अलग-अलग विधाओं में ग्यारह पुस्तकें प्रकाशित है। काव्य की शुरुआत करते हुए कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. सुभाष सैनी ने कहा, जिन्दगी इक हादसा है आजकल, सांस लेना भी भी सजा है आजकल, मुख्य अतिथि डॉ.यजुवेंद्र सिंह मैहला ने कहा कि इस प्रकार के साहित्यिक कार्यक्रम समाज में आपसी भाईचारे की चेतना को जगाने का कार्य करते हैं, विशिष्ट अतिथि डॉ. पारूल मैहला ने कहा युवा पीढ़ी में अच्छे संस्कार साहित्य के माध्यम से ही आ सकते, कार्यक्रम में पहुंचे अंतराष्ट्रीय युवा शायर तनवीर फिरोजाबादी ने कहा क्यों पूछते हो आप मेरा कैसा हाल है,मर मर के जी रहा हूं ये मेरा कमाल है, संस्था अध्यक्ष व कार्यक्रम संयोजिका कवयित्री पूनम गोयल ने कहा प्यास अधरों की हो तो संभल जायेगी, प्यास नैनों की बुझना बड़ी बात है,कवि दलीप खरेरा ने कहा नाम तुम्हारे लिखी वसीयत,अमानत तुम्हारी तुम्हीं संभालो,पितृ ऋण से मुक्त करा कर, तुम बस पुत्र धर्म निभालो, शायर इक़बाल पानीपती ने कहा दे उन्हें दो चार हल्के से थपेड़े मुफ़लिसी,जो मेरी फ़ाका कशी पर मुस्कराए रात भर, संस्था संस्थापक रामेश्वर देव ने कहा हैरान हूं संसार का ये हाल देख कर,बदली हुई इंसान की मैं चाल देख कर, कवि डॉ.आर बी कपूर ने कहा कल तंग आकर मैंने घर की क्यारी में अहसास बो दिये, कमबख्त मिलते नहीं थे जब लिखने बैठता था,कवि प्रेम पाल सागर ने कहा बुझाती हैं मशालें क्यों अभी तो रात बाकी है, सम्भल के चलना कांटों के अभी जंग लात बाकी है, कवि गुरमुख सिंह वड़ैच ने कहा चन्द लम्हे हैं चलो हंस कर बिता लें,जाने कल जिन्दगी का क्या फैसला होगा, शायर हरबंस पथिक ने कहा जंग का ऐलान कर दिया, मौत का सामान कर दिया,शायरा सुमन मुस्कान ने कहा है तुम्हें किस बात का इतना गुमां अ आसमां, हमने तबीयत से अभी पत्थर उछाला है कहां,कवि नरेश लाभ ने कहा जल संरक्षित कीजिए,यही सभी की आस ,जीव जगत की बुझ सके,आकुल प्याकुल प्यास, कवयित्री सुषमा चौपड़ा ने कहा गुलाब हूं मैं बस इश्क जानता हूं, कांटों में भी खिल-खिलाना जानता हूं,शायरा नूर शम्श इलाहाबादी ने कहा प्यार क्या जताएं हम , नफरतों के घेरे हैं,आबरू बचे कैसे,घर में ही लुटेरे हैं, कवयित्री रोजलीन ने कहा बादलों की उड़ान कश्ती पर,तुम बैठकर आते हो मेरे पास, कवयित्री डॉ हर्ष सेठी ने कहा धूप भी है छांव भी है,राह में बदलाव भी है, कवयित्री अनुजा कपूर ने कहा कभी आंसू कभी सजदे,कभी हाथों का उठ जाना, इंसान जब टूट जाता है,तो रब बहुत याद आता है,शायर अशोक मलंग ने कहा किस पर करें यकीन जमाने में आजकल, ईमान है न दीन, जमाने में आजकल,कवि सिमरनजीत सिंह ने कहा आखाँ विच सारा जहान सांभी,बिन बोले ही सब कुछ केहंदी हैं, कार्यक्रम में राजपाल राजन,रमेश कुमार ने भी रचनाएं प्रस्तुत की। इस अवसर पर संस्था की ओर से कार्यक्रम अध्यक्ष, मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि को बुक्के ,स्मृति चिह्न व शाल भेंट कर सम्मानित किया गया। उपस्थित सभी ने संस्था संरक्षक वरिष्ठ शायर डॉ. एस के शर्मा के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की,कार्यक्रम में गोपाल दास, नीना अग्रवाल, ईश्वर सिंह, शीला रानी,संजीव कुमार, नवीन कुमार, कमल कुमार,देव ने अपनी प्रतिभाओं का संदेश दिया

गांधी ग्राम में जन चौपाल का आयोजन, समस्याओं की सुनवाई के साथ लोगों को किया गया जागरूक

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। थाना जमोड़ी अंतर्गत ग्राम गांधी ग्राम में पुलिस विभाग द्वारा जन चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उत्साहपूर्वक शामिल हुए। इस जन चौपाल का मुख्य उद्देश्य आमजन की समस्याओं को सीधे सुनना तथा उनके त्वरित निराकरण के लिए सकारात्मक पहल करना रहा। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने बिजली, पानी, सड़क, सुरक्षा एवं अन्य दैनिक जीवन से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं, जिन्हें गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर समाधान कराने का आश्वासन दिया गया। जन चौपाल के माध्यम से लोगों को साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों के प्रति जागरूक किया गया। उन्हें बताया गया कि अनजान कॉल, लिंक या मैसेज से सावधान रहें और किसी भी प्रकार की बैंकिंग जानकारी साझा न करें। साथ ही महिला अपराधों की रोकथाम को लेकर भी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई और महिलाओं को अपने अधिकारों एवं सुरक्षा उपायों के प्रति सचेत रहने के लिए प्रेरित किया गया। विभिन्न आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी विस्तार से साझा की गई, जिससे जरूरत पड़ने पर लोग तुरंत सहायता प्राप्त कर सकें। इस दौरान ग्रामीणों ने मांग उठाई कि क्षेत्र में एक ऐसा स्कूल एवं अस्पताल बनाया जाए, जिसका नाम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. श्री बंका बैगा के नाम पर रखा जाए, जिससे आने वाली पीढ़ियों को उनके योगदान की जानकारी मिल सके और क्षेत्र में शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हो। कार्यक्रम के समापन अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. श्री बंका बैगा के पुत्र राज बहादुर बैगा को सम्मानित किया गया। इस दौरान थाना प्रभारी दिव्य प्रकाश त्रिपाठी, उपनिरीक्षक वर्षा यादव, वरिष्ठ आरक्षक केपी सिंह एवं आरक्षक कृति त्रिपाठी सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे। अंत में सभी उपस्थित ग्रामीणों का मुंह मीठा कराकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

लापरवाही पर गिरी गाज, तीन सस्पेंड

लोकतंत्र की शान

(बरेली संदीप चन्द्र उत्तर प्रदेश)बरेली –: एसएसपी अनुराग आर्य ने महिला अपराध के मामले में लापरवाही बरतने पर बड़ी कार्रवाई की है। सीबीगंज थाने के दो उपनिरीक्षकों और एक मुख्य आरक्षी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं।बरेली। महिला अपराधों के मामलों में संवेदनहीनता और लापरवाही पर पुलिस में अब सख्त रुख अपनाया जा रहा है। एसएसपी अनुराग आर्य ने दुष्कर्म से जुड़े एक मामले में गंभीर अनियमितताओं को संज्ञान में लेते हुए दो उपनिरीक्षक और एक मुख्य आरक्षी को निलंबित कर दिया। इस कार्रवाई ने स्पष्ट कर दिया है कि कानून के अनुपालन में किसी भी प्रकार की ढिलाई अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रकरण थाना सीबीगंज में आठ दिसंबर 2023 को दर्ज शिकायत से संबंधित है। पीड़िता ने अपने साथ शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण किए जाने का आरोप लगाया था। आरोप है कि एफआईआर दर्ज करते समय मामले की गंभीरता के अनुरूप धाराएं नहीं लगाई गईं। उस समय एफआईआर लेखक रहे मुख्य आरक्षी प्रवीण कुमार पर यह जिम्मेदारी थी, लेकिन उन्होंने आवश्यक कानूनी प्रावधानों को नजरअंदाज किया। वहीं, विवेचना की जिम्मेदारी संभाल रहे उपनिरीक्षक रत्नेश कुमार और सचिन चौधरी पर भी जांच में लापरवाही के आरोप सिद्ध हुए। बताया गया कि दोनों अधिकारियों ने मामले को अपेक्षित गंभीरता से नहीं लिया और आवश्यक धाराओं को जोड़ने तथा साक्ष्यों को मजबूत करने में ढिलाई बरती। एसएसपी अनुरागआर्य ने मामले की गहन जांच कराई, जिसमें प्रारंभिक स्तर पर ही पुलिस कार्रवाई में गंभीर खामियां सामने आईं। रिपोर्ट मिलते ही उन्होंने त्वरित और निर्णायक कदम उठाते हुए तीनों पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया। साथ ही, विभागीय जांच के आदेश जारी कर दिए गए हैं, ताकि जिम्मेदारी तय कर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। एसएसपी ने स्पष्ट कहा कि महिला उत्पीड़न से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीर कदाचार माना जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे मामलों में तत्परता, संवेदनशीलता और विधिक प्रावधानों का शत प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाए। अनुराग आर्य की इस कार्रवाई को पुलिसिंग में जवाबदेही और पारदर्शिता स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे यह संदेश गया है कि कानून व्यवस्था के साथ समझौता करने वाले किसी भी स्तर के कर्मी को संरक्षण नहीं मिलेगा। इस सख्त रुख के बाद पुलिस महकमे में कार्यशैली को लेकर सतर्कता बढ़ी है। स्पष्ट है कि अब जिले पुलिस में जिम्मेदारी तय होगी और लापरवाही पर सीधे कार्रवाई यही एसएसपी अनुराग आर्य की कार्यप्रणाली की पहचान बनती जा रही है।

एमस्ट्राइप्स और एआई से वन्य जीवों की होगी सटीक पहचान

» हाईटेक कैमरे से जंगलों पर रहेगी पैनी नजर

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले में वन्य प्राणियों की सटीक गणना और उनकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए हाईटेक कैमरा ट्रैपिंग तकनीकि का उपयोग शुरू किया जा रहा है। इसी तारतम्य में वन मंडल सीधी के बरमबाबा बीट के जंगलों में हाईटेक कैमरे लगाए जा रहे हैं। ये कैमरे बाघ, तेंदुआ समेत अन्य वन्य जीवों की मौजूदगी और उनके मूवमेंट को रिकार्ड करेंगे। कैमरा ट्रैपिंग आधारित तकनीक से वन्य जीवों पर जहां पैनी नजर रखी जाएगी वहीं उनकी गतिविधियों और मौजूदगी की जानकारी भी हांसिल की जाएगी। दरअसल कैमरा ट्रैपिंग एक वैज्ञानिक तकनीक है जो मोशन सेंसर सिस्टम पर आधारित होती है। यदि हाईटेक कैमरे के सामने से कोई जंगली जानवर गुजरता है तो उसकी तस्वीर कैप्चर कर ली जाती है। वन विभाग के जंगल को छोटे-छोटे ग्रिड में विभाजित कर प्रत्येक एक-दो वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में कैमरों की जोड़ी लगाई जा रही है। ये हाईटेक कैमरे करीब 30 से 45 दिन तक सक्रिय रहेंगे। यह तकनीक बाघों की पहचान के लिए बेहद कारगर मानी जाती है। बाघों के शरीर पर बनी धारियां इंसानों के फिंगर प्रिंट की तरह अद्वितीय होती हैं। इन तस्वीरों का विष्लेषण कर बाघों की सटीक संख्या का आंकलन किया जाता है। अब एमस्ट्राइप्स ऐप और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से डेटा प्रोसेसिंग को और अधिक तेज और विश्वसनीय बनाया जा रहा है। एआई की मदद से डेटा प्रोसेसिंग को ज्यादा विश्वसनीय बनाने के लिए विशेष हाइटेक कैमरों की जंगल में अलग-अलग स्थानों में लगाया जा रहा है।

इनका कहना है। वन मंडल सीधी के बरमबाबा बीट के जंगल में हाईटेक कैमरे लगाए जा रहे हैं। 5 दिनों से इनको लगाने का कार्य किया जा रहा है। इस अभियान में संजय टाईगर रिजर्व की टीम, क्षेत्रीय वन समिति के अध्यक्ष और अन्य सहयोगी शामिल हैं। सभी वन विभाग के साथ मिलकर इस महत्वपूर्ण कार्य को सफल बनाने में जुटे हुए हैं। पंकज मिश्रा, वनपाल बरमबाबा बीट सीधी।

कैमरा का किया जा रहा परीक्षण

कैमरों को लगाने के बाद इनका परीक्षण भी किया जा रहा है कि इनकी रिकार्डिंग क्षमता और स्पष्ट तस्वीर कितने मीटर दूर तक से आ सकती है। वन टीम द्वारा बरमबाबा बीट के जंगलों से इसकी शुरुआत की गई है। आने वाले समय में सीधी जिले के अन्य जंगलों में भी उक्त हाइटेक कैमरों को लगाया जाएगा। हाइटेक कैमरों के लगने से संबंधित जंगलों के बीट अमले को भी काफी राहत मिलेगी। बीट में वन्य जीवों की गतिविधियों के साथ ही अन्य अवांछनीय गतिविधियों की जानकारी भी अब पुख्ता रूप से सामने आएगी। जरूरत इस बात की है कि लगाए जा रहे हाइटेक कैमरों की मानीटरिंग का कार्य नियमित रूप से किया जाए। मानीटरिंग के दौरान बड़े अधिकारियों की उपस्थिति रहनी चाहिए। जिससे जंगलों में वन्य जीवों के साथ ही वहां होने वाली अन्य गतिविधियों की जानकारी भी समय-समय पर मिलती है। यदि मानीटरिंग की जिम्मेदारी छोटे कर्मचारियों तक ही सीमित रही तो इसका विशेष लाभ वन मंडल को नहीं मिलेगा। बाद में कैमरों के बिगडऩे का सिलसिला भी शुरू हो जाएगा। जिससे रिकार्डेड जानकारी सामने न आ सके।

सांसद ने जिला चिकित्सालय का किया निरीक्षण

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। संसदीय क्षेत्र सीधी के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने मंगलवार को जिला चिकित्सालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में साफ-सफाई एवं मरीजों को बेहतर उपचार सुनिश्चित करने को लेकर उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में गुणवत्ता और व्यवस्था बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है, ताकि आमजन को समय पर बेहतर उपचार मिल सके। इस अवसर पर डॉ. देवेंद्र त्रिपाठी, मनोज सिंह, अमित प्रधान सहित प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

सर्वाइकल कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी बचाव के लिए एचपीवी लड़कियों के लिए अनिवार्य, अफवाहों पर ध्यान न दें: डीसी

लोकतंत्र की शान, राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट

» एचपीवी टीकाकरण से संबंधी भ्रांतियों को चिकित्सक करें दूरः डीसी

» महिला शिक्षक अभिभावकों व छात्राओं को एचपीवी लगवाने के लिए करें प्रेरित : डीसी

» सर्वाइकल कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से कैसे बचें,, डीसी आनंद कुमार शर्मा

करनाल। डीसी डा. आनंद कुमार शर्मा ने सर्वाइकल कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी बचाव के लिए एचपीवी लड़कियों के लिए अनिवार्य है। एचपीवी को लेकर छात्राएं एवं उनके अभिभावक अफवाहों पर ध्यान न दें। यह टीकाकरण सुरक्षित है और इसका लड़कियों के स्वास्थ्य पर कोई साइड इफेक्ट नहीं पड़ता। सरकार द्वारा लड़कियों के बेहतरीन स्वास्थ्य के लिए एचपीवी टीकाकरण निःशुल्क लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लड़किया हमारे देश का भविष्य है, इनको स्वास्थ्य व सुरक्षित रखना प्रशासन के साथ-साथ समाज की भी जिम्मेदारी है। डीसी डा. आनंद कुमार शर्मा ने अपने प्रस्तावित कार्यक्रम दौरे के दौरान सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान को जन आंदोलन बनाने के उद्देश्य से राजकीय कन्या मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रेलवे रोड करनाल, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रेम नगर में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की ओर से 14 व 15 वर्ष की आयु की लड़कियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान की गति को तेज किया जाए और लक्षित शत प्रतिशत लड़कियों का टीकाकरण करवाया जाए। उन्होंने कहा कि एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम की महत्वता को समझें और सरकार द्वारा लगाए जा रहे निशुल्क टीकाकरण का लाभ उठाएं और अपने बच्चीयों के भविष्य को सुरक्षित रखें। उन्होंने कार्यवाहक सीएमओ को निर्देश दिए कि एचपीवी टीकाकरण की भ्रांतियों को करें दूर, सकारात्मक परिणामों के बारे में आमजन को जानकारी दें। अगर कहीं पर कोई दिक्कत सामने आ रही है इस बारे प्रशासन को अवगत करवाएं। जिला प्रशासन द्वारा उसका समाधान के लिए पूरा सहयोग देगा। सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण इस कार्य में 14 व 15 वर्ष की आयु वर्ग की लड़कियों के लिए अनिवार्य। इस आयु वर्ग की लड़कियों को जब ये टीकाकरण हो जाएगा तो वे इस घातक बीमारी से बच सकेंगी। यह जन हित और देश हित में है। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्कूलों में आईसीई गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए माइक्रो प्लान बनाकर कार्य करें और विशेष जागरूकता शिविर लगाए जाएं। इन शिविरों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को शामिल करें। कार्यक्रम में नगराधीश मोनिका शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षण संस्थाओं के मुखिया व अन्य शिक्षक, विशेषकर महिला शिक्षक छात्राओं व उनके अभिभावकों को एचपीवी टीकाकरण के महत्व के बारे में जागरूक करें और बताए कि सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण 14 व 15 वर्ष की आयु वर्ग की लड़कियों के लिए अनिवार्य हैं। इस अभियान के सफल आयोजन के लिए प्रशासन को अपना सहयोग दें। कार्यक्रम में कार्यवाहक सीएमओ शशि गर्ग, डा. अभय अग्रवाल, जिला शिक्षा अधिकारी ने भी छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को संबोधित किया और एचपीवी टीकाकरण करवाने के फायदे बताए। इस अवसर पर एसडीएम करनाल देवेंद्र शर्मा, स्कूल प्रिंसिपल महेंद्र सिंह, प्रिंसिपल संदीप कौर, शिक्षक, एनएम भी मौजूद रही।

सवाईकल कैंसर से पीडित आशा वर्कर रीटा ने एचपीवी टीकाकरण के महत्व बारे किए विचार सांझा

कार्यक्रम में डीसी डा. आनंद कुमार शर्मा की उपस्थिति में सवाईकल कैंसर से पीडित आशा वर्कर रीटा ने एचपीवी टीकाकरण के महत्व बारे विचार सांझा किए और छात्राओं व उनके अभिभावकों से अपील की कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं के लिए जान लेवा व खतरनाक बीमारी है। जब यह बीमारी हो जाती है तो महिला को बहुत ही ज्यादा परेशानी व पीड़ा का सामना करना पड़ता है। इसलिए मैंने सबसे पहले निजी खर्चे पर अपनी बेटी को एचपीवी का टीकाकरण करवाया था। उन्होंने कहा कि आज भारत सरकार ने बेटियों के स्वास्थ्य व उज्जवल भविष्य सुरक्षित रखने के लिए 14-15 वर्ष की लड़कियों को एचपीवी का टीका निःशुल्क लगाया जा रहा है। माता-बहने अपनी-अपनी उक्त आयु वर्ग की बेटियों को यह टीकाकरण अवश्य करवाएं। इस पर महिला व लड़कियों के स्वास्थ्य पर किसी प्रकार को कोई दुष्प्रभाव नही पड़ता है। सरकार की इस मिशन का लाभ उठाने के लिए ज्यादा से ज्यादा अभिभावक व छात्राएं आगे आए।

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा का युवक अमेरिका में जिंदा जला

करनाल। हरियाणा के एक युवक की अमेरिका के टेक्सास शहर में फूड स्टोर में लगी आग में जिंदा जलकर मौत हो गई। इस हादसे में पंजाब के मोहाली निवासी स्टोर मालिक विक्रांत की भी मौत हो गई। जिस समय आग लगी, उस वक्त युवक और स्टोर मालिक दोनों अंदर सो रहे थे। टेक्सास पुलिस के अनुसार, आग इतनी तेजी से फैली कि दोनों को बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला। जब तक आग पर काबू पाया गया, तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी और पूरा स्टोर भी जलकर खाक हो गया। हालांकि, आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। मृतक की पहचान करनाल के गंगाटेहड़ी गांव निवासी सुखविंद्र सिंह (22) के रूप में हुई है। वह परिवार का इकलौता बेटा था। परिजनों ने करीब 50 लाख रुपए खर्च कर उसे डंकी रूट के जरिए अमेरिका भेजा था। चार साल पहले अमेरिका गया : गांव गंगाटेहड़ी निवासी शीशपाल ने बताया कि उसका बेटा सुखविंद्र करीब चार साल पहले डंकी रूट के जरिए अमेरिका गया था। सुखविंद्र ने 12वीं तक पढ़ाई की थी। परिवार ने उसे विदेश भेजने के लिए करीब 50 लाख रुपए खर्च किए थे। कई महीनों की मशक्कत के बाद वह अमेरिका पहुंचा था और टेक्सास शहर के फूड स्टोर में काम करने लगा था। स्टोर में ही करता था काम और वहीं सोता था : सुखविंद्र सिंह जिस स्टोर में काम करता था, वह स्टोर पंजाब के मोहाली के रहने वाले विक्रांत का था। विक्रांत के पास दो बच्चे है और वह अमेरिका में पीआर हो चुका था। काम खत्म करने के बाद वह वहीं सो जाता था। भारतीय समय के अनुसार 26 अप्रैल की सुबह सुखविंद्र और स्टोर मालिक दोनों काम के बाद स्टोर में सोए हुए थे। इसी दौरान अचानक आग लग गई और दोनों अंदर ही फंस गए।

नेपाल सरकार ने दो अध्यादेश जारी करने के लिए राष्ट्रपति से की सिफारिश

काठमांडू। नेपाल सरकार ने दो अलग-अलग अध्यादेश जारी करने के लिए राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल के समक्ष सिफारिश की है। सोमवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक के निर्णय के तहत आज मंगलवार को सरकार ने राष्ट्रपति के समक्ष सहकारी और संवैधानिक परिषद से जुड़े दो अध्यादेश जारी करने की सिफारिश भेजी। राष्ट्रपति के प्रेस सलाहकार किरण पोखरेल ने कहा कि मंत्रिपरिषद से दो अध्यादेश सिफारिश होकर आए हैं। यहां उनका अध्ययन किया जा रहा है।" दोनों अध्यादेश आज ही राष्ट्रपति कार्यालय शीतल निवास पहुंचाए गए हैं। इससे पहले, 21 अप्रैल को हुई मंत्रिपरिषद बैठक ने संसद सत्र बुलाने के लिए राष्ट्रपति के समक्ष सिफारिश की थी। उसी सिफारिश के आधार पर राष्ट्रपति ने 4 मई के लिए संसद अधिवेशन बुलाया था। हालांकि, बाद में सरकार ने फिर 23 अप्रैल को संसद सत्र स्थगित करने की सिफारिश राष्ट्रपति के समक्ष की थी। सरकार की सिफारिश के अनुसार राष्ट्रपति ने अधिवेशन स्थगित कर दिया था। प्रतिनिधि सभा का अधिवेशन बुलाकर फिर स्थगित करने के बाद सरकार ने अब संवैधानिक परिषद में नियुक्तियों का रास्ता खोलने के लिए अध्यादेश लाने की सिफारिश की है। संवैधानिक नियुक्तियों की सिफारिश करने वाली संवैधानिक परिषद में कुल छह सदस्यों की व्यवस्था है। इस परिषद में प्रधानमंत्री, प्रतिनिधि सभा के सभामुख, राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष, उपसभामुख, प्रधान न्यायाधीश और विपक्षी दल के नेता सदस्य होते हैं।सोमवार को ही प्रमुख प्रतिपक्षी दल नेपाली कांग्रेस ने प्रतिनिधि सभा में अपने संसदीय दल का नेता चुना। पार्टी ने भीष्मराज अंदाबे को दल का नेता चुना, जिसके साथ ही संवैधानिक परिषद अब पूर्ण हो गई है।

बांग्लादेश के दो और हज यात्रियों की सऊदी अरब में मौत

ढाका। सऊदी अरब में बांग्लादेश के दो और हज यात्रियों की मौत हो गई। हज बुलेटिन के अनुसार 17 अप्रैल को हज उड़ानें शुरू होने से 27 अप्रैल तक सऊदी अरब में बांग्लादेश के छह हज यात्रियों की जान जा चुकी है। सोमवार तक 92 उड़ानों से बांग्लादेश के कुल 36,996 यात्री सऊदी अरब पहुंचे। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार हज यात्रियों की मौत की सूचना बुलेटिन में दी गई है। इसमें जानकारी दी गई है कि अब तक 3,284 यात्री सरकारी व्यवस्था के तहत सऊदी अरब पहुंचे हैं। 33,712 यात्री निजी एजेंसियों के माध्यम से गए हैं। अब तक 40 उड़ानें बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस, 34 सऊदी एयरलाइंस और 18 फ्लाईनास ने संचालित की हैं। बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस ने 16,587, सऊदी एयरलाइंस ने 12,860 और फ्लाईनास ने 7,549 यात्रियों को सऊदी अरब पहुंचाया है। हज बुलेटिन ने इस बात की भी पुष्टि की कि सभी छह यात्रियों की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई है। सरकारी प्रवक्ता के अनुसार इस साल बांग्लादेश से कुल 78,500 लोगों को हज करने की अनुमति दी गई है। 660 एजेंसियां निजी प्रबंधन के तहत हज से जुड़े कामों को संभाल रही हैं। इनमें 30 मुख्य एजेंसियां हैं। ढाका स्थित सऊदी दूतावास 78,297 वीजा जारी कर चुका है। चांद दिखने के आधार पर सऊदी अरब में पवित्र हज 26 मई को होने की उम्मीद है।

धर्म पूछा, कलमा पढ़ने को कहा, फिर चाकुओं से गोदा

मुंबई। मुंबई के मीरा रोड स्थित नया नगर इलाके में एक युवक ने दो सिक्योरिटी गाड्र्स से उनका धर्म पूछने के बाद चाकू से हमला कर दिया। आरोपी की पहचान 31 साल के जैब जुबेर अंसारी के रूप में की गई है। घटना सोमवार सुबह करीब 4 बजे हुई। पुलिस के अनुसार, एक अंडर कंस्ट्रक्शन बिल्डिंग के पास दो सिक्योरिटी गार्ड, राजकुमार मिश्रा और सुब्रतो रमेश सेन ड्यूटी पर तैनात थे। आरोपी पहले इलाके में आया और मस्जिद का रास्ता पूछा। कुछ समय बाद वह दोबारा लौटा। उसने एक गार्ड से धर्म पूछने के बाद अचानक चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद वह केबिन में घुसा और दूसरे गार्ड से कलमा पढ़ने को कहा। जब गार्ड ऐसा नहीं कर पाया, तो उस पर भी हमला कर दिया गया। दोनों घायल गार्डों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। महाराष्ट्र ATS ने उसके घर से ISIS से जुड़े नोट्स, एक लैपटॉप और कुरान की 3 कॉपियां बरामद की हैं। बताया जा रहा है कि आरोपी ने हमला अकेले प्लान किया था। घटना के करीब डेढ़ घंटे भीतर ही नया नगर पुलिस ने CCTV फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसे ठाणे की अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 4 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। ATS ने बताया कि आरोपी साइंस ग्रेजुएट है और वह 2000 से 2020 तक अपने माता-पिता के साथ अमेरिका में रहा था। अमेरिका में नौकरी नहीं मिलने के कारण वह 2020 में भारत लौट आया। वह 2022 से मीरा रोड स्थित स्मिता रीजेंसी बिल्डिंग में अकेले रहकर ऑनलाइन केमिस्ट्री की कोचिंग देता था।

रेल मार्गों व सार्वजनिक स्थानों पर धमाकों से आतंक फैलाना चाहते थे कट्टरपंथी

चंडीगढ़। डीआईजी कुलदीप सिंह चाहल ने बताया कि शंभू रेलवे ट्रैक पर हुए धमाका मामले में पकड़े गए चार कट्टरपंथियों से पूछताछ के आधार पर इस मॉड्यूल का मुख्य सरगना परदीप सिंह खालसा है, जो खालिस्तानी विचारधारा से प्रभावित होकर 'चलदा वहीर चक्रवर्ती, अटारिए' नामक संगठन चला रहा था। वह मलेशिया स्थित खालिस्तानी उग्रवादी समूहों और पाकिस्तान में बैठे हैंडलरों के संपर्क में था। इनका मकसद पंजाब में आतंकी घटनाओं को अंजाम देकर शांति भंग करना और दहशत का माहौल पैदा करना था, जिसके लिए पाकिस्तान स्थित हैंडलरों द्वारा इन्हें भारी मात्रा में विस्फोटक और हथियार मुहैया कराए गए थे। डीआईजी ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मॉड्यूल का सरगना परदीप सिंह खालसा अपने साथियों के साथ पंजाब के प्रमुख रेलवे मार्गों और सार्वजनिक स्थानों पर बम धमाके कर राज्य में उग्रवाद को पुनर्जीवित करना चाहता है। इस संबंध में थाना कोतवाली पटियाला में मामला दर्ज किया गया है। डीआईजी ने बताया कि पुलिस टीमों ने परदीप सिंह खालसा, कुलविंदर सिंह बग्गा, सतनाम सिंह सत्ता और गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी को आज बड़ी नदी बांध रोड के पास कूड़े के ढेर के निकट से गिरफ्तार किया और उनके पास से हथियार व गोला-बारूद बरामद किया। डीआईजी ने कहा कि आरोपियों से गहन पूछताछ जारी है। उन्हें अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड लिया जाएगा, ताकि विदेशों में बैठे खालिस्तानी समर्थकों से उनके संबंधों और विदेशी फंडिंग की गहराई से जांच की जा सके।

ट्रम्प का दबाव नहीं सहेंगेः ईरान

एजेंसी, तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

♦ अमेरिका अब दूसरे देशों पर फैसले थोपने की स्थिति में नहीं, दावा- ईरान होर्मुज खोलने को तैयार

ईरान ने मंगलवार को कहा कि अब अमेरिका उस स्थिति में नहीं है कि वह दूसरे देशों को बताए कि उन्हें क्या करना चाहिए। ईरान के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रेजा तलाएई-निक ने सरकारी टीवी से कहा कि वे ट्रम्प का दबाव नहीं सहन करेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका को अपनी गलत मांगों को छोड़ना ही होगा।यह बयान उस समय आया है जब अमेरिका, होर्मुज को खोलने से जुड़े ईरान के नए प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। अमेरिका, ईरान और इजराइल के बीच फिलहाल युद्धविराम लागू है, लेकिन इस संघर्ष को पूरी तरह खत्म करने के लिए जो बातचीत चल रही है, उसमें अभी तक कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। इस बीच ईरान पहली बार होर्मुज खोलने को तैयार हो गया है। ईरान ने अमेरिका से समुद्री नाकेबंदी हटाने की भी अपील की है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने तीन ईरानी अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी है। हालांकि ट्रम्प इस प्रस्ताव को मानने को तैयार नहीं हैं। CNN के मुताबिक ट्रम्प सरकार का मानना है कि अगर बिना परमाणु कार्यक्रम का मामला सुलझाए बिना होर्मुज खोला, तो बातचीत में अमेरिकी पक्ष कमजोर हो जाएगा। इसलिए दोनों का हल एक साथ ही निकाला जाना चाहिए।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर फंसा पेंचः ट्रम्प ने दो दिन में दूसरी बार ईरान का प्रस्ताव ठुकराया है। दरअसल, पिछले कई हफ्तों से ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान के जरिए प्रस्तावों का आदान-प्रदान हो रहा है, लेकिन परमाणु कार्यक्रम से जुड़े अहम मुद्दों पर अब तक सहमति नहीं बन सकी है। अमेरिका की मांग थी कि ईरान 20 साल तक अपना परमाणु कार्यक्रम रोक दे और अपने पास मौजूद 440 किलो समृद्ध यूरेनियम सौंप दे। ईरान ने इन मांगों को बहुत ज्यादा और अनुचित बताते हुए मानने से इनकार कर दिया था।

बाकी आधा रूस को दे दिया जाएगाः ईरान ने 26 अप्रैल को यह प्रस्ताव दिया था, जिसे ट्रम्प ने ठुकरा दिया था। इसके बाद ईरान ने अपनी रणनीति बदलते हुए कहा कि अभी कठिन मुद्दों को अलग रखा जाए। पहले युद्ध खत्म करने से जुड़े कदम उठाए जाएं, जैसे होर्मुज को खोलना और नाकेबंदी हटाना, और बाद में परमाणु कार्यक्रम जैसे जटिल मुद्दों पर बातचीत की जाए, जिसे 27 अप्रैल को एक बार फिर से ट्रम्प ने ठुकरा दिया।

महिला कर्मचारी पर धर्म और नाम बदलने का दबाव

एजेंसी, नई दिल्ली

♦ दस्तावेज छीने, मलेशिया भेजने की योजना थी, नासिक टीसीएस केस में मुख्य आरोपी अब भी फरार

नासिक के TCS उत्पीड़न मामले में मुख्य आरोपी निदा खान ने महिला कर्मचारी पर धर्म परिवर्तन और नाम बदलकर 'हानिया' रखने का दबाव बनाया था। इसके लिए पीड़िता को बुर्का और इस्लामिक किताबें दी थीं, जिन्हें पुलिस ने जब्त कर लिया है। पुलिस की जांच में यह दावा किया गया है। पीड़िता के मोबाइल में ऐसे ऐप्स भी इंस्टॉल कराए गए जिससे उसे धर्म परिवर्तन के लिए उकसाया जा सके। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पीड़िता के शैक्षिक दस्तावेज छीन लिए गए थे और उसे नौकरी के बहाने मलेशिया भेजकर इमरान नामक व्यक्ति के पास काम पर लगाने की भी योजना थी। पुलिस ने कहा है कि निदा खान की तलाश जारी है। निदा ने दो महीने की प्रेग्नेंसी का हवाला देकर अग्रिम जमानत के लिए नासिक सेशन कोर्ट में अर्जी भी दी थी। कोर्ट ने राहत देने से इनकार कर दिया था।

TCS ऑफिस के इस मामले में अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। कंपनी की ज्यादातर पीड़ित मिडिल क्लास परिवारों से हैं। उनकी उम्र 21 से 30 साल के बीच है। वे एसोसिएट लेवल पर काम करती थीं और 20 हजार रुपए महीना सैलरी पाती थीं। पीड़ित महिला इंजीनियर ने 5 आरोपियों पर जून 2025 से मार्च 2026 के बीच लगातार यौन उत्पीड़न, पीछा करने (स्टॉकिंग) और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप लगाए हैं। उसने कहा कि एक आरोपी ने हिंदू देवी-देवताओं पर अपमानजनक टिप्पणी की।

सुप्रीम कोर्ट में वकील बोले- मस्जिद सभी के लिए खुली

इसका मतलब यह नहीं कि वहां पूजा करने लगें

एजेंसी, नई दिल्ली

केरलम के सबरीमाला मंदिर सहित अन्य संप्रदायों के धार्मिक स्थलों में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। आज सुनवाई का 9वां दिन है। मस्जिद दरगाह में महिलाओं के प्रवेश के खिलाफ दलील दे रहे एडवोकेट निजाम पाशा ने कहा कि कोई व्यक्ति हिजाब को धार्मिक रूप से अनिवार्य मान सकता है, लेकिन स्कूल के नियम अलग हो सकते हैं। मतलब धार्मिक विश्वास हमेशा संस्थागत नियमों से ऊपर नहीं होगा।

अगर किसी मोहल्ले की मस्जिद सबके लिए खुली हो तो भी कोई जाकर घंटी नहीं बजा सकता। आरती नहीं कर सकता, क्योंकि उस जगह की अपनी धार्मिक मर्यादा है। कुरान बहुत संक्षिप्त है। उसमें हर प्रथा डिटेल में नहीं लिखी। पैगंबर की परंपरा भी धार्मिक प्रथा का हिस्सा है। मतलब सिर्फ किताब में लिखा होना ही 'जरूरी अधिकार' तय नहीं करता। 23 अप्रैल को पिछली सुनवाई में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (AIMPLB) ने कोर्ट से कहा था कि इस्लाम महिलाओं को नमाज के लिए मस्जिद आने से नहीं रोकता, लेकिन यह बेहतर है कि वे घर पर ही इबादत करें।

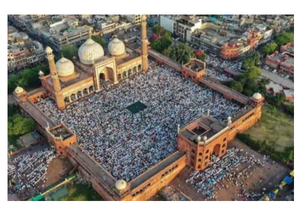

सबरीमाला मंदिर मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू हुई थी। इस दौरान केंद्र सरकार ने महिलाओं की एंट्री के विरोध में दलीलें रखीं। सरकार ने कहा था कि देश के कई देवी मंदिरों में पुरुषों की एंट्री भी बैन है, इसलिए धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

पाकिस्तान का अफगानिस्तान पर मिसाइल अटैक, 7 की मौत, 75 घायल

एजेंसी, काबुल/इस्लामाबाद

❒ 6 पाक सैनिकों की मौत के बाद किया जवाबी हमला

अफगानिस्तान के पूर्वी प्रांत कुनार में सोमवार को हुए हमलों में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 75 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों में यूनिवर्सिटी के छात्र, बच्चे और आम नागरिक शामिल हैं। BBC के मुताबिक स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि राजधानी असदाबाद में घरों के साथ-साथ सैयद जमालुद्दीन अफगानी यूनिवर्सिटी को भी निशाना बनाया गया। तालिबान सरकार के उप प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने आरोप लगाया है कि ये हमले पाकिस्तान की तरफ से किए गए। उनका कहना है कि सोमवार दोपहर करीब 2 बजे शुरू हुए इन हमलों में मोर्टार और रॉकेट दागे गए। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय का कहना है कि यूनिवर्सिटी और रिहायशी इलाकों को निशाना बनाने की खबरें पूरी तरह गलत हैं।

पाकिस्तान के 6 सैनिकों की मौत, एक बंधकः इससे पहले रविवार को अफगानिस्तान के कंधार इलाके में पाकिस्तान के साथ सीमा पर फिर हिंसक झड़प की घटना हुई थी। खामा प्रेस ने सूत्रों के हवाले से दावा किया कि स्पिन बोल्डक इलाके में रात के दौरान दोनों पक्षों के बीच फायरिंग हुई। इसमें पाकिस्तान के छह सैनिक मारे गए। तालिबानी लड़ाके एक सैनिक को बंधक बनाकर ले गए। पाकिस्तानी सैनिकों के हथियार भी लेकर चले गए। हालांकि, इन दावों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि देर रात पाकिस्तान की तरफ से सीमा पार फायरिंग हुई, जिसमें एक स्थानीय बच्चे की मौत हो गई। इसके बाद तालिबान ने जवाबी हमला किया।

मार्च में दोनों देशों के बीच सीजफायर हुआः दोनों देशों के बीच पहले से ही तनाव बना हुआ है। पाकिस्तान ने मार्च में राजधानी काबुल में एक नशा मुक्ति केंद्र पर भी हमला किया था, जिसमें 400 से ज्यादा लोगों की मौत का दावा किया गया था। दोनों देशों के बीच मार्च में एक सीजफायर हुआ था, जिससे कई हफ्तों से चल रही खूनखराबे वाली झड़पें रुकी थीं, लेकिन अब हालात फिर बिगड़ते दिख रहे हैं। चीन के अलावा तुर्किए, कतर, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब भी इस विवाद को खत्म कराने की कोशिश कर चुके हैं।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान में इस साल संघर्ष की शुरुआत 22 फरवरी को हुई थी। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में एयरस्ट्राइक की थी। पाकिस्तान के उप गृह मंत्री तलाल चौधरी ने दावा किया था कि सीमावर्ती इलाकों में TTP के ठिकानों पर कार्रवाई में कम से कम 70 लड़ाके मारे गए। बाद में पाकिस्तानी अखबार डॉन ने यह संख्या 80 तक पहुंचने का दावा किया था। इसके जवाब में अफगानिस्तान ने 27 फरवरी को पाकिस्तान पर हमला किया।

भारतीय जहाज 'सुनयना' सिंगापुर के चांगी नौसैनिक अड्डे पर पहुंचा, समुद्री सहयोग होगा मजबूत

सिंगापुर में भारत की उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अंबुले ने चालक दल से बातचीत की

एजेंसी, नई दिल्ली

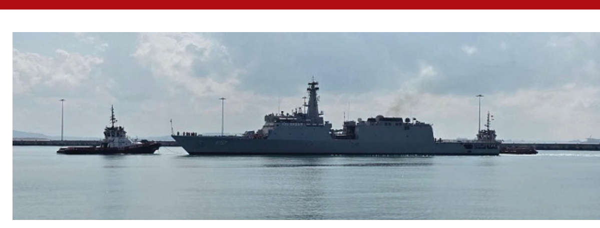

हिंद महासागर पोत आईएनएस सुनयना सिंगापुर के चांगी नौसेना अड्डे पर पहुंच गया है, जहां गर्मजोशी से स्वागत किया गया, जिससे भारत-सिंगापुर के मजबूत समुद्री संबंधों की पुष्टि हुई। यह जहाज 29 अप्रैल को सिंगापुर से रवाना होकर हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सहयोग को मजबूत करने और सामूहिक सुरक्षा को बढ़ावा देने के अपने मिशन को जारी रखेगा। भारतीय जहाज सुनयना को महासागर क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति की परिकल्पना के अंतर्गत तैनात किया गया है। आईओएस सागर तैनाती के दौरान चौथे ठहराव के रूप में सिंगापुर के चांगी नौसेना अड्डे पर रुका है। 16 मित्र विदेशी देशों (एफएफसी) के बहुराष्ट्रीय दल वाला यह पोत हिंद महासागर क्षेत्र में तैनात है और सिंगापुर पहुंचने से पहले माले, फुकेत और जकार्ता में बंदरगाहों पर रुक चुका है।

सिंगापुर में भारत की उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अंबुले ने जहाज पर सवार चालक दल से बातचीत की और सागर विजन के तहत समुद्री साझेदारी को मजबूत करने और अंतर-संचालनीयता को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका की सराहना की। आईएनएस सुनयना के कमान अधिकारी कमांडर सिद्धार्थ चौधरी ने क्रांजी युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और सिंगापुर गणराज्य नौसेना (आरएसएन) के 9वें फ्लोटिला के कमांडर कर्नल चुआह मेंग सून से मुलाकात कर समुद्री सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की।

इस यात्रा के दौरान पोत स्कूली बच्चों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सहित आगंतुकों के लिए खुला रहा, जिससे उन्हें समुद्र में जीवन का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ। चालक दल ने भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों के साथ मिलकर 'एक महासागर, एक मिशन' विषय पर आधारित एक दौड़ में भाग लिया, जिसका उद्देश्य समुद्री जागरूकता और एकता को बढ़ावा देना था। यह जहाज पेशेवर और सामुदायिक स्तर पर कई तरह की बातचीत के माध्यम से राष्ट्रीय नौसेना (आरएसएन) के साथ जुड़ा हुआ है। इस दौरान आईओएस सागर का चालक दल सिंगापुर में आरएसएन के नेविगेशन और डैमेज कंट्रोल सिमुलेटर, सूचना संलयन केंद्र और नौसेना संग्रहालय का दौरा करेगा, जिससे सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा आईओएस सागर पर मौजूद एक थिंक टैंक के कर्मियों के साथ बातचीत, एक संयुक्त योग सत्र और एक औपचारिक डेक रिसेप्शन हितधारकों के साथ जुड़ाव को और मजबूत करेंगे।

दिल्ली में फिक्स्ड कम्पैक्टर ट्रांसफर स्टेशन निर्माण को चुनौती वाली याचिका खारिज

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रीय हरित अधिकरण के प्रधान पीठ ने दिल्ली के बसई दारा पुर क्षेत्र में प्रस्तावित फिक्स्ड कम्पैक्टर ट्रांसफर स्टेशन के निर्माण को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और डॉ. अफरोज़ अहमद की पीठ ने की। याचिकाकर्ता प्रविधान रक्षा फाउंडेशन ने आरोप लगाया था कि पंजाबी बाग (पश्चिम) के गुड्डु वाला मोहल्ला, बसई दारा पुर में स्थापित किया जा रहा एफसीटीएस केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रिया और साइट चयन मानदंडों का उल्लंघन करता है तथा यह घनी आबादी, धार्मिक स्थल और स्कूल के निकट स्थित है। अधिकरण ने पाया कि उपलब्ध रिकॉर्ड और प्रस्तुत साक्ष्यों से साइट चयन मानदंडों के उल्लंघन का कोई ठोस प्रमाण नहीं है।

अधिकरण ने यह भी माना कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए ऐसे ट्रांसफर स्टेशन आवश्यक हैं और संबंधित परियोजना का लगभग 80 प्रतिशत निर्माण कार्य पहले ही पूरा हो चुका है।

अधिकरण ने निर्देश दिया कि एफसीटीएस का संचालन सीपीसीबी की एसओपी के अनुरूप किया जाए तथा दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति यह सुनिश्चित करे कि संचालन में किसी प्रकार का उल्लंघन न हो। साथ ही, अधिकरण ने क्षेत्र में मौजूद एक धलाव (कचरा संग्रहण स्थल) के कुप्रबंधन पर चिंता व्यक्त करते हुए याचिकाकर्ता को अनुमति दी कि वह इस संबंध में साक्ष्यों सहित एक अभ्यावेदन नगर निगम के आयुक्त को प्रस्तुत करे। अधिकरण ने निर्देश दिया कि प्राप्त होने पर संबंधित प्राधिकरण शीघ्र कार्रवाई करते हुए स्थल की सफाई सुनिश्चित करे।

सोनम रघुवंशी को शिलॉन्ग कोर्ट से जमानत मिली

एजेंसी, इंदौर

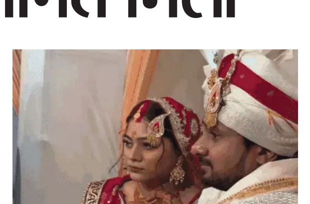

इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी मर्डर केस में आरोपी पत्नी सोनम रघुवंशी को जमानत मिल गई है। सोनम मेघालय के शिलॉन्ग जेल में बंद है। वहीं की कोर्ट ने चौथी सुनवाई के बाद सोनम को राहत दी है। दैनिक भास्कर ने शिलॉन्ग एसपी विवेक स्येम से बात की तो उन्होंने कहा कि कोर्ट ने अपने अधिकार का उपयोग करते हुए जमानत दी है। इधर, इंदौर में राजा के भाई विपिन रघुवंशी ने बताया कि शिलॉन्ग के वकील से उनकी बात हुई है। सोनम को जमानत कल ही मिल चुकी है। हो सकता है आज सोनम को जेल से छोड़ दिया जाए। वहां के डीएसपी दास सर ने भी बताया कि सोनम को जमानत मिल गई है।

जमानत किस आधार पर मिली है? इस सवाल पर उन्होंने बताया कि जिस तरह से उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से उसे उठाया गया था, उस दौरान पुलिस ने नहीं बताया था कि सोनम को क्यों उठाया गया है। इसी आधार पर सोनम के वकील ने तर्क दिए थे। पेशी पर मुझे बुलाया नहीं गया था। राज कुशवाहा की जमानत के लिए अर्जी लगाई गई है। हम लोग हाईकोर्ट में जाएंगे। राजा रघुवंशी मर्डर केस में गिरफ्तार पांच में से अब तक चार आरोपियों को जमानत मिल चुकी है। इनमें सोनम, लोकेंद्र सिंह तोमर, गार्ड बलबीर अहिरवार और शिलोम जेम्स हैं।

श्रमिकों की लू से सुरक्षा के लिए राष्ट्रव्यापी परामर्श जारी

एजेंसी, नई दिल्ली

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय
Ministry of Labour & Employment
भारत सरकार (Government of India)

भीषण गर्मी और लू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को परामर्श जारी करते हुए कर्मियों और श्रमिकों की सुरक्षा के लिए तत्काल निवारक तथा राहत उपाय अपनाने का आग्रह किया है। मंत्रालय ने मुख्य सचिवों और प्रशासकों को भेजे पत्र में कहा है कि विशेष रूप से बाहरी और श्रम-प्रधान क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समन्वित और बहु-आयामी रणनीति अपनाई जाए।

राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिया गया है कि वे नियोक्ताओं, ठेकेदारों, उद्योगों और निर्माण कंपनियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करें। इनमें काम के घंटों का पुनर्निर्धारण, पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना तथा कार्यस्थलों और विश्राम स्थलों को ठंडा रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करना शामिल है। परामर्श में यह भी कहा गया है कि निर्माण स्थलों सहित विभिन्न कार्यस्थलों पर आपातकालीन आइस पैक और गर्मी से बचाव की सामग्री उपलब्ध कराई जाए। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर श्रमिकों के स्वास्थ्य की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए।

कारखानों और खदानों के प्रबंधन को अत्यधिक गर्मी के दौरान कार्य की गति धीमी करने, आवश्यक होने पर दो श्रमिकों की टीम तैनात करने, विश्राम की व्यवस्था करने और कार्यस्थलों को हवादार तथा ठंडा रखने की सलाह दी गई है। मंत्रालय ने निर्माण श्रमिकों, ईंट भट्ठों में काम करने वाले मजदूरों, दिहाड़ी और अस्थायी श्रमिकों पर विशेष ध्यान देने को कहा है। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाने, पोस्टर-बैनर लगाने और लू से बचाव संबंधी संदेश प्रसारित करने पर जोर दिया गया है।राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षण बोर्ड के प्रशिक्षण महानिदेशालय को लू से बचाव और प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने को कहा गया है, जिसमें लू के कारण, लक्षण, बचाव के उपाय, सुरक्षित कार्य पद्धतियां और प्राथमिक उपचार शामिल होंगे।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) और श्रम कल्याण महानिदेशालय के तहत अस्पतालों और औषधालयों को लू से संबंधित मामलों के लिए हेल्प डेस्क स्थापित करने तथा ओआरएस और अन्य आवश्यक सामग्री का पर्याप्त भंडार रखने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य श्रम आयुक्त और खान सुरक्षा महानिदेशालय जैसी एजेंसियों को सुरक्षा मानकों के अनुपालन की निगरानी करने को कहा गया है। वहीं, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन और राष्ट्रीय कैरियर सेवा को अपने शिविरों के दौरान भी श्रमिकों के लिए ठंडे और हवादार कार्यस्थल तथा पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

अमेरिकी समाज में बढ़ता वैचारिक ध्रुवीकरण और उसका वैश्विक प्रभाव-यूनाइटेड से डिवाइडेड स्टेट्स - नीतियाँ, पहचान और आक्रोश:ट्रम्प युग में अमेरिकी राजनीति का बदलता स्वरूप -समग्र वैश्विक विश्लेषण

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

> » अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पर तीसरे हमले की कोशिश- सुरक्षा बनाम असुरक्षा :यूनाइटेड स्टेट्स सीक्रेट सर्विस के बावजूद राजनीतिक हिंसा का बढ़ता खतरा?
>
> » अमेरिका में संभावित गहरा होता ध्रुवीकरण, बढ़ता आक्रोश और राजनीतिक हिंसा की संभावनाएं उसे अस्थिरता की ओर धकेल सकती है- लोकतांत्रिक स्थिरता के लिए खतरे संभावना? -एडवोकेट किशन सनमुखदास भवानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर अमेरिका, जिसे लंबे समय तक लोकतांत्रिक स्थिरता,संस्थागत मजबूती और सामाजिक सहमति का प्रतीक माना जाता रहा,आज गहरे वैचारिक ध्रुवीकरण के दौर से गुजर रहा है। यूनाइटेड स्टेट्स की अवधारणा, जो विविधता में एकता के सिद्धांत पर आधारित थी,अब कई विश्लेषकों की नजर में डिवाइडेड स्टेट्स की ओर झुकती दिखाई दे रही है। इस बदलाव के पीछे कई जटिल कारक काम कर रहे हैं, राजनीतिक नेतृत्व की नीतियाँ,आर्थिक असमानता, सांस्कृतिक संघर्ष,मीडिया की भूमिका और डिजिटल युग का एल्गोरिद्मिक प्रभाव। विशेष रूप से डोनाल्ड ट्रम्प के दौर और उसके बाद की राजनीति ने इस ध्रुवीकरण को तीव्र रूप से उजागर किया है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्ि अमेरिका में वैचारिक विभाजन कोई अचानक उत्पन्न हुई घटना नहीं है, बल्कि यह कई दशकों से विकसित हो रही प्रवृत्ति का परिणाम है। हालांकि, डोनाल्ड ट्रम्प की राजनीतिक शैली जो राष्ट्रवाद,आप्रवासन विरोध,और अमेरिका फर्स्ट जैसे नारों पर आधारित थी,ने इस विभाजन को अधिक तीखा बना दिया। उनके समर्थकों के लिए यह नीतियाँ आर्थिक सुरक्षा और सांस्कृतिक पहचान की रक्षा का प्रतीक थीं,जबकि विरोधियों के लिए यह लोकतांत्रिक मूल्यों, समावेशिता और वैश्विक सहयोग के लिए खतरा थीं। इस तरह अमेरिका के भीतर दो स्पष्ट वैचारिक खेमे बन गए,एक जो परंपरागत मूल्यों और राष्ट्रीय प्राथमिकता को प्राथमिकता देता है, और दूसरा जो बहुलतावाद, उदारवाद और वैश्विक सहभागिता का समर्थक है।यह विभाजन केवल राजनीतिक विचारों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामाजिक जीवन के लगभग हर पहलू में दिखाई देने लगा है।शिक्षा, मीडिया,न्यायपालिका और यहां तक कि विज्ञान और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में भी लोग अपने- अपने वैचारिक समूहों के अनुसार सत्य को परिभाषित करने लगे हैं। उदाहरण के लिए, कोविड -19 पैडेमिक के दौरान मास्क, वैक्सीन और लॉकडाउन जैसे मुद्दे वैज्ञानिक बहस से अधिक राजनीतिक पहचान का हिस्सा बन गए। इससे यह स्पष्ट होता है कि ध्रुवीकरण ने अमेरिकी समाज की बुनियादी सहमति को कमजोर कर दिया है। साथियों बात अगर हम हाल ही में ट्रंप पर हुए तीसरे हमले को समझने की करें तो व्हाइट हाउस प्रेस सचिव ने अमेरिकी पर शनिवार को हुए हमले की कोशिश को लेकर कई अहम बातें बताई उन्होंने कहा कि व्हाइट हाउस प्रेस डिनर में हुई गोलीबारी राष्ट्रपति ट्रंप पर तीसरा बड़ा हमला था इतिहास में किसी भी अन्य राष्ट्रपति को बार-बार इस तरह गंभीर हमलों का सामना नहीं करना पड़ा है.ट्रंप ने प्रेस डिनर में गोली लगने वाले सीक्रेट सर्विस एजेंट से बातचीत भी की.कैरोलिन ने कहा यह घटना याद दिलाती है कि डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी के लिए फंडिंग कितनी जरूरी है,बता दें, वॉशिंगटन में शनिवार रात आयोजित व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर उस समय दहशत में बदल गया था, जब राष्ट्रपति ट्रंप के संबोधन से ठीक पहले गोलीबारी की घटना सामने आई,कार्यक्रम में कुछ ही पलों में अफरा- तफरी मच गई, यह घटना वॉशिंगटन हिल्टन होटल में हुई, जहां करीब 2300 से अधिक मेहमान मौजूद थे.इस मामले में एक आरोपी की पहचान 31 वर्षीय कोल टोमस एलन के रूप में हुई है.इस के बाद व्हाइट हाउस प्रेस सचिव ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप का सीक्रेट सर्विस पर भरोसा बरकरार है,राष्ट्रपति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए डीएचएस के शीर्ष अधिकारियों और व्हाइट हाउस अधिकारियों के साथ बैठक होगी, सुरक्षा के लिए अगर बदलाव जरूरी होंगे, तो किए जाएंगे। साथियों बात अगर हम नीतियों के

कारण बढ़ते आक्रोश को समझने की करें तो आर्थिक असमानता, वैश्वीकरण के प्रभाव, और मिडिल क्लास की गिरती स्थिति ने पहले ही लोगों में असंतोष पैदा कर दिया था। जब राजनीतिक नेतृत्व इन असंतोषों को पहचान कर उन्हें संबोधित करने के बजाय उन्हें भावनात्मक और सांस्कृतिक मुद्दों में बदल देता है,तो आक्रोश और गहरा हो जाता है। डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियों ने एक वर्ग को यह महसूस कराया कि वे भूले हुए अमेरिकी हैं,जिनकी आवाज अब सुनी जा रही है। वहीं, दूसरे वर्ग को लगा कि इन नीतियों के कारणनस्लीय और सामाजिक विभाजन को बढ़ावा मिल रहा है।इस आक्रोश का सबसे स्पष्ट रूप हमें 6 जनवरी 2021 के यूनाइटेड स्टेट्स कैपिटल अटैक में देखने को मिला, जब हजारों लोगों ने अमेरिकी संसद भवन पर हमला किया।यह घटना केवल एक राजनीतिक विरोध नहीं थी, बल्कि यह उस गहरे अविश्वास का प्रतीक थी जो लोगों के एक हिस्से को लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति हो गया था। यह विश्वास संकट इस बात को दर्शाता है कि जब राजनीतिक ध्रुवीकरण चरम पर पहुंचता है, तो वह लोकतंत्र की मूल संरचना को भी चुनौती देने लगता है। साथियों बात अगर हम क्या अमेरिका वास्तव में डिवाइडेड स्टेट्स की ओर बढ़ रहा है? इसको समझने की करें तो इसका उत्तर सरल नहीं है, लेकिन कई संकेत इस दिशा में इशारा करते हैं। आज अमेरिका में रेड स्टेट्स और ब्लू स्टेट्स की पहचान केवल चुनावी नक्शे तक सीमित नहीं है,बल्कि यह सांस्कृतिक,सामाजिक और आर्थिक अंतर को भी दर्शाती है। अलग-अलग राज्यों में नीतियों, कानूनों और सामाजिक मानदंडों में इतना अंतर है कि वे कभी- कभी अलग-अलग देशों जैसे प्रतीत होते हैं।हालांकि, यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि अमेरिका की संस्थाएं अभी भी मजबूत हैं और उन्होंने कई संकटों का सामना किया है। अमेरिकन सिविल वार जैसे गंभीर विभाजन के बाद भी देश ने खुद को फिर से एकजुट किया था। इसलिए यह कहना कि अमेरिका पूरी तरह डिवाइडेड स्टेट्स बन चुका है,अतिशयोक्ति हो सकती है, लेकिन यह निश्चित है कि वर्तमान स्थिति चिंताजनक है और यदि इसे नियंत्रित नहीं किया गया,तो यह लोकतांत्रिक स्थिरता के लिए खतरा बन सकता है।

साथियों बात अगर हम नेताओं की सुरक्षा और उन पर हमलों की घटनाएं इसको समझने की करें तो यह ध्रुवीकरण का एक खतरनाक पहलू उजागर करती हैं। यह सच है कि अमेरिकी इतिहास में चार राष्ट्रपतियों अब्राहम लिंकन ,जेम्स ए . गारफील्ड, विलियम मककिनली और जॉन एफ.केन्नेडी की हत्या की गई थी। ये घटनाएं दिखाती हैं कि राजनीतिक हिंसाअमेरिका के इतिहास का हिस्सा रही है,लेकिन वर्तमान समय में सोशल मीडिया,कट्टरपंथी विचारधाराओं और षड्यंत्र सिद्धांतों के कारण यह खतरा और जटिल हो गया है।जहां तक डोनाल्ड ट्रम्प पर हमलों या हमले की कोशिशों का सवाल है,यह स्पष्ट है कि उनकी राजनीति और व्यक्तित्व ने उन्हें अत्यधिक विवादास्पद बना दिया है। हालांकि,यह भी जरूरी है कि इन घटनाओं काविश्लेषण तथ्यात्मक आधार पर किया जाए, क्योंकि हर कथित हमले की पुष्टि या प्रकृति अलग-अलग हो सकती है। लेकिन व्यापक रूप से यह कहा जा सकता है कि जब समाज में ध्रुवीकरण बढ़ता है, तो राजनीतिक नेताओं के खिलाफ हिंसा का जोखिम भी बढ़ जाता है।अब सवाल उठता है कि इतनी मजबूत सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद हमलावर कैसे पहुंच जाते हैं? इसका उत्तर सुरक्षा की सीमाओं और मानव व्यवहार की अनिश्चितता में छिपा है। यूनाइटेड स्टेट्स सीक्रेट सर्विस दुनियाँ की सबसे उन्नत सुरक्षा एजेंसियों में से एक है, लेकिन किसी भी सुरक्षा प्रणाली में ज़ीरो रिस्क संभव नहीं है। हमलावर अक्सर अप्रत्याशित तरीके अपनाते हैं, भीड़ का फायदा उठाते हैं या अंदरूनी कमजोरियों का उपयोग करते हैं। कई बार वे पेशेवर अपराधी नहीं होते, बल्कि भावनात्मक रूप से प्रेरित साधारण लोग होते हैं, जो अचानक हिंसक कदम उठा लेते हैं।इसके अलावा, डिजिटल युग में कट्टरपंथी विचारों का प्रसार तेज़ी से होता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लोगों को ऐसे इको चैंबर में डाल देते हैं, जहां वे केवल उन्हीं विचारों को सुनते हैं जो उनके विश्वासों की पुष्टि करते हैं। इससे उनकी सोच और अधिक कट्टर हो जाती है और वे अपने विरोधियों को दुश्मन के रूप में देखने लगते हैं। यही मानसिकता कभी-कभी हिंसा में बदल जाती है।

साथियों बात अगर हम अमेरिका के वर्तमान परिदृश्य को समझने के लिए यह भी जरूरी है कि हम इसे वैश्विक संदर्भ में देखें, तों आज दुनिया के कई लोकतंत्र भारत, यूरोप, लैटिन अमेरिका भी इसी तरह के ध्रुवीकरण का सामना कर रहे हैं। इसका कारण केवल स्थानीय राजनीति नहीं है, बल्कि वैश्वीकरण, तकनीकी बदलाव और पहचान की राजनीति जैसे व्यापक कारक हैं। अमेरिका में जो हो रहा है, वह एक वैश्विक प्रवृत्ति का हिस्सा है, लेकिन अमेरिका की वैश्विक भूमिका के कारण इसका प्रभाव अधिक व्यापक होता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का विश्लेषण करेंगे तो हम पाएंगे क्ि यह कहा जा सकता है कि अमेरिका एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है।एक ओर,उसके पास मजबूत संस्थाएं, स्वतंत्र न्यायपालिका और सक्रिय नागरिक समाज है, जो उसे स्थिरता प्रदान कर सकते हैं। दूसरी ओर, गहरा होता ध्रुवीकरण, बढ़ता आक्रोश और राजनीतिक हिंसा की संभावनाएं उसे अस्थिरता की ओर धकेल सकती हैं।यूनाइटेड स्टेट्स और डिवाइडेड स्टेट्स के बीच का यह संघर्ष केवल राजनीतिक नहीं है,बल्कि यह अमेरिका की आत्मा औरउसकी पहचान का प्रश्न है। यदि राजनीतिक नेतृत्व, मीडिया और नागरिक समाज मिलकर संवाद, सहमति और समावेशिता को बढ़ावा देते हैं, तो यह संकट अवसर में बदल सकता है। लेकिन यदि विभाजन की राजनीति जारी रहती है, तो यह न केवल अमेरिका, बल्कि पूरी दुनिया के लिए गंभीर परिणाम ला सकती है।

-संकलनकर्ता लेखक
- क्रर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

यात्रा में त्रिवेणी का स्पर्शः आस्था, अवसर और आधुनिकता का संगम

विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला'

जब भारत की आत्मा की बात होती है, तो वह केवल भूगोल की रेखाओं में नहीं,बल्कि उन यात्राओं में बसती है जो मन, मस्तिष्क और जीवन को जोड़ती हैं।28 अप्रैल 2026 का दिन इसी दृष्टि से एक नई शुरुआत का प्रतीक बनकर सामने आ रहा है,जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वाराणसी–पुणे (हडपसर) और अयोध्या–मुंबई (लोकमान्य तिलक टर्मिनस) अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। यह केवल दो नई रेल सेवाओं का शुभारंभ नहीं,बल्कि भारत की सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक चेतना और आर्थिक गतिशीलता के त्रिवेणी संगम का साकार रूप है। भारतीय रेल का यह कदम उस 'चलते-फिरते भारत' की कहानी कहता है, जिसमें हर यात्री केवल एक गंतव्य की ओर नहीं बढ़ता, बल्कि वह अपने साथ अपनी आस्था,अपनी आकांक्षाएं और अपनी जड़ों का रिश्ता भी लेकर चलता है।अमृत भारत एक्सप्रेस, अपने नाम के अनुरूप,उसी 'अमृत' को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास है, जिसमें सुविधा, सुरक्षा और सस्ती यात्रा का संतुलित समावेश है। जब यह ट्रेन वाराणसी की पवित्र धरती से प्रस्थान करेगी, तो वह केवल एक स्टेशन से नहीं, बल्कि उस सनातन चेतना से निकलती प्रतीत होगी, जो काशी विश्वनाथ मंदिर की घंटियों, गंगा घाटी की आरती और गंगा की अविरल धारा में अनवरत बहती है। काशी, जहाँ हर कदम पर इतिहास सांस लेता है और हर घाट पर जीवन का दार्शनिक अर्थ खुलता है, अब सीधे जुड़ रहा है पूणे से—एक ऐसा शहर जो आधुनिक भारत की शिक्षा, तकनीक और औद्योगिक ऊर्जा का प्रतीक है। यह जुड़ाव केवल दूरी कम करने का साधन नहीं, बल्कि दो युगों के मिलन का प्रतीक है—एक ओर आध्यात्म की अनंत गहराई, दूसरी ओर आधुनिकता की ऊँची उड़ान। काशी से निकलकर जब यह रेल प्रयागराज, झाँसी,भोपाल,इटारसी और भुसावल जैसे शहरों से गुजरती हुई पुणे के हडपसर तक पहुंचेगी, तो वह अपने साथ उन लाखों सपनों को भी लेकर चलेगी, जो रोज़गार, शिक्षा और बेहतर जीवन की तलाश में सीमाओं को पार करते हैं। इसी प्रकार अयोघ्या से प्रारंभ होने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस एक अलग ही भावभूमि को स्पर्श करती है।अयोध्या,जहाँ श्री राम मंन्दिर की दिव्यता आज नए भारत के आत्मविश्वास का प्रतीक बन चुकी है, वहाँ से चलकर यह ट्रेन मुम्बई तक पहुँचती है—एक ऐसा महानगर जो सपनों को आकार देता है, परिश्रम को पहचान देता है और जीवन को गति देता है। यह यात्रा केवल 28 घंटे का समय नहीं, बल्कि उन असंख्य भावनाओं का सेतु है,जो एक प्रवासी के मन में घर और कर्मभूमि के बीच झूलती रहती हैं। सुल्तानपुर,प्रतापगढ़, प्रयागराज, जबलपुर, इटारसी, नासिक और ठाणे जैसे पड़ाव इस यात्रा को केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता का जीवंत मानचित्र बना देते हैं।अमृत भारत एक्सप्रेस की विशेषता यह है कि यह 'सामान्य जन' के लिए असाधारण सुविधा लेकर आई है।पूरी तरह नॉन-एसी होने के बावजूद इसमें आधुनिक तकनीक का समावेश है -सीसीटीवी निगरानी, इमरजेंसी टॉक-बैक सिस्टम,अग्निशमन प्रणाली, और बेहतर कोच डिजाइन इसे सुरक्षित बनाते हैं।वहीं आरामदायक सीटें, मोबाइल चार्जिंग सुविधा,स्वच्छ शौचालय और दिव्यांगजन-अनुकूल व्यवस्था इसे मानवीय संवेदनाओं से जोड़ती है।यह ट्रेन बताती है कि विकास केवल तेज गति का नाम नहीं,बल्कि हर वर्ग को साथ लेकर चलने का संकल्प भी है। यह भी एक दिलचस्प यथार्थ है कि जहां वंदे भारत एक्स्प्रेस ने भारत की रेल यात्रा को गति और आधुनिकता का नया आयाम दिया है, वहीं अमृत भारत एक्सप्रेस उस आधार को मजबूत कर रही है, जिस पर देश का आम नागरिक खड़ा है।यह एक ऐसी पहल है,जो 'समावेशी विकास' की परिभाषा को धरातल पर उतारती है।इन ट्रेनों का मार्ग केवल शहरों को नहीं जोड़ता, बल्कि उन संस्कृतियों को जोड़ता है,जो भारत की विविधता को एकता में बदलती हैं। प्रयागराज का संगम,झांसी की वीरता, भोपाल की झीलें,नासिक की आस्था और मुंबई की भागदौड़ -ये सभी इस यात्रा के पड़ाव हैं, जो यात्री को केवल मंजिल तक नहीं, बल्कि अनुभवों की एक नई दुनिया तक ले जाते हैं।

राघव चढढा ने खोद दिया आम आदमी पार्टी का गड्ढा

लेखक-मनोज कुमार अग्रवाल

भारतीय राजनीति में दल बदल और आंतरिक बगावत कोई नई बात नहीं है लेकिन जब किसी उभरती हुई पार्टी के भीतर इस तरह का बड़ा घटनाक्रम सामने आता है तो उसके दूरगामी असर को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हाल ही मेंराघव चड्ढा के आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने अथवा दल-बदल/विलय के दावे से भारतीय राजनीति में कई गंभीर समस्याएं और विवाद उत्पन्न हो गए हैं। यह सबसे बड़ा कानूनी मुद्दा है कि क्या चड्ढा के साथ अन्य सांसदों का विलय संवैधानिक है। यह दलबदल विरोधी कानून की प्रासंगिकता और उसके दो-तिहाई वाले प्रावधान पर बहस छेड़ता है कि क्या सांसदों का एक बड़ा समूह रातों-रात पार्टी बदल सकता है। इस घटना के बाद आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि आरोप है कि उसके 10 में से 7 सांसद पार्टी छोड़कर जा रहे हैं, जो पार्टी के लिए एक अस्तित्व का संकट है। पार्टी के पूर्व सहयोगियों और समर्थकों की ओर से इसे वैचारिक विश्वासघात के रूप में देखा जा रहा है। आप ने आरोप लगाया है कि यह ऑपरेशन कमल के तहत भाजपा द्वारा उसके सांसद नेताओं को तोड़ने की कोशिश है। राघव चड्ढा को हाल ही में राज्यसभा में पार्टी के डिप्टी लीडर पद से हटाया गया था, जिसके बाद यह बगावत हुई। यह पार्टी के भीतर चल रहे आंतरिक मतभेदों और नेतृत्व की पकड़ को उजागर करता है।इस प्रकार के बड़े पैमाने पर दल-बदल से अस्थिरता का युग वापस आने की चिंता बढ़ गई है, जिससे लोकतंत्र के भविष्य पर सवाल उठते हैं। आपको पता है कि राघव चड्ढा और उनके साथ कई राज्यसभा सांसदों का आम आदमी पार्टी से अलग होकर भारतीय जनता पार्टी में जाने का फैसला एक बड़े राजनीतिक बदलाव का संकेत देता है। यह केवल व्यक्तियों का दल बदल नहीं बल्कि एक संगठन की आंतरिक स्थिति और उसकी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। आम आदमी पार्टी ने अपने गठन के समय खुद को एक वैकल्पिक राजनीति के रूप में प्रस्तुत किया था। ईमानदारी पारदर्शिता और जनहित के मुद्दों को केंद्र में रखकर इस पार्टी ने तेजी से लोकप्रियता हासिल की। दिल्ली में लगातार जीत और पंजाब में सरकार बनाना इस बात का प्रमाण था कि जनता ने इस पार्टी को स्वीकार किया है। लेकिन अब जिस तरह से पार्टी के भीतर असंतोष और टूट सामने आ रही है वह यह संकेत देता है कि अंदरूनी ढांचे में कहीं न कहीं कमजोरी मौजूद है। राघव चड्ढा का पार्टी से अलग होना अचानक नहीं हुआ। पिछले कुछ वर्षों से उनके और पार्टी नेतृत्व के बीच दूरी की खबरें सामने आती रही थीं। महत्वपूर्ण बैठकों में अनुपस्थिति सोशल मीडिया पर अलग पहचान बनाने की कोशिश और संगठनात्मक गतिविधियों से दूरी यह सभी संकेत पहले से मौजूद थे। जब उन्हें राज्यसभा में उपनेता पद से हटाया गया तो यह स्पष्ट हो गया कि संबंध सामान्य नहीं रहे हैं। इसके बाद उनका इस्तीफा और फिर भाजपा में शामिल होना एक तय दिशा की ओर बढ़ता कदम प्रतीत होता है। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है दो तिहाई सांसदों का गणित। भारतीय संविधान के तहत दल बदल कानून यह कहता है कि यदि किसी पार्टी के दो तिहाई सांसद एक साथ दूसरी पार्टी में शामिल होते हैं तो उनकी सदस्यता सुरक्षित रहती है। यही कारण है कि राघव चड्ढा ने अपने साथ पर्याप्त संख्या में सांसदों को जोड़ने का प्रयास किया। यह केवल राजनीतिक निर्णय नहीं बल्कि एक रणनीतिक कदम भी था जिससे उनकी संसदीय स्थिति बनी रहे। यहां सवाल उठता है कि क्या यह केवल व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा का मामला है या फिर पार्टी की कार्यप्रणाली में वास्तविक समस्याएं हैं। जब एक दो नहीं बल्कि कई सांसद एक साथ पार्टी छोड़ते हैं तो यह संकेत देता है कि असंतोष व्यापक है। स्वाति मालीवाल जैसे नेताओं का पहले से असहज होना और अन्य नेताओं का अचानक अलग होना यह दर्शाता है कि संवाद और विश्वास की कमी रही है। अब तुलना शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से की जा रही है। इन दोनों दलों में भी इसी तरह की टूट देखने को मिली थी जहां दो तिहाई विधायकों के अलग होने से पार्टी का नियंत्रण बदल गया। हालांकि वर्तमान स्थिति में आम आदमी पार्टी के मामले में यह टूट राज्यसभा तक सीमित है इसलिए सरकार पर तत्काल कोई खतरा नहीं है। लेकिन यदि यही स्थिति पंजाब विधानसभा तक पहुंचती है तो परिणाम गंभीर हो सकते हैं। पंजाब इस समय आम आदमी पार्टी का सबसे मजबूत आधार है। यदि वहां भी इसी तरह का असंतोष पैदा होता है और बड़ी संख्या में विधायक अलग होते हैं तो पार्टी की पहचान और अस्तित्व दोनों पर खतरा आ सकता है। इसलिए यह घटनाक्रम केवल एक संसदीय बदलाव नहीं बल्कि भविष्य की संभावनाओं का संकेत भी है। भारतीय जनता पार्टी के लिए यह घटनाक्रम कई मायनों में लाभकारी है। पहला राज्यसभा में उसकी संख्या बढ़ेगी। राघव चड्ढा के साथ आप के 10 में से 7 राज्यसभा सांसद भाजपा में शामिल हुए हैं, जिससे उच्च सदन में भाजपा की संख्या बढ़कर 113 हो गई है और उसे अहम विधेयकों को पास कराने में आसानी होगी। यह दलबदल आम आदमी पार्टी के लिए पंजाब और दिल्ली में एक बड़ा झटका है, जहाँ चड्ढा एक प्रमुख युवा चेहरा थे।चड्ढा का रोल सिर्फ टीवी और संसद तक सीमित नहीं था. पंजाब में संगठन खड़ा करने और दिल्ली-पंजाब के बीच समन्वय बनाने में भी उनकी अहम भूमिका रही है. उनके जाने से यह कनेक्शन कमजोर पड़ सकता है. खासतौर पर तब, जब आम आदमी पार्टी खुद को राष्ट्रीय पार्टी के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रही है. इससे भाजपा को पंजाब चजहाँ अगले साल चुनाव होने हैं में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद मिल सकती है। राघव चड्ढा की छवि एक पढ़े-लिखे, आक्रामक और सलीकेदार प्रवक्ता की है, जो भाजपा के मीडिया और कम्युनिकेशन मैनेजमेंट को और अधिक धारदार बना सकती है। चड्ढा ने पार्टी द्वारा अपने मूल सिद्धांतों से भटकने का आरोप लगाया है, जिससे भाजपा को आप के खिलाफ अपने 'भ्रष्टाचार' के नैरेटिव को और मजबूत करने का मौका मिल गया है। चड्ढा के साथ आने से उन विधायकों और कार्यकर्ताओं के भी भाजपा में आने की संभावना बढ़ गई है, जो पंजाब और दिल्ली में उनके प्रभाव में थे। कुल मिलाकर, यह कदम न केवल भाजपा के संख्या बल को बढ़ाता है, बल्कि आम आदमी पार्टी की साख पर भी सवाल उठाता है। राजनीति में हर खबर अपने साथ एक मैसेज भी लेकर आती है. चड्ढा जैसे नेता का बीजेपी में जाने का मतलब है कि बीजेपी विपक्ष के सॉफ्ट, अर्बन और प्रोफेशनल स्पेस में एंट्री चाहती है और आप के भीतर स्थिरता को लेकर सवाल उठने लगे हैं.

क्रांति की दस्तक- क्यों स्मार्ट दिखना चाहते अधेड़ हिन्दुस्तानी

विवेक शुक्ला

भारत में एक अलग तरह की क्रांति दस्तक दे रही है। मध्यम आयु वर्ग के पुरुष और महिलाएं अब अपने आपको अधिक आकर्षक और आत्मविश्वासपूर्ण बनाने के लिए चेहरे की एडवांस सर्जरी करवा रहे हैं। समय के साथ बढ़ती उम्र, व्यस्त जीवनशैली और बदलते सामाजिक-व्यावसायिक माहौल में ये लोग अब केवल स्वस्थ रहने पर ही नहीं, बल्कि बाहरी रूप-सौंदर्य को बनाए रखने पर भी गंभीरतापूर्वक ध्यान दे रहे हैं। इस सर्जरी को डीप प्लेन फेसलिफ्ट सर्जरी कहते हैं। पहले यह सर्जरी सिर्फ बड़े-बड़े सितारों तक ही सीमित थी, लेकिन अब मिडिल क्लास भारतीय भी इसके लिए स्पेशलिस्ट डॉक्टरों से सलाह ले रहे हैं। पूरे भारत में 40 से 65 साल के पुरुष और महिलाएं इस सिद्ध सर्जरी की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं। यह सर्जरी चेहरे को नाटकीय तरीके से नहीं, बल्कि बहुत नेचुरल और सूक्ष्म तरीके से जवान बनाती है। लोग अपनी उम्र के साथ आने वाली झुर्रियों, ढीली त्वचा और थकी हुई लुक से छुटकारा पाना चाहते हैं। इस तकनीक को भारत में आगे बढ़ाने वाले दिल्ली के मशहूर फेशियल प्लास्टिक सर्जन डॉ. प्रतीक शर्मा, जो पहले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से जुड़े थे और आजकल राजधानी के ईवाइट एस्थेटिक्स अस्पताल में कार्यरत हैं, ने एक सेमिनार में बताया कि गहरी लेयर्स को लिफ्ट करने से रिजल्ट ज्यादा लंबे समय तक रहते हैं और चेहरा ज्यादा नैचुरल और संतुलित दिखता है। वे कहते हैं, "ये सिर्फ झुर्रियाँ मिटाने की बात नहीं है। ये लोगों को आत्मविश्वास वापस लौटाने और दुनिया के सामने नए जोश के साथ खड़े होने में मदद करता है।" डीप प्लेन फेसलिफ्ट आखिर है क्या? साधारण फेसलिफ्ट सर्जरी में सिर्फ ऊपरी स्किन को खींचा जाता है। लेकिन डीप प्लेन फेसलिफ्ट उससे कहीं आगे जाती है। इसमें उम्र के साथ ढीले पड़ चुके मसल्स, फैट पैड्स और कनेक्टिव टिश्यू को भी ध्यान से संभाला जाता है। सर्जन इन सबको एक साथ एक यूनिट के रूप में ऊपर उठाता है। इसमें मिड-फेस, जबड़ा, गाल और गर्दन सब शामिल होते हैं। इससे चेहरा स्मूद हो जाता है, नाक से मुंह तक की गहरी लकीरें कम हो जाती हैं और चेहरे में फिर से जवानी वाली चमक लौट आती है। यह प्रक्रिया चेहरे की गहराई में काम करती है, इसलिए नतीजा बहुत प्राकृतिक लगता है। पहले एम्स से जुड़ी रही प्लास्टिक सर्जन डॉ. श्रेया गर्ग, जो अब अलोइसियावाइट एस्थेटिक्स अस्पताल में कार्यरत हैं, बताती हैं कि यह प्रोसीजर अब अमीरों की लग्जरी नहीं रह गई है। अब लोअर मिडिल क्लास परिवारों की महिलाएं और पुरुष भी इसे करवा रहे हैं। खास बात यह है कि बदलाव बहुत सूक्ष्म लेकिन असरदार होता है। आत्मविश्वास बढ़ता है, लेकिन कोई यह नहीं कह पाता कि "इन्होंने कुछ करवाया है"। दोस्त और परिवार वाले बस इतना कहते हैं कि आप बहुत तरोताजा और खुश दिख रहे हैं। विशेषज्ञों के पास परामर्श के लिए हर वर्ग से लोग आ रहे हैं। सरकारी नौकरी वाले, प्राइवेट सेक्टर के मैनेजर, बिजनेसमैन और घरेलू महिलाएं सभी इसमें रुचि ले रहे हैं। लोग अब कॉस्मेटिक सर्जरी को दिखावा नहीं, बल्कि अपने इमेज, करियर और वेल-बीइंग में निवेश मानते हैं। उम्र तो सबको लगती है, यह सर्जरी बस उस मैदान को थोड़ा बराबर कर देती है। इसके अलावा, यह सर्जरी गर्दन की त्वचा को भी टाइट करती है, जिससे डबल चिन जैसी समस्या कम हो जाती है। चेहरे पर थकान का भाव कम होता है और आंखों के नीचे की सूजन भी घटती है। रिकवरी का समय भी अब पहले से काफी कम हो गया है। ज्यादातर लोग 10-14 दिनों में सामान्य कामकाज पर लौट आते हैं। सर्जरी से पहले डॉक्टर पूरी जांच करते हैं। ब्लड टेस्ट, हार्ट चेकअप और मेडिकल हिस्ट्री देखी जाती है। सर्जरी जनरल एनेस्थीसिया में होती है और इसमें दो से चार घंटे लगते हैं। बाद में हल्का सूजन और चोट के निशान रह सकते हैं, जो धीरे-धीरे ठीक हो जाते हैं। अमेरिका और यूरोप में यह हॉलीवुड और फैशन जगत की कई हस्तियों का पसंदीदा विकल्प बन चुका है। सोनजा मॉर्गन, रिकी लेक, मैकेंजी वेस्टमोर, जैकी हैरी जैसी सेलिब्रिटीज ने भी इसके नेचुरल रिजल्ट्स की तारीफ की। क्रिस जेनर जैसी हस्तियों के साथ भी इसकी चर्चा रहती है। भारत में भी कई बड़े सितारों ने इस सर्जरी को करवाया है, पर वे इस बात को अज्ञात कारणों से सार्वजनिक नहीं करते। अमेरिका और यूरोप में अधेड़ और उम्र दराज लोग डीप प्लेन फेसलिफ्ट सर्जरी का लाभ लंबे समय से ले रहे हैं। वहां बहुत सारे हॉलीवुड सितारे भी इस सर्जरी को करवाने के बाद अपने करियर को चमका रहे हैं। भारत में भी अब जागरूकता बढ़ रही है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और चंडीगढ़ जैसे शहरों में अच्छे अस्पताल उपलब्ध हैं। डॉक्टर सलाह देते हैं कि सर्जरी चुनने से पहले हमेशा योग्य और अनुभवी सर्जन से ही संपर्क करें। आज के समय में दिखावे और आत्मविश्वास का महत्व बहुत बढ़ गया है। डीप प्लेन फेसलिफ्ट सर्जरी उन लोगों के लिए एक अच्छा विकल्प बनकर उभरी है जो अपनी उम्र को महसूस नहीं करना चाहते। यह सर्जरी सिर्फ चेहरे को नहीं, बल्कि जीवन के नए अध्याय को खोलती है। अगर आप भी 45 साल के पार हैं और लगता है कि चेहरा थका हुआ दिख रहा है, तो एक अच्छे सर्जन से सलाह जरूर लें। सही निर्णय से आपका आत्मविश्वास नया जोश पा सकता है।

39 गेंदो में आरसीबी ने दिल्ली के खिलाफ जीता मुकाबला

विराट कोहली ने आईपीएल में पूरे किए नौ हजार रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने दिल्ली कैपिटल्स को महज 39 गेंदों में नौ विकेट से हरा दिया। सोमवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए आईपीएल मुकाबले में दिल्ली की टीम 16.3 ओवरों में सिर्फ 75 रन ही बना सकी। जवाब में आरसीबी ने 6.3 ओवर में एक विकेट खोकर 77 रन बनाए और मुकाबला जीत लिया। इस दौरान विराट कोहली ने आईपीएल में नौ हजार रन भी पूरे कर लिए।

विराट कोहली ने रचा इतिहास

इस मुकाबले में किंग कोहली ने इतिहास रच दिया। उन्होंने इस टूर्नामेंट में नौ हजार रन पूरे कर लिए। विराट आईपीएल में नौ हजार रन बनाने वाले इकलौते बल्लेबाज बन गए। उनके नाम 275 मैचों में आठ शतक और 66 अर्धशतकों के साथ 9012 रन दर्ज हो गए। इसके अलावा कोहली आईपीएल में दिल्ली के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 1172 रन दर्ज हैं। किसी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी विराट के ही नाम है। उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ 1174 रन बनाए। इस मामले में तीसरे स्थान पर रोहित शर्मा हैं, जिन्होंने केकेआर के खिलाफ 1161 रन बनाए।

6.3 ओवर में जीती आरसीबी

आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी ने महज 6.3 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। जैकब बेथेल ने विराट कोहली के साथ 2.5 ओवरों में 26 रन की साझेदारी की। बेथेल 11 गेंदों में 2 छक्कों और 1 चौके के साथ 20 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद देवदत्त पड्डिकल ने कोहली के साथ 22 गेंदों में 51 रन की अटूट साझेदारी करते हुए आरसीबी की टीम को आसान जीत दिलाई। कोहली 15 गेंदों में दो छक्कों और एक चौके के साथ 23 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि पड्डिकल ने 13 गेंदों में तीन छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 34 रन की नाबाद पारी खेली।

दिल्ली की आंधी में विकेटों का पतझड़

दिल्ली कैपिटल्स को मैच की दूसरी गेंद पर साहिल परख के रूप में पहला झटका लगा। साहिल अपने आईपीएल करियर के पहले मैच में खाता तक नहीं खोल सके। इसके बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। आलम ये रहा कि मेजबान टीम ने महज आठ के स्कोर तक छह विकेट खो दिए थे। इसके बाद डेविड मिलर ने अभिषेक पोरेल के साथ सातवें विकेट के लिए 31 गेंदों में 35 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की। इस बीच धूलभरी आंधी शुरू हो गई और कुछ मिनटों के लिए मैच रोकना पड़ा। हालांकि, सभी खिलाड़ी मैदान पर ही डटे रहे। कुछ देर बाद मुकाबला फिर से शुरू हुआ। नौवें ओवर की अंतिम गेंद पर मिलर आउट हो गए। उन्होंने 18 गेंदों में तीन चौकों के साथ 19 रन की पारी खेली, जिसके बाद अभिषेक ने मोर्चा संभालते हुए 33 गेंदों में 30 रन जुटाए। उनके अलावा, काइल जैमीसन ने 12 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। आरसीबी की तरफ से जोश हेजलवुड ने 12 रन देकर चार विकेट हासिल किए, जबकि भुवनेश्वर कुमार ने तीन विकेट निकाले। रासिख सलाम डार, सुयश शर्मा और क्रुणाल पांड्या ने एक-एक विकेट हासिल किया।

● **तीन टीमों के खिलाफ विराट ने बनाए हैं सर्वाधिक रन** – कोहली ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अब तक 1172 रन बनाए हैं जो इस टीम के खिलाफ किसी बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक है। कोहली तीन टीम के खिलाफ आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बना चुके हैं। उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ 1174 रन और पंजाब किंग्स के खिलाफ 1159 रन बनाए हैं।

विराट कोहली के इंतजार में बैठा था बच्चा, न मिल पाने पर फूट-फूटकर रोया, क्रिकेट बैट भी फेंका

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बैटिंग स्टार विराट कोहली सोमवार को अपनी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आरसीबी) टीम के साथ देश की राजधानी में थे। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की मौजूदा चैंपियन टीम ने अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ मैच को एकतरफा बना था, जिसमें मेहमान टीम ने दिल्ली को 75 रन पर ढेर करने के बाद आसानी से 9 विकेट से जीत हासिल की। हालांकि मैच से भी ज्यादा चर्चित विराट कोहली का एक फैन बन गया जो भारतीय बल्लेबाज के इंतजार में होटल में बैठा था और जब उसे कोहली का आटोग्राफ नहीं मिला तो वह रोने लगा और बैट को जमीन पर पटक दिया। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक बच्चा होटल के रिसेप्शन पर इंतजार कर रहा था, इस उम्मीद में कि आरसीबी के स्टार खिलाड़ी से वह अपने क्रिकेट बैट पर ऑटोग्राफ ले पाएगा। जब कोहली अपनी सिक्योरिटी और स्टाफ के साथ वहां पहुंचे, तो बच्चा उनके पीछे-पीछे गया और उनके करीब जाने की कोशिश की, लेकिन सिक्योरिटी गार्ड्स ने उसे रोक दिया। वहां मौजूद लोगों के सुरक्षाकर्मियों से बच्चे को अंदर जाने देने का आग्रह करने के बावजूद उसे क्रिकेटर से मिलने की अनुमति नहीं दी गई। इसके बाद बच्चा फूट-फूटकर रोने लगता है और हताशा के एक पल में अपना क्रिकेट बैट जमीन पर पटक देता है। इस घटना का एक वीडियो, जो ऑनलाइन काफ़ी शेयर किया गया, उसके साथ यह कैप्शन था, लगता है यूनिवर्स ने सच में कह दिया, 'आज नहीं'। इस घटना ने ङ्ग पर एक बहस छेड़ दी है, जिसमें लोगों की राय पूरी तरह से बंटी हुई है। कुछ यूजर्स ने बच्चे के प्रति सहानुभूति जताई और इस स्थिति पर निराशा व्यक्त की।

बचपन के कोच के लिए दिल्ली में रुके; अकादमी उद्घाटन में पहुंचे

आईपीएल की भागदौड़ में भी गुरु को नहीं भूले विराट कोहली, बचपन के कोच के लिए रुक गए दिल्ली में आईपीएल 2026 के व्यस्त कार्यक्रम, लगातार मैचों और यात्रा के बीच विराट कोहली ने एक बार फिर साबित कर दिया कि कुछ रिश्ते समय से बड़े होते हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शानदार जीत के एक दिन बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने अपनी अगली उड़ान टाल दी और राजधानी में रुककर अपने बचपन के कोच राजकुमार शर्मा के साथ खास पल साझा किया। सोमवार को कोहली ने दिल्ली पब्लिक स्कूल, आरके पुरम में वेस्ट दिल्ली क्रिकेट अकादमी की नई शाखा का उद्घाटन किया। यह वही अकादमी है, जहां से उनके क्रिकेट करियर की नींव रखी गई थी।

गुरु के सम्मान में पहुंचे विराट

आरसीबी का अगला मुकाबला गुरुवार को गुजरात टाइटंस से है, लेकिन इसके बावजूद कोहली ने अपने कार्यक्रम में बदलाव कर कोच राजकुमार शर्मा का सम्मान बढ़ाया। इस समारोह में डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान विराट ने अकादमी के छात्रों को पुरस्कार दिए। कई बच्चे उन्हें देखकर उत्साहित नजर आए। एक भावुक पल तब आया जब एक छात्र ने कोहली के पैर छूने की कोशिश की, लेकिन विराट ने तुरंत उसे रोककर हाथ मिलाया और प्रोत्साहित किया।

बच्चों को दिया बड़ा संदेश

छात्रों को संबोधित करते हुए विराट कोहली ने अपने जीवन के शुरुआती फैसलों को याद किया और युवाओं को सपनों के प्रति ईमानदार रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा, मैंने अपने जीवन में बहुत जल्दी खेल को चुना था, लेकिन वह फैसला पूरी ईमानदारी से लिया गया था। मुझे पूरा भरोसा था कि मुझे क्रिकेट में आगे बढ़ना है और इसके लिए मुझे खुद से, अपने परिवार से और अपने शिक्षकों से ईमानदारी से कहना था कि यही रास्ता मैं चुनना चाहता हूं। उन्होंने आगे कहा, अपने सपनों के प्रति ईमानदार रहिए, जो करना चाहते हैं उसे पूरी प्रतिबद्धता के साथ कीजिए। सिर्फ आप ही जानते हैं कि आप अपने लक्ष्य के प्रति 100 प्रतिशत ईमानदार हैं या नहीं।

बचपन की यादों से जुड़ी अकादमी

विराट ने बताया कि यह अकादमी आज भी उनकी जिंदगी का अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा, मैंने आठ साल की उम्र में यहां अभ्यास शुरू किया था और आज भी जब समय मिलता है तो अकादमी आता हूं। यह मेरे बचपन का बड़ा हिस्सा है। मेरी उम्मीद है कि यहां क्रिकेट सीखने आने वाले सभी बच्चे इसकी अहमियत समझेंगे।

मुकेश अंबानी ने लगाया 1.6 लाख करोड़ का दांव, आंध्र प्रदेश में लगेगा भारत का सबसे बड़ा एआई डेटा सेंटर

मुंबई, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में भारत का सबसे बड़ा डेटा सेंटर क्लस्टर स्थापित करने जा रही है। मुकेश अंबानी की यह कंपनी इस परियोजना में 1.6 लाख करोड़ रुपये (17 अरब डॉलर से ज्यादा) का निवेश करेगी। अंबानी के अलावा गौतम अडानी भी इस सेक्टर में कूद चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार, यह परियोजना 1.5 गीगावॉट क्षमता वाली होगी, जो भारत में अब तक की सबसे बड़ी डेटा सेंटर परियोजना मानी जा रही है। यह गूगल के 1 गीगावॉट प्रोजेक्ट से भी बड़ी होगी, जो इसी क्षेत्र में बन रहा है। इकनॉमिक टाइम्स के अनुसार यह प्रोजेक्ट भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा स्टोरेज और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को नई ताकत देगा। साथ ही हजारों रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। कुल 1.6 लाख करोड़ रुपये में से 1.08 लाख करोड़ रुपये डेटा सेंटर क्लस्टर पर और 51,300 करोड़ रुपये इसके साथ जुड़े रिन्यूएबल एनर्जी (सौर ऊर्जा) प्रोजेक्ट पर खर्च किए जाएंगे। इस प्रोजेक्ट को चलाने के लिए रिलायंस अपना खुद का सोलर बैटरी स्टोरेज सिस्टम और 9,000 मेगावाट क्षमता का सोलर प्रोजेक्ट भी लगाएगी।

विशाखापत्तनम बना डेटा सेंटर हब: आंध्र प्रदेश के आईटी मंत्री नारा लोकेश ने राज्य के लिए 6 गीगावाट होस्टिंग क्षमता का लक्ष्य रखा है। रिलायंस के इस निवेश के साथ राज्य अब तक 5.6 गीगावाट क्षमता के एमओयू साइन कर चुका है। विशाखापत्तनम में अन्य बड़े खिलाड़ी इस प्रकार हैं: कैपिटल गुड्स पर 100% स्टेट जीएसटी रिइम्बर्समेंट। मशीनरी पर 10% कैपिटल सब्सिडी। सीधे बिजली खरीद के लिए डीम्ड डिस्ट्रीब्यूशन लाइसेंस।

विस्तार और बुनियादी ढांचा: रिलायंस ने इस क्लस्टर के लिए 935 एकड़ जमीन की मांग की है। इसके अलावा, एक समुद्री जल विलवणीकरण संयंत्र के लिए 80 एकड़ और केबल लैंडिंग स्टेशन के लिए 1 एकड़ जमीन मांगी गई है। यह पूरा क्लस्टर विशाखापत्तनम के नए भोगापुरम एयरपोर्ट के पास स्थित होगा। डेटा सेंटर सेक्टर में सिर्फ अंबानी ही नहीं, अडानी भी उतर चुके हैं। दो महीने पहले फरवरी में अडानी ग्रुप ने दुनिया के सबसे बड़े इंटीग्रेटेड एनर्जी-कंप्यूट प्रोजेक्ट में 100 अरब डॉलर का सीधा निवेश करने का ऐलान किया था। इस पैसे से साल 2035 तक ऐसे डेटा सेंटर बनाए जाएंगे जो पूरी तरह से रिन्यूएबल एनर्जी से चलेंगे और एआई(आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के लिए तैयार होंगे। इनकी क्षमता (गीगावाट) से ज्यादा होगी।

गहने छोड़ अब गोल्ड ईटीएफ और सिक्कों की ओर भागे भारतीय

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में सोने को निवेश के तौर पर खरीदने का रुझान तेजी से बढ़ा है। साल 2025 में सोने की कुल खपत का लगभग 40% हिस्सा निवेश के रूप में खरीदा गया, जो पिछले कई सालों में सबसे ज्यादा है। इसमें गोल्ड का बड़ा हाथ रहा, जिसमें अकेले 37.5 टन सोना निवेश किया गया। यह पिछले 10 सालों में हुए कुल निवेश से भी ज्यादा है। दुनिया भर में जारी तनाव और सोने की रेकॉर्ड कीमतों की वजह से लोग अब गहनों के बजाय निवेश की ओर ज्यादा मुड़ रहे हैं। केयरएज रेटिंग्स की एक ताजा रिपोर्ट से ये जानकारी सामने आई है। रेटिंग एजेंसी का अनुमान है कि साल 2027 तक भी निवेश की यह मांग 35-40% के ऊंचे स्तर पर बनी रहेगी। इसकी वजह यह है कि लोग अपने निवेश को सुरक्षित रखने के लिए सोने को चुन रहे हैं। साथ ही केंद्रीय बैंक भी लगातार सोना खरीद रहे हैं। उम्मीद है कि साल 2026 तक सोने की कीमतें ऊंचे स्तर पर ही बनी रहेंगी, हालांकि बीच-बीच में इनमें उतार-चढ़ाव आ सकता है। साल 2025 में जहां गहनों की मांग में गिरावट आई है, वहीं सुरक्षित निवेश के रूप में गोल्ड ईटीएफ और सिक्कों-बिस्कुटों के प्रति

निवेशकों का रुझान रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। वैश्विक स्तर पर गोल्ड होल्डिंग्स में 801 मीट्रिक टन की वृद्धि हुई है। सोने की कुल खपत की हिस्सेदारी 2024 में लगभग शून्य थी, जो 2025 में बढ़कर 16% हो गई है। ज्वेलरी की मांग में गिरावट आई है। वैश्विक स्तर पर गहनों की हिस्सेदारी सालाना आधार पर 19% गिरकर 33% रह गई है। भारत में भी ज्वेलरी की खपत 70% के औसत से गिरकर 60% से नीचे आ गई है। साल 2025 में वैश्विक निवेश मांग 2,175 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई, जिसने 2020 के 1,805 रङ्ग के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। भारत में सोने की कुल खपत में निवेश की हिस्सेदारी साल 2024 के 29% से बढ़कर 2025 में 42% हो गई है। अकेले 2025 में भारतीयों ने में 37.5 टन सोना जोड़ा, जो पिछले 10 वर्षों के कुल निवेश से भी अधिक है। सोने की खपत का पैटर्न बदल रहा है। भू-राजनीतिक अनिश्चितता और पोर्टफोलियो विविधीकरण की वजह से निवेश की मांग बढ़ती रहेगी। वित्त वर्ष 2027 तक कुल सोने की खपत में निवेश की हिस्सेदारी 35 से 40% रहने का अनुमान है। सोने की बढ़ती कीमतों के कारण उपभोक्ताओं के व्यवहार में बदलाव आया है। भारत में ज्वेलरी पर खर्च 10% बढ़ा है (4.8 लाख करोड़ रुपये), लेकिन वजन (वॉल्यूम) के हिसाब से इसमें 15% की गिरावट आई है। ऊंचे दामों की वजह से लोग अब कम कैरेट या हल्के वजन वाली ज्वेलरी खरीदना पसंद कर रहे हैं।

हेल्थ इंश्योरेंस का प्रीमियम घटाने के स्मार्ट तरीके, विशेषज्ञ से समझें

नई दिल्ली, एजेंसी। बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस के चीफ चेक्निकल ऑफिसर अमरनाथ सक्सेना का कहना है कि हेल्थ इंश्योरेंस के प्रति यह सोच नहीं रखनी चाहिए कि यह सिर्फ एकबारगी की खरीद है और इसमें कभी बदलाव नहीं होगा। इसे एक सुरक्षित आर्थिक फैसला समझना चाहिए। इसमें आपकी जिंदगी में आने वाले पड़ाव, स्थिति और बढ़ते मेडिकल खर्च के अनुसार बदलाव होते हैं। जिस तरह से दिनों-दिन महंगाई बढ़ रही है, उसी तरह से बीमारी के इलाज का खर्च भी बढ़ रहा है। आज हम यहां बता रहे हैं हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदने के कुछ स्मार्ट तरीके, जिससे आपके हेल्थ इंश्योरेंस का प्रीमियम कम हो सके। भारत में एक व्यवस्थित तरीके से हेल्थ इंश्योरेंस की प्रीमियम में संशोधन किया जाता है। आमतौर पर इंश्योरेंस कंपनियां लंबी अवधि में प्रीमियम में समीक्षा और संशोधन का काम करती हैं। वे अक्सर ऐसा तीन साल में एक बार करती हैं। कीमत में संशोधन की मुख्य वजह है मेडिकल महंगाई में लगातार हो रही वृद्धि। ट्रेंड बताते हैं कि भारत में मेडिकल महंगाई प्रति वर्ष 12 से 15% है। इस बढ़त के पीछे मुख्य वजह है अस्पताल में भर्ती होने के बढ़ते खर्च,

मेडिकल टेक्नोलॉजी में हो रही उन्नति और स्वास्थ्य सेवाओं में दिनों-दिन बढ़ती कीमतें। इसलिए जब आप हेल्थ इंश्योरेंस की पॉलिसी लेते हैं तो स्मार्ट तरीका अपनाएं। अगर आप डिडक्टिबल या स्वैच्छिक रूप से को-पेमेंट का विकल्प चुनते हैं, तो आपकी प्रीमियम काफी हद तक कम हो सकती है। इसका अर्थ यह है कि आप क्लेम राशि के एक हिस्से का भुगतान करने की सहमति देते हैं, जिससे कि इंश्योरेंस कंपनी पर भुगतान का बोझ कम हो जाता है। यही वजह है कि इससे आपकी प्रीमियम कम हो जाती है। यह चीज उन लोगों के लिए उपयुक्त हैं जो कि अपने छोटे-मोटे मेडिकल बिलों का भुगतान खुद करते हैं और अस्पताल में भर्ती होने के दौरान बड़े खर्चों से सुरक्षा पाना चाहते हैं। बाद,सुपर टॉप-अप प्लानआपको बेहद कम कीमत पर अतिरिक्त कवरेज प्रदान करता है। इससे न केवल कवरेज बढ़ाने में मदद मिलती है, बल्कि प्रीमियम में भी कोई तेज वृद्धि नहीं होती। युवा दंपतियों के लिए फ्लोटर प्लान इंडिविजुअल प्लान की तुलना में बेहद कारगर साबित होता है। इसमें इंश्योरेंस की राशि सभी सदस्यों के बीच साझा हो जाती है। यही वजह है कि हर व्यक्ति के लिए अलग से कवर लेने के बजाय इसका प्रीमियम आमतौर पर कम होता है। इसकी एक और वजह यह है कि इसमें जोखिम का स्तर औसत होता है। हालांकि ऐड-ऑन से आपका कवरेज तो बेहतर हो जाता है, लेकिन हरेक व्यक्ति के लिए सभी चीजें जरूरी नहीं होती हैं। इसलिए कमरे के किराए में छूट, मैटरनिटी कवर या ओपीडी लाभ जैसे राइडर का चुनाव सोच-समझकर करें।

कंगाली की राह पर पाकिस्तान सेंट्रल बैंक ने 100 बेसिस प्वाइंट बढ़ाई ब्याज दर

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार में महंगाई अपने चरम पर है। ग्लोबल टेंशन के बीच हालात बेकाबू होने लगे हैं और इसका खतरा पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति पर बढ़ने की आशंका है। इस बीच, पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने एक बड़ा झटका दे दिया है। दरअसल, पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक- स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने सोमवार को बड़ा फैसला लेते हुए अपनी प्रमुख नीति ब्याज दर में 100 बेसिस प्वाइंट (1 प्रतिशत) की बढ़ोतरी कर दी। इस बढ़ोतरी के साथ पाकिस्तान में ब्याज दर 10.5 प्रतिशत से बढ़कर 11.5 प्रतिशत हो गई है। लगभग तीन साल में पहली बार है जब पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दर में इजाफा किया है।

स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी ने अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच तनाव को इस बढ़ोतरी का कारण बताया। केंद्रीय बैंक ने कहा कि ग्लोबल तेल कीमतों, माल

3.45 अरब डॉलर का कर्ज चुकाया

ढुलाई खर्च और बीमा प्रीमियम में तेजी आई है। इसका असर पाकिस्तान जैसी आयात-निर्भर अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। कमेटी को डर है कि युद्ध अगर लंबा खिंच गया तो पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति पर खतरा बढ़ जाएगा। केंद्रीय बैंक के मुताबिक ऊर्जा कीमतों में उछाल और सप्लाई चेन में रुकावटों के कारण आने वाले महीनों में महंगाई बढ़ने की आशंका है।

स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के मुताबिक मार्च 2026 में पाकिस्तान की महंगाई दर बढ़कर 7.3 प्रतिशत हो गई। बैंक को डर है कि आने वाले महीनों में महंगाई दहाई अंक यानी 10% से ऊपर तक जा सकती है। वित्त वर्ष 2027 के अधिकतर समय तक महंगाई 5 से 7 प्रतिशत के टारगेट से ऊपर रह सकती है। बता दें कि पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक को सरकार की ओर से महंगाई को इस दायरे में रखने को टारगेट मिला है। वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में पाकिस्तान की ग्रोथ 3.8 प्रतिशत रही जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 1.9 प्रतिशत थी। वहीं,24 अप्रैल तक पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार करीब 15.8 अरब डॉलर रहे।

पाकिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात का कुल 3.45 अरब डॉलर का कर्ज चुका दिया है। देश के सेंट्रल बैंक ने हाल ही में यह जानकारी दी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)